RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 158
नई दिल्ली, शुक्रवार, 16 अप्रैल, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

कोवड-19 से स्वस्थ होकर घर लौटीं तबस्सुम
विविध-12

www.dailypioneer.com

कोरोना पर काबू पाने को दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू

- शुक्रवार रात 10 से सोमवार सुबह छह बजे तक लागू रहेंगी पाबंदियां
- बारी-बारी से खुलेंगे साप्ताहिक बाजार, शादियों के लिए ई-पास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना महामारी की चेन तोड़ने के लिए राजधानी में हर वीकेंड पर कर्फ्यू रहेगा। पाबंदियां शुक्रवार रात 10 बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक लागू रहेंगी। एक जोन में सिर्फ एक ही दिन साप्ताहिक बाजार लगेगा। कर्फ्यू के दौरान आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी।

इससे जुड़े लोगों को ई-पास दिए जाएंगे। साथ ही शादियों का सामान लाने व ले जाने के लिए भी ई-पास लेना होगा। कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल के साथ बैठक की। बैठक के बाद केजरीवाल ने कर्फ्यू के संबंध में दिशानिर्देश जारी किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी में रोज कोरोना के केस बढ़ते जा रहे हैं। कोरोना की चेन तोड़ने के लिए वीकेंड पर कर्फ्यू लगाया जा रहा है, ताकि ज्यादा लोग एक-दूसरे के संपर्क में न आएं। इस दौरान ऐसी व्यवस्था की जा रही है ताकि आम लोगों को ज्यादा दिक्कत नहीं हो। सीएम केजरीवाल ने कहा कि इस कर्फ्यू के दौरान अस्पताल, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन (शेष पेज 9)

भारत में रिकॉर्ड दो लाख से अधिक मामले, 1038 की मौत

नई दिल्ली(पीएनएस)। भारत में कोविड-19 के एक दिन में रिकॉर्ड दो लाख से अधिक मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले 1,40,74,564 पर पहुंच गए हैं जबकि इस बीमारी का इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 14 लाख के पार चली गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 2,00,739 मामले आए जबकि 1,038 लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 1,73,123 हो गई है। तीन अक्टूबर 2020 के बाद से एक दिन में मरने वाले लोगों की यह सर्वाधिक संख्या है। लगातार नौवें दिन संक्रमण के मामले एक लाख से अधिक दर्ज किए गए हैं। भारत में नौ दिनों में संक्रमण के 13,88,515 मामले (शेष पेज 9)

बंद रहेंगे मॉल्स, जिम, स्पॉ और ऑडिटोरियम

केजरीवाल ने कहा कि मॉल्स, जिम, स्पॉ और ऑडिटोरियम को फिलहाल बंद रहेंगे। सिनेमा हॉल 30 फीसद की क्षमता पर चलेंगे। एक सप्ताहिक मार्केट को प्रतिदिन, प्रति जोन के हिसाब से अनुमति दी जाएगी। रेस्टोरेंट में अब बैठकर खाने की इजाजत नहीं होगी, वहां से केवल होम डिलीवरी की अनुमति रहेगी। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर कोविड प्रोटोकाल का उल्लंघन करने वालों पर और सख्ती बरती जाएगी।

एएसआई संरक्षित सभी स्मारक 15 मई तक बंद

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) प्रहलाद सिंह पटेल ने एएसआई द्वारा संरक्षित सभी स्मारकों को 15 मई तक बंद रखने का फैसला लिया है। पटेल ने ट्वीट कर ये जानकारी दी। इस दौरान 3693 स्मारक आगामी 15 मई तक रहेंगे। हालांकि जिन स्थलों पर पूजा होती है उन स्थलों पर निरंतर पूजा होती रहेगी लेकिन वहां पर दर्शनार्थियों को जाने की इजाजत नहीं होगी। पटेल ने बताया कि कोरोना का प्रकोप बहुत तेजी से बढ़ रहा है जिसके चलते ये बड़ा कदम उठाना पड़ा। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मेरा सभी लोगों से आग्रह है कि जरूरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकले।

विदेशी टीके के आपात उपयोग के आवेदन पर तीन दिन में फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सरकार ने गुरुवार को कहा कि भारत का औषधि नियामक विदेश में निर्मित टीकों के सीमित आपात इस्तेमाल के लिए आवेदन मिलने के तीन दिन के भीतर इस पर फैसला कर लेगा। केंद्रीय औषधि प्राधिकरण, सीडीएससीओ आपात स्थिति में सीमित इस्तेमाल के वास्ते मंजूरी के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्रों (कोविड-19 रोधी टीका के मामले में उत्पाद और उसके पंजीकरण, निर्माण स्थल) और आयात लाइसेंस के लिए आवेदन दिए जाने से तीन कामकाजी दिन के भीतर इस पर विचार करेगा। केंद्र सरकार ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) या अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन या जापान में नियामकों की मंजूरी प्राप्त कोरोना वायरस के सभी टीकों को त्वरित मंजूरी देने के फैसला किया था। इसके बाद सीडीएससीओ ने नियामकीय मंजूरी को लेकर विस्तृत निर्देश जारी किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को विदेश में निर्मित कोविड-19 रोधी टीके के लिए नियामकीय निर्देश जारी किया। इसके मुताबिक, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने विस्तृत दिशा-निर्देश तैयार किया है जिसमें विदेश में मंजूर टीकों को लेकर जानकारी दी गयी है। सरकार ने 13 अप्रैल को यूएसएफडीए, ईएमए, यूके एमएचआरए, पीडएमडीए जापान द्वारा मंजूर या डब्ल्यूएचओ में सूचीबद्ध कोविड-19 टीकों को अनुमति देने का फैसला किया था। मंत्रालय ने कहा कि इस फैसले से भारत में विदेशी टीकों की पहुंच हो सकेगी और थोक में दवा सामग्री को लेकर आयात तथा टीका निर्माण क्षमता को प्रोत्साहन मिलेगा और देश के भीतर टीके की उपलब्धता बढ़ेगी।

किसी विशेष अस्पताल में भर्ती होने की जिद न करें

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि राजधानी के अस्पतालों में 5000 बेड खाली हैं। इसलिए हड़बड़ाए नहीं। लोग किसी विशेष अस्पताल में जाने पर जोर न दें। जहां जगह मिले, उसी अस्पताल में भर्ती हो जाएं। सरकार अभी और बेड बढ़ाने की व्यवस्था कर रही (शेष पेज 9)

नोएडा, गाजियाबाद समेत यूपी के 10 जिलों में कर्फ्यू का समय बढ़ा

लखनऊ में व्यापारियों की स्वतः बंदी के चलते जनपथ मार्केट पर पसरा संन्नाटा

- कई प्रतिबंध लागू, जिन जिलों में 2000 से ज्यादा सक्रिय मामले, वहां नाइट कर्फ्यू रात आठ से सुबह 6 बजे तक रहेगा जारी
- उत्तर प्रदेश बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिए की परीक्षाएं स्थगित, स्कूल और कॉलेज 15 मई तक बंद

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा/लखनऊ

राज्य सरकार ने कोरोना वायरस पर लगाम लगाने के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। दूसरी ओर गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, लखनऊ और मेरठ समेत राज्य के 10 जिलों में नाइट कर्फ्यू का समय और बढ़ा दिया गया है।

मुख्यमंत्री के आदेश पर राज्य प्रशासन ने फैसला लिया है कि प्रदेश के जिन जिलों में सक्रिय मामलों की संख्या 2000 से ज्यादा है, वहां नाइट कर्फ्यू रात 8.00 बजे से अगले दिन सुबह 6.00 बजे तक जारी रहेगा। इस दौरान सभी व्यवसायिक गतिविधियां पूरी तरह पाबंद कर दी गई हैं। राज्य मुख्यालय की ओर से आदेश जारी किया गया है कि लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, कानपुर नगर, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ और गोरखपुर सहित 2000 से अधिक कोरोना एक्टिव मामले वाले सभी 10 जनपदों में रात्रि 8.00 बजे से अगले दिन सुबह 7.00 बजे तक नाइट कर्फ्यू जारी रहेगा। इस दौरान किसी भी तरह की व्यवसायिक गतिविधि संचालित नहीं होगी। केवल आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं का संचालन जारी रहेगा। बताया गया कि राजधानी लखनऊ में अन्य जनपदों के मरीजों का आगमन बढ़ रहा है। इसके लिए अतिरिक्त व्यवस्था की जाएगी। केजीएमयू और बलरामपुर हॉस्पिटल को पूर्णता कोविड-19 अस्पताल के रूप में तैयार करने का आदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ में टीएस मिश्रा हॉस्पिटल इंटीग्रल और हिंद मेडिकल मेडिकल कॉलेज डेडीकेटेड कोविड-19 ग्रुप में तत्काल क्षमता का विस्तार करें।

अगले 2 दिनों में यहां अतिरिक्त बेड उपलब्ध कराए जाएं। कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत कक्षा 1 से बारहवीं तक के विद्यालयों में 15 मई तक पठन-पाठन स्थगित कर दिया गया है। इस अवधि में कोई परीक्षा आयोजित नहीं की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा परिषद की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 20 मई के बाद आयोजित (शेष पेज 9)

उप्र में 22,439 नए केस, 104 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। गुरुवार को प्रदेश में कोरोना के 22439 नए केस सामने आए हैं। वहीं राजधानी लखनऊ में 5183 केस मिले हैं। बीते 24 घण्टे के अंदर में 104 कोरोना संक्रमित मरीजों की मौत हो चुकी है। लखनऊ में 26 मरीजों की मौत हुई है। प्रदेश में वर्तमान में 129848 नए केस एक्टिव हैं। जबकि राजधानी में 35865 मरीज एक्टिव हैं। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में टेस्टिंग का कार्य करते हुएए टेस्टिंग की क्षमता निरन्तर बढ़ायी जा रही है। गत एक दिन में कुल 2,06,517 सैंपल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 3,75,90,753 सैंपल की जांच की गयी है। इसमें 89,964 सैंपलों की जांच आरटीपीसीआर के माध्यम से की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 22,439 नये मामले आये है। प्रदेश में 1,29,848 कोरोना के एक्टिव मामले में से 66,528 लोग होम आइसोलेशन में हैं। निजी चिकित्सालयों में 2012 लोग तथा शेष मरीज चिकित्सालयों में इलाज भी करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में विगत 24 घंटे में 4,222 तथा अब तक 6,27,032 लोग कोविड 19 से ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं।

चतुर्थ कूष्मांडा

सुरासम्पूर्णकलशं रुधिराप्लुतमेव च।
दधाना हस्तपद्माभ्यां कुष्मांडा शुभदास्तु मे।

नवरात्र में चौथे दिन देवी को कुष्मांडा के रूप में पूजा जाता है। अपनी मंद, हल्की हंसी के द्वारा अण्ड यानी ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इस देवी को कुष्मांडा नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि नहीं थी, चारों तरफ अंधकार ही अंधकार था, तब इसी देवी ने अपने हास्य से ब्रह्मांड की रचना की थी। इसीलिए इसे सृष्टि की आदि स्वरूपा या आदिशक्ति कहा गया है। इस देवी की आठ भुजाएं हैं, इसलिए अष्टभुजा कहलाईं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमण्डल, धनुष, बाण, कमल-पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं। आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जप माला है। इस देवी का वाहन सिंह है और इन्हें कुम्हड़े की बलि प्रिय है। संस्कृति में कुम्हड़े को कुष्मांड कहते हैं। इसलिए इस देवी को कुष्मांडा कहा जाता है।

बंगाल में बाकी चरणों के चुनाव एक साथ नहीं

- निर्वाचन आयोग ने बढ़ते कोरोना मामलों के मद्देनजर लगाई जा रही अटकलों को किया खारिज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को इन अटकलों को खारिज कर दिया कि देश में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते मामलों के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के आखिरी तीन चरण के मतदान को एक बार में कराया जाएगा।

इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आयोग से आग्रह किया था कि विधानसभा चुनाव के बाकी चरणों को एक बार में कराने पर विचार किया जाए। बनर्जी ने जोर देते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने पहले ही आठ चरणों में मतदान कराने का विरोध किया था। सुबह से ही मीडिया में अटकलें चल रही थीं कि विधानसभा चुनाव के 22, 26 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान के (शेष पेज 9)

भाजपा के पश्चिम बंगाल अध्यक्ष दिलीप घोष के प्रचार करने पर 24 घंटे की रोक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार शाम भाजपा के पश्चिम बंगाल अध्यक्ष दिलीप घोष के विवादास्पद बयान के लिए उनके प्रचार करने पर 24 घंटे की पाबंदी लगा दी। घोष ने कहा था कि कई जगहों पर सीतलकूची जैसी घटनाएं होंगी। आदेश में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग ने घोष को कड़ी चेतावनी दी है और (शेष पेज 9)

विमानों में बीच की सीट खाली छोड़ने से संक्रमण का खतरा होता है कम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

विमानों में बीच की सीट खाली रखने से यात्रियों में कोविड संक्रमण का खतरा कम होने के साथ ही उनको अधिक सुरक्षा मिल सकती है। यह दावा कोविड-19 पर हुए एक नए अध्ययन में सामने आया है। शोध में शामिल अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) के वैज्ञानिकों के अनुसार कम दूरी के क्षेत्र में अधिक लोगों के लंबे समय तक रहने से संक्रमण फैलने का खतरा अधिक रहता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि एकल और दो गलियारे वाले विमानों पर सार्स-सीओवी-2 के प्रसार को लेकर प्रयोगशाला में किए गए अध्ययन में पाया गया कि जिस विमान में बीच की सीट खाली छोड़ी गयी थी, उसमें यात्रियों से भरे विमान की तुलना में संक्रमण का खतरा 23 से 57 प्रतिशत कम देखा गया। स्थिति सामान्य होने पर बाद में एयरलाइन यात्रियों के बीच सामाजिक दूरी से संबंधित कोविड-19 के नियम को छोड़ सकते हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि विमानों में बीच की (शेष पेज 9)

नौका समेत 8 पाकिस्तानी पकड़े गए, 30 किग्रा हेरोइन बरामद

- तटरक्षक दल और गुजरात एटीएस का संयुक्त अभियान, मादक पदार्थ की कीमत 300 करोड़ रुपये

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय तट रक्षक दल और गुजरात आतंकरोधी स्क्वाड (एटीएस) के संयुक्त ऑपरेशन में गुरुवार को कच्छ जिले के झाकु तट से आठ पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया, जिनके पास से 30 किलो हेरोइन बरामद किया गया। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 300 करोड़ रुपये है। भारतीय तट रक्षक दल (आईसीजी) की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि मंगलवार को इनपुट मिला की भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा (आईएमबीएल) पर मादक पदार्थ की पाकिस्तानी नाव से बढ़ी खेप लाया जा रहा है। इस इनपुट के मिलने के बाद आईसीजी और गुजरात एटीएस के संयुक्त टीम का गठन कर ऑपरेशन की तैयार की गई। बयान के अनुसार संदिग्ध पाकिस्तानी नाव को भारतीय जल क्षेत्र में बुधवार-गुरुवार की रात में देखा गया और जिसे आईएसजी ने पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि नाव से बरामद 20 किलो हेरोइन की कीमत करीब 300 करोड़ रुपये है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि तस्करी कर लाई जा रही यह हेरोइन को गुजरात तट पर उतारा जाना था। नाव में सवार आठ पाकिस्तानी नागरिकों के दल को झाकु में पकड़े जाने के बाद से संयुक्त टीम द्वारा पूछताछ जारी है। पिछले एक साल में तट रक्षक दल ने 1.6 टन से अधिक मादक पदार्थ पकड़ा है जिसकी कीमत करीब 5,200 करोड़ रुपये है। इस साल 18 मार्च को आईसीजी ने लक्ष्यद्वीप द्वीप से 300 किलो हेरोइन, पांच एके-47 और 1000 गोलियां एसएलबी रविहंसी के साथ बरामद किया था। जो मकरान तट से संदिग्ध है। इससे पहले आईसीजी ने सफलतापूर्वक एसएलबी अकारशाह दुआ को गिरफ्तार किया, जिसने कबूल किया कि उसने 200 किलो हाई ग्रेड की हेरोइन और 60 किलो हशीश ले आया था। जिसे आईसीजी ने पेट्रोलिंग के समय पकड़ा था।

बाजार

सेंसेक्स	48,803	↑	259	
निफ्टी	14,581	↑	76	
सोना	46,301	↑	159	/10g
चांदी	67,168	↑	206	/kg

क्विक न्यूज

नीट परीक्षा टली, नई तिथि बाद में

नई दिल्ली। कोविड-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने स्नातकोत्तर चिकित्सा संकाय में दाखिले से संबंधित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा एनईईटी-पीजी 2021 को स्थगित करने का निर्णय किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्द्धन ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होने कहा, अगली तिथि के बारे में निर्णय बाद में किया जाएगा। एनईईटी-पीजी 2021 पूर्व कार्यक्रम के अनुसार 18 अप्रैल को निर्धारित थी। डा. हर्षवर्द्धन ने कहा, यह फैसला हमारे युवा चिकित्सा छात्रों की सेहत को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

कुंभ में अब तक 1700 संक्रमित

- 10 से 14 अप्रैल तक के आंकड़े, दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक मेले से कोरोना मामलों में और तेजी आने की आशंका

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून, ऋषिकेश

हरिद्वार कुंभ मेला क्षेत्र में 10 से 14 अप्रैल के बीच 1700 से अधिक लोगों के कोरोना वायरस संक्रमित पाए जाने के बीच आशंका जताई जा रही है कि विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक जमावड़ा कोविड-19 के मामलों में आ रहे जबरदस्त उछाल को और तेज कर सकता है। स्वास्थ्यकर्मियों ने मेला क्षेत्र में इन पांच दिनों में 2,36,751 कोविड जांच कीं, जिनमें से 1701 लोगों की रिपोर्ट में उनके महामारी से ग्रस्त होने की पुष्टि हुई। हरिद्वार के मुख्य चिकित्साधिकारी शंभु कुमार झा ने कहा कि इस संख्या में श्रद्धालुओं और विभिन्न अखाड़ों के साधु-संतों की हरिद्वार से लेकर देवप्रयाग तक पूरे मेला क्षेत्र में पांच दिनों में की गई आरटी-पीसीआर और रैपिड एंटीजन जांच दोनों के आंकड़े शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अभी और आरटी-पीसीआर जांच के नतीजे आना बाकी हैं और इस परिस्थिति को देखते हुए कुंभ मेला क्षेत्र में संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 2000 के पार निकलने की पूरी आशंका है।

हरिद्वार, टिहरी और ऋषिकेश सहित देहरादून जिले के विभिन्न भागों में 670 हेक्टेयर क्षेत्रफल में महाकुंभ क्षेत्र फैला हुआ है। सोमवार को सोमवती अमावस्या तथा बुधवार को मेष संक्रांति और बैसाखी के पर्व पर हुए दोनों शाही स्नानों में गंगा में डुबकी लगाने वाले 48.51 लाख श्रद्धालुओं में से ज्यादातर लोग बिना मास्क पहने और सामाजिक दूरी रखने जैसे कोविड से बचाव के नियमों का उल्लंघन करते नजर आए। इस दौरान पुलिस हर (शेष पेज 9)

नोएडा में अडानी समेत 13 कंपनियों ने खरीदी जमीन

- 10 हजार करोड़ का निवेश, 50 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

रिंकू यादव। नोएडा

नोएडा डेवलपमेंट अथॉरिटी ने अडानी समूह समेत 13 कंपनियों को जमीन आवंटित की है। इन 13 कंपनियों के निवेश करने से नोएडा के विकास को पंख लगने के साथ ही हजारों लोगों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। जानकारी के अनुसार अडानी समूह 5 हजार करोड़ की लागत से नोएडा में देश का सबसे बड़ा डाटा हब सेंटर बनाने जा रही है।

अथॉरिटी से कंपनी ने सेक्टर 80 में 39,146 वर्गमीटर जमीन खरीदी है। भूखंड बिक्री से नोएडा प्राधिकरण को 344 करोड रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। ये 13 कंपनियां करीब 50 हजार लोगों को रोजगार देंगी। शहर में करीब 10,000 करोड रुपये का निवेश करेंगी। इनमें मोबाइल फोन, लैपटॉप, वाशिंग मशीन बनाने वाली कंपनियां भी शामिल हैं। नोएडा विकास प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी ऋतु माहेश्वरी ने बताया कि प्रदेश में औद्योगिकीकरण को गति देने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने 4,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल के भूखंड आवंटन की योजना 1 फरवरी, 2021 को घोषित की थी। इस योजना के प्रथम चरण में आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 फरवरी थी।

योजना में विभिन्न क्षेत्रफल और श्रेणियों में भूखंड लेने के लिए 66 आवेदन मिले। इनमें से एक आवेदन त्रुटियों के कारण रद्द कर दिया गया है। बाकी 65 आवेदन पत्रों की स्क्रीनिंग के पश्चात 25 और 26 मार्च को नोएडा अथॉरिटी में साक्षात्कार का आयोजन किया गया। सीईओ ने बताया कि साक्षात्कार को निर्धारित ऑब्जेक्टिव क्राइटेरिया के आधार पर

प्रतीकात्मक फोटो

आवंटन समिति ने प्रत्येक आवेदक को अंक दिए। इस तरह कुल 13 आवेदकों को पात्र मानते हुए भूखंड आवंटन की संस्तुति दी है। भूखंड आवंटन के तहत मल्टीनेशनल कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने 39,148 वर्ग मीटर जमीन का आवंटन हासिल किया है। नोएडा अथॉरिटी के सीईओ ने बताया कि यह विश्व की अग्रणी कंपनियों में शामिल है। यह कंपनी नोएडा में डाटा सेंटर स्थापित करेगी। जिससे रोजगार के बडे अवसर सृजित होंगे। कंपनी 2,500 करोड़ रुपये निवेश करेगी।

यह परियोजना सुपर मेगा श्रेणी में शामिल है। इस भूखंड के आवंटन से नोएडा प्राधिकरण को 71 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। नोएडा अथॉरिटी ने डिक्सन टेक्नोलॉजीज इंडिया लिमिटेड को नोएडा अथॉरिटी ने सेक्टर.151 में 21,000 वर्ग मीटर भूखंड का आवंटन किया है। इस जमीन पर डिक्शन टेक्नोलॉजीज मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का निर्माण करेगी। इस परियोजना में 270 करोड रुपए का निवेश होगा। जिसके जरिए करीब 9,000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। अथॉरिटी द्वारा बुधवार को किए गए भूमि आवंटन में सबसे बड़ा आवंटन अग्रवाल एसोसिएट लिमिटेड को शहर के सेक्टर 140ए में किया गया है। कंपनी (शेष पेज 9)

हिंडन पर शवों की कतार, बिगड़े हालात

एक साथ आए 45 शव, संक्रमितों का सामान्य मृतकों के साथ अंतिम संस्कार पर भड़के लोग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हिंडन मोक्ष स्थली पर शवों की लंबी कतार लग जाएगी और शवों के दाह संस्कार को लेकर हंगामे की स्थिति पैदा हो सकती है यह कभी किसी ने सोचा नहीं होगा। हिंडन मोक्ष स्थली पर बृहस्पतिवार को एक साथ 45 शवों की लंबी कतार देखने को मिली इनमें से 15 कोरोना संक्रमण से मरे लोगों के शव थे जबकि 30 सामान्य बीमारी से मरे हुए लोगों के शव थे। यह आंकड़ा 3:00 बजे तक का है। समाचार लिखे जाने तक शवों का आना जारी था।

प्रशासन की गाइडलाइन के मुताबिक कोरोना संक्रमण से मृत लोगों के शव का दाह संस्कार इलेक्ट्रिक मशीन द्वारा किया जाना था लेकिन, यह व्यवस्था अचानक मशीन की तकनीकी खराबी के कारण गड़बड़ा गई। जबकि सामान्य शवों का दाह संस्कार परंपरागत ढंग से होना था लेकिन, जब कोरोना संक्रमित शवों को सामान्य शवों के साथ संस्कार करने की प्रक्रिया शुरू करने की कोशिश की गई तो वहां पर मौजूद लोग गुस्से में आ गए और हंगामा करने लगे।

हिंडन मोक्ष स्थली पर अंतिम संस्कार के लिए कतार में रखे शव के साथ खड़े लोग।

यहां पर केवल गुरुवार को ही कोरोना से मरने वाले 15 लोगों के पार्थिव शरीर दाह संस्कार के लिए हिंडन मोक्ष स्थली लाए गए थे, जिससे यहां की व्यवस्था गड़बड़ा गई। मोक्ष स्थली प्रशासन को अलग से दाह संस्कार के लिए व्यवस्था करनी पड़ी। जिसके लिए परिजनों को घंटों दाह संस्कार के लिए इंतजार करना पड़ा।

मोक्ष स्थली के प्रबंधक आचार्य मनीष की मानें तो गुरुवार को कोरोना वाले कुल 15 लोगों के पार्थिव शरीर हिंडन नदी पर अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे। संस्कार के लिए टोकन सिस्टम लागू किया गया और उनके परिजनों को घंटों हिंडन नदी पर इंतजार करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा सामान्य तौर पर 30 लोगों के पार्थिव शरीर हिंडन पर पहुंचे। जिस कारण लोगों को ऐसी और व्यवस्था का सामना करना पड़ा। यहां उस वक्त हंगामा खडा हो गया,जब कोरोना के चलते मौत का शिकार हुए लोगों के शव प्रतीक्षा में रखवा दिए गए। हंगामे को देखते हुए तीन शवों को लकड़ी आधारित घाट पर अंतिम संस्कार कराए गए। इसके बावजूद कई शवों को अंतिम संस्कार के लिए प्रतीक्षा में रखा गया है।

तड़के से शमशान घाट पर कोरोना के चलते मौत का शिकार हुए लोगों के शवों को लाए जाने का क्रम ऐसा लगा कि एक के बाद एक शव पहुंचने लगे। लोगों का कहना था कि अस्पतालों में कोरोना से पीड़ितों को बेड नहीं मिल रहे हैं और श्मशान घाट में शवों के दाह संस्कार के लिए जगह नहीं मिल रही है।

हर तरफ अव्यवस्था का आलम है। लोगों ने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन कोरोना के जो आंकड़े पेश कर रहा है वह सत्य नहीं है।

3754 पंचायत प्रत्याशियों के भाग्य मतपेटियों में बंद

गाजियाबाद में 74.33 प्रतिशत हुआ मतदान, मुरादनगर में सबसे ज्यादा 79.16 प्रतिशत पड़े वोट

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव

अशोक निर्वाण। गाजियाबाद

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मतदान छिटपुट घटनाओं को छोड़कर शांतिपूर्वक संपन्न हो गया। ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य के 498 पदों के लिए साढ़े 5 लाख मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसके साथ ही 3754 प्रत्याशियों के भाग्य मत पेटियों में बंद हो गया।

खास बात यह है कि क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिए सबसे ज्यादा 1474 प्रत्याशी मैदान में हैं। जिलाधिकारी डॉ अजय शंकर पांडे ने बताया कि जनपद में 65.76 फीसदी मतदान रहा। भोजपुर में 76.68 प्रतिशत, मुरादनगर में 79.16 प्रतिशत, रजापुर में 68.16 प्रतिशत और लोनी में 71.50 प्रतिशत मतदान रहा। मतदान के मामले में रजापुर ब्लॉक सबसे फिसड्डी रहा जबकि मुरादनगर ब्लॉक सबसे आगे रहा।

गाजियाबाद के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए कतार में लगे मतदाता।

जिलाधिकारी डॉ. अजय शंकर पांडेय ने बताया कि सुबह 8 बजे मतदान शुरू हुआ और शुरुआती 2 घंटे के अंदर मतदान का प्रतिशत 37 प्रतिशत पहुंच गया था लेकिन तेज धूप और तपिश के कारण दोपहर मतदान का प्रतिशत काफी कम रहा। मगर जैसे-जैसे गर्मी का पारा कम होता गया मतदान का प्रतिशत अंतिम क्षणों में बढ़ता चला गया। इसके अलावा 3000 से भी अधिक हिस्ट्रीशीटर व असामाजिक तत्वों को उनके घरों में ही नजरबंद करके रखा गया और शाम 5 बजे के बाद उन्हें घर से निकलने की इजाजत दी गई।

सबसे कम रजापुर में 68.16 फीसदी पड़े वोट

जिले की 161 ग्राम पंचायतों पर प्रधानी पद के लिए 1253 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। खास बात यह है कि गांव से कोई भी प्रधान निर्विरोध नहीं चुना गया है। जिले में 22 क्षेत्र पंचायत सदस्य और 888 ग्राम पंचायत सदस्य निर्विरोध चुने जा चुके हैं।

भोजपुर ब्लॉक में 47 ग्राम पंचायत सीट पर 475 उम्मीदवार मैदान में हैं। मुरादनगर में 48 सीटों पर 299 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। रजापुर में 34 ग्राम पंचायत सीट पर 269 उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं वहीं लोनी की 32 ग्राम पंचायत पर 210 प्रत्याशी ग्राम प्रधान बनने के लिए मैदान में उतरे हैं। इसके अलावा जिले के 323 क्षेत्र पंचायत सदस्य सीट में से 22 सीटों पर निर्विरोध चुनाव हो चुका है।

प्रख्यात कवि डॉ.कुंअर बेचैन कोरोना संक्रमित

वेंटिलेटर के लिए भटकता रहा परिवार, कुमार विश्वास के ट्वीट के बाद मिली मदद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

हिंदी के मशहूर कवि और जाने माने गीतकार कुंवर बेचैन भी कोरोना की चपेट में हैं। उनकी हालत गंभीर हो गई है। ऑक्सीजन लेवल 77 तक जा पहुंचा लेकिन, दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कुंवर बैचेन को इस हालत में भी वेंटिलेटर नहीं मिल पा रहा था। तब हिंदी जगत के दूसरे बड़े कवि डॉ.कुमार विश्वास ने ट्वीट कर उनके लिए मदद मांगी।

इस ट्वीट के बाद गौतमबुद्धनगर से सांसद डा.महेश शर्मा ने कुमार विश्वास को फोन कर मदद का आश्वासन दिया। उसके बाद कुंवर बेचैन को डॉ.महेश शर्मा के कैलाश हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया।

कवि कुंअर बैचेन

गुरुवार को कवि डॉ. कुमार विश्वास ने ट्वीट कर जानकारी दी कि वरिष्ठ गीतकार डॉ. कुंअर बेचैन और उनकी धर्मपत्नी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। कुमार ने लिखा कि बुधवार को रात 12 बजे तक प्रयास करता रहा, आज सुबह से प्रत्येक परिचित डॉक्टर को कॉल कर चुका हूं। हिंदी के वरिष्ठ गीतकार गुरुप्रवर डॉ. कुंअर बेचैन, कॉसमॉस अस्पताल, आनंद विहार, दिल्ली में कोविड के उपचार के लिए भर्ती हैं। तुरंत वेंटिलेटर की आवश्यकता है, लेकिन कहीं कोई बेड ही नहीं मिल रहा। उनके इस ट्वीट को कई लोगों ने देखा और यह वायरल हो गई। इसके कुछ देर बाद डॉ. कुंअर को मदद मिली।

डॉ. कुमार विश्वास के साथ ही कुंअर बेचैन के बेटे प्रगीत ने भी सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर अपने पिता के लिए मदद मांगी थी। वीडियो में उन्होंने कहा था कि उनके पिता को किसी वेंटीलेटर वाले अस्पताल में एडमिट कराया जाए।

महामारी : दनकौर और कासना के बाजार 24 घंटे के लिए बंद

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

गौतमबुद्धनगर जिले में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी के साथ पांव पसार रहा है। जिला प्रशासन ने हालात पर काबू पाने के लिए कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसी सिलसिले में सदर तहसील के उपजिलाधिकारी प्रसून द्विवेदी ने कासना और दनकौर कस्बे के बाजार को अगले 24 घंटे बंद करने का आदेश दिया है।

एसडीएम ने बताया कि कोरोना की चेन तोड़ने के लिए यह फैसला लिया गया है। इस दौरान दोनों बाजारों में सैनिटाइजेशन ड्राइव चलाया जाएगा। एसडीएम ने कहा कि अगर अगले 24 घंटों के दौरान बाजार में किसी ने व्यवसायिक प्रतिष्ठान खोला तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना चैन तोड़ने को प्रशासन ने उठाया कदम

प्रशासन से मिली जानकारी के मुताबिक कासना, दनकौर के बाजार 24 घण्टों के लिए बंद कर दिए गए हैं। अगले 24 घंटो में दोनों बाजार में सेनिटाइजेशन किया जाएगा।

नरेंद्र भूषण नोएडा के कोविड-19 प्रभारी नियुक्त

रूपम कुमारी वर्मा। ग्रेटर नोएडा।

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण को उत्तर प्रदेश सरकार ने गौतमबुद्धनगर जिले में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने की जिम्मेदारी दी है। नरेंद्र भूषण को कोविड-19 के खिलाफ चल रहे अभियान का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

नरेंद्र भूषण

शासन की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन, पुलिस, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के तमाम अफसर उन्हें सहयोग देंगे। जिले के सारे अफसर नरेंद्र भूषण को रिपोर्ट करेंगे।

सरकार ने सारे विभाग किए अटैच

गौतमबुद्धनगर में संक्रमण पांव पसारता जा रहा है। जिसमें बुधवार को तो सारे रिकॉर्ड टूट गए। पिछले एक वर्ष के दौरान सर्वाधिक 484 नए मरीज सामने आए। पिछले 24 घंटों के दौरान यह संख्या अचानक बढ़ी है। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव मुकुल सिंघल की ओर से एक आदेश जारी किया गया है। यह आदेश बुधवार को ही गौतमबुद्धनगर के डीएम, पुलिस कमिश्नर, मेरठ मंडल के आयुक्त, नोएडा, ग्रेटर नोएडा व यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी को भेजा गया है।

आदेश में कहा गया है कि गौतमबुद्धनगर में कोरोनावायरस के संक्रमण की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इसके रोकथाम, इसके बचाव और उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी ग्रेटर नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नरेंद्र भूषण को सौंपी गई है।

बिना मास्क के लोगों से वसूला 2.55 लाख का जुर्माना

नोएडा। जिले में कोविड-19 के अब तक एक दिन में 483 मामले सामने आने से हड़कंप मच गया है। इसके बाद जनपद में कोरोना संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 28,439 हो गई है। उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी 24 घंटे के आंकड़ों के अनुसार नोएडा में कोविड का इलाज करा रहे रोगियों की संख्या भी बढ़कर 2,027 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 57 और संक्रमितों को अस्पतालों से छुट्टी दी गई। जिले में अब तक 26,,315 संक्रमणमुक्त हुए हैं। अब तक गौतमबुद्धनगर में 97 मरीजों की जान गयी है। वहीं कोविड-19 नियमों का उल्लंघन करने पर जिला प्रशासन भी सख्त कार्रवाई कर रहा है।

गौतमबुद्धनगर पुलिस ने कोविड के नियमों का उल्लंघन करने और बिना मास्क के सार्वजनिक स्थानों पर घूमने वाले 2,551 लोगों का बुधवार को चालान किया। पुलिस ने इनसे 2,55,100 रुपये का जुर्माना वसूला है। पुलिस ने बताया कि आज 1,631 वाहनों का चालान करते हुए कुल 70,500 रुपये शुल्क वसूला गया है। इस दौरान छह वाहनों को जब्त किया गया है।

नौएडा
नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नौएडा-201301 (उ०प्र०)
वेबसाइटः www.noidaauthorityonline.com

निविदा आमंत्रण सूचना

मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नौएडा की ओर से नौएडा उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में निम्न आपूर्ति के लिए निर्माता/अधिकृत विक्रेता से मोहरबन्द निविदायें निर्धारित निविदा प्रपत्रों में द्वि-पद्धति में अद्योहस्ताक्षरी द्वारा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र केनरा बैंक, सैक्टर-6, नौएडा, स्थित शाखा में सभी कार्यदिवसों में बैंकिंग आवर्स के समय विक्रयार्थ उपलब्ध होंगे। निविदायें द्विस्तरीय पद्धति से खोली जायेंगी। निविदाकार द्वारा तकनीकी एवं व्यवसायिक जानकारी से सम्बन्धित प्रपत्र लिफाफा संख्या (1) में बंद करने होंगे तथा दरों से सम्बन्धित प्रपत्र लिफाफा संख्या (2) में बंद करने होंगे। उक्त दोनों लिफाफे भली भांति तीसरे लिफाफे में मोहरबंद करना होगा, तदुपरान्त लिफाफा संख्या (3) टेंण्डर बॉक्स में डाला जायेगा। लिफाफा संख्या (1) जो पहले खोला जायेगा, उसमें बिक्रीकर पंजीकृत प्रमाण-पत्र, अनुभव, नवीनतम आयकर रिटर्न तथा वांछित धरोहर राशि एफ०डी०आर०/एन०एस०सी० रूप में सभी प्री-क्वालिफिकेशन प्रपत्र बंद किये गये हों। जो निविदाकार आवश्यक अर्हतायें पूरी नहीं करते होंगे, उनकी दरों वाला लिफाफा संख्या (2) नहीं खोला जायेगा तथा उसे मोहरबंद कर दिया जायेगा। सक्षम अधिकारी को किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदाओं को किसी भी स्तर पर बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा। यदि निविदा प्राप्ति/खोलने के दिन अवकाश है तो निविदायें अगले कार्य दिवस को प्राप्त/खोली जायेंगी।

क्र. सं.	जॉब संख्या/ कार्य का नाम	अनुमानित लागत निविदा प्रपत्र का मूल्य धरोहर राशि (रुपये में)	विक्रय की अवधि	प्री-क्वालिफिकेशन खोलने की तिथि/समय	प्राईस विड खोलने की तिथि	निविदा खुलने का स्थान
1.	जॉब संख्या- मैनेजर सिस्टम/ टोनर-एसेसिरीज़/2021-22 निविदा पत्र के स्पेसिफिकेशन के अनुसार टोनर एवं एसेसिरीज़ क्रय किये जाने के संबंध में।	रु० 2,41,115 कर सहित 767/- रु० 5,000.00	16.04.2021 से 30.04.2021	03.05.2021 3.30 बजे सायं	प्राईस विड खोलने की तिथि से पृथक रूप से सूचित किया जायेगा।	कम्प्यूटर सैल सैक्टर-06 नौएडा

नोट :- निविदा में भाग लेने के इच्छुक संविदाकार अपने प्रपत्र प्रबंधक सिस्टम से निरीक्षण कराकर अनुरोध पत्र के साथ प्रस्तुत करेंगे अन्यथा निविदा प्रपत्र नहीं दिया जायेगा।

प्रबन्धक सिस्टम
कम्प्यूटर सैल, सैक्टर-06, नौएडा

स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

PROCLAMATION OF SALE NOTICE

The under mentioned Property will be sold through auction on **"AS IS WHERE IS BASIS"** and **"AS IS WHAT IS BASIS"** for recovery of dues, in the matter of

Case Details	Asset Details
ICICI Bank Ltd Vs Prakash Chandra Soni O.A No. 1265/19 & I.A. No: 1640/19	Make: Mahindra Blazo- 49 Reg No: RJ06GC3345 Manu Year: 2019
ICICI Bank Ltd Vs Om Prakash Kalya Case No. OA. 205/17	Make: Ashok Leyland Ltd Al Commet 1214 HSD- 4200 Reg No: RJ06GC2221 Manu Year: 2016
ICICI Bank Ltd Vs Jatana Travels O.A No. 1242/19 I.A. No: 19/21	Make: ASHOK LEYLAND LTD ALPSV 4/88 Vehicle no RJ09PA4066, Manu Yr- 2016 Vehicle no RJ09PA4065, Manu Yr- 2016 Vehicle no RJ09PA4069, Manu Yr- 2016
ICICI Bank Ltd Vs Mohammed Riyazuddin Case No: CASE NO 200/18	Make: FORD INDIA LTD FORD ECOSPORT 1.5 P TITANIUM MT Vehicle No.:- RJ14CT8728 Manu Yr- 2013
ICICI Bank Ltd Vs Amit Tanwar Case No: O.A. 94 / 2020	Make: BMW , Vehicle no. Unregister, Manu Yr:- 2017, Engine No.: 0201Y142 Chassis No.: WBAJC3707JWA10865

Date and Time of Auction: **April 23,2021 from 11:00 A.M to 3:00 PM.**
Auction Type: **Online**
Auction Place: **https://auctions.cardekho.com/**
Manager: **Mr. Dharmendra Singh : 9462826024**
Terms of Sale
The particulars of the said asset specified herein above have been stated to the best of the information and knowledge of the undersigned, who shall however not be responsible for any error, misstatement or omission in the said particulars. The interested participant/s are therefore requested, in their own interest, to satisfy himself / themselves/ itself with regard to the said asset and other relevant details pertaining to it before submitting the bids.
Successful highest bidder shall have to deposit Sale amount within 5 days from the approval date.

वायरस से संक्रमित महिला ने की खुदकुशी

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले के थाना बादलपुर क्षेत्र के छपरौला स्थित राजन एंक्लेव में रहने वाली 52 वर्षीय महिला ने बृहस्पतिवार को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला कोरोना से संक्रमित थी।

थाना बादलपुर के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि राजन एंक्लेव में रहने वाली अर्चना शर्मा 11 अप्रैल को कोविड-19 से संक्रमित पाई गई थीं। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को अर्चना ने घर पर पंखे से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों ने पूछताछ के दौरान बताया कि संक्रमित होने से वह मानसिक तनाव में थीं।

निजी अस्पतालों को मिल सकती है संक्रमितों के इलाज की इजाजत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारियों और जिलाधिकारी सुहास एलवाई के बीच गुरुवार दोपहर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई है। जिसमें जिलाधिकारी ने चिकित्सकों से मौजूदा हालात पर नजर रखने और मदद देने की मांग की है। इस पर आईएमए के डॉक्टरों ने जिला प्रशासन को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया है।

दूसरी ओर, आईएमए ने प्राइवेट अस्पतालों में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों का इलाज करने की अनुमति मांगी है। इस पर जिलाधिकारी ने शासन से बातचीत करने का आश्वासन दिया है।

नोएडा आईएमए और डीएम के बीच हुई बैठक

डीएम ने शहर के डॉक्टरों को बताया कि जिले में रोजाना बड़ी संख्या में संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। आने वाले दिनों में इलाज करने के लिए और अस्पतालों की आवश्यकता हो सकती है।

नोएडा में संक्रमण के मिले 489 नए केस, एक मरीज की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गुरुवार को गौतमबुद्धनगर जनपद में कोरोना ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए है। पिछले 24 घंटे के दौरान जिले में कोरोना संक्रमण के 489 नए मामले दर्ज किए गए हैं। अब जिले में कुल कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 28 हजार के पार पहुंच गई है।

गुरुवार को गौतमबुद्धनगर जिले में कोरोना वायरस का बम एक बार फिर फटा। एक दिन में अब तक के सर्वाधिक 489 मरीज पिछले 24 घंटे के अंदर संक्रमित पाए गए हैं। कोविड-19 से संक्रमित 4 मरीजों की कल (बुधवार) को मौत हो गई थी। गुरुवार को फिर एक मरीज की मौत कोरोना वायरस से हो गई है।

जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि गुरुवार शाम तक जिले में कोरोना वायरस से संक्रमित 489 नए मरीज पाए गए हैं। जिसके बाद यहां के विभिन्न अस्पतालों में 2,334 मरीजों का उपचार चल रहा है। अब तक जनपद में 26,496 मरीज उपचार के दौरान ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं।

प्रशासन ने साप्ताहिक पैठ बाजार पर लगाई रोक

गाजियाबाद। जिला प्रशासन ने गुरुवार को जिले में लगने वाले सभी साप्ताहिक पैठ बाजारों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। प्रशासन ने प्रतिबंध का कारण जिले में बढ़ता कोरोना संक्रमण बताया है। अपर जिलाधिकारी नगर ने जारी आदेश में कहा है कि कोरोना संक्रमण पर अंकुश के लिए अग्रिम आदेश तक सप्ताहिक पैठ बाजारों को प्रतिबंधित किया जाता है।

प्रशासन के आदेश से नाराज साप्ताहिक पैठ बाजार, रेहड़ी, पटरी संघ के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश ओढ़ ने कहा कि जिला प्रशासन का आदेश गैरकानूनी है।

एचएचआरपी लगवाने का आज आखिरी मौका

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगवाने पर देना 5500 रुपए जुर्माना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जिले में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगवाने की आज आखिरी तिथि है। इसके बाद प्लेट नहीं लगवाने वाले वाहन चालकों को 5500 रुपए जुर्माना देना पड़ेगा। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि अभी तक गौतमबुद्धनगर जनपद में सिर्फ 50 प्रतिशत वाहनों पर ही हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगावाई है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) प्रशांत तिवारी ने बताया कि 15 अप्रैल तक हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाने का अंतिम दिन सरकार ने तय किया था। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार की रात 12 बजे के बाद यह समय सीमा खत्म हो जाएगी। उन्होंने बताया कि नोएडा में अब तक करीब 7.5 लाख वाहन पंजीकृत है और दूसरे जिले तथा अन्य राज्यों में पंजीकृत करीब ढाई लाख वाहन गौतमबुद्धनगर की सड़कों पर दौड़ रहे हैं।

उन्होंने बताया कि इन सबको मिलाकर नोएडा की सड़कों पर तकरीबन 10 लाख गाड़ियां चल रही हैं जबकि अब तक 3.7 लाख वाहनों में ही हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगी है। उन्होंने बताया कि इन प्लेटों को लगवाने के मामले में गौतमबुद्धनगर का रिकॉर्ड बहुत खराब है। उन्होंने बताया कि 3,78,319 वाहनों पर ही ये प्लेटें लगी हैं और इसमें।,33,750 वाहन पुराने हैं।

ऑनलाइन बुकिंग बिगाड़ रही मिजाज

एचएसआरपी में एक बड़ी बाधा ऑनलाइन बुकिंग की है। जनपद में हजारों की संख्या में ऐसे वाहन मालिक हैं, जिन्होंने ऑनलाइन बुकिंग की है। लेकिन उन्हें दो से तीन महीने का इंतजार करना होगा। हालांकि उन्हें इसका फायदा मिलेगा। वाहन चलाते वक्त ये सभी लोग ऑनलाइन रिसिप्ट को साथ रख सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

एमएमजी जिला अस्पताल में वैक्सीनेशन कराने पहुंचे लाभार्थियों को कोरोना के प्रति जागरूक करती रेडक्रॉस सोसाइटी की टीम।

रेडक्रॉस सोसाइटी ने लोगों को किया जागरूक

गाजियाबाद। कोरोना संक्रमण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी की टीम भी मैदान में उतर आई है। बृहस्पतिवार को सोसाइटी की रिस्पांस टीम ने जिला सरकारी अस्पताल में जागरूकता अभियान चलाया। सोसायटी की सचिव डा. किरण गर्ग और उनकी टीम ने जिला चिकित्सालय में पहुंचने वाले सभी लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने की सलाह दी। जिला चिकित्सालय में संचालित टीकाकरण केंद्र में पहुंचे लाभार्थियों की भी काउंसिलिंग की गई। उन्हें बताया गया कि कोविड रोधी टीका लगवाने के बाद भी सावधानी उतनी ही जरूरी है जितनी टीका लगवाने के पहले थी। यानि टीका लगवाने के बाद भी तीन लेयर का मॉस्क लगाकर ही घर से निकलना है। बाहर निकलने पर दो गज की शारीरिक दूरी का भी पालन करना है।

मंदिर में मास्क लगाए भगवान की प्रतिमाएं।

मंदिर में भगवान की प्रतिमा को पहनाया मास्क

गाजियाबाद। संजय नगर स्थित श्री हनुमान मंदिर में गुरुवार सुबह जब नवरात्र व्रत रखे हुए श्रद्धालु दुर्गा माता मंदिर में आरती और पूजा के लिए पहुंचे तो वे मंदिर का नजारा देखकर अचरज में पड़ गए। मंदिर में दुर्गा माता मास्क लगाए हुए थीं और मंदिर की समस्त मूर्तियों को भी मास्क लगा रखा था। यही नहीं कोरोना के प्रति जागरूकता के लिए मंदिर के संस्थापक परमार्थ समिति के चेयरमैन वीके अग्रवाल, प्रसाद की जगह मास्क वितरित करते हुए नजर आए। इसके अतिरिक्त माता शेरो वाली ने भी मास्क लगा रखा था, पूर्व में जहां भीड़ रहती थी वह भीड़ गायब थी। मंदिर में पूजा आरती करते समय भी सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखा जा रहा था।

अगवा किशोरी बरामद, आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिले में थाना सूरजपुर क्षेत्र के शिवराजपुर गांव से अगवा हुई विवाहित किशोरी को पुलिस ने बृहस्पतिवार को बरामद कर लिया है। किशोरी को अगवा करने के आरोपी युवक को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि शिवराजपुर गांव में रहने वाली करीब 17 वर्षीय किशोरी लापता हो गई थी। उसे अगवा करने के मामले में आरोपी तुषार को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अगवा किशोरी की उम्र करीब 17 वर्ष है और उसके परिवार वालों ने उसकी कम उम्र में ही शादी कर दी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

अस्पताल में गंभीर मरीजों की भर्ती पर जोर

कोरोना से बिगड़ते हालात को संभालने की कवायद
इलाज के लिए बेहतर हो स्वास्थ्य ढांचा : केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के चलते दिल्ली में स्वास्थ्य सुविधाएं कम पड़ रही है। हालात से निपटने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को मरीजों के इलाज के लिए बेहतर स्वास्थ्य ढांचा सुनिश्चित कराने और अस्पतालों में अधिक से अधिक बेड़ बढ़ाने को कहा।

अस्पतालों को समय बद्ध तरीके से बैंक्विट हॉल से जोड़ा का भी निर्देश दिया। इस बैठक में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एमसीडी के हिंदुराव अस्पताल और स्वामी दयानंद अस्पताल को कोविड-19 अस्पताल घोषित किया जाए।

एमसीडी भी इन अस्पतालों को कोविड घोषित करने के लिए तैयार है। इनको कोविड अस्पताल बनाने के लिए दिल्ली सरकार से एमसीडी जो भी मदद मांगेगी, वो दी जाए। अगर वह फंड भी मांगे, तो बिना देरी के उनको दे दिया जाए। इसमें कोई कोताही और राजनीति नहीं होनी चाहिए। हिंदुराव अस्पताल प्रबंधन को कहा जाए कि पूरे 900 बेड को कोविड मरीजों के लिए आरक्षित कर दिया जाए।

सरकार से जो मदद की जरुरत है, वे बताएं, उनको तरफ से हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। लेकिन दोनों अस्पतालों को पूरी क्षमता के साथ प्रभावी तरीके से कोविड अस्पताल बनाया जाए।

रोजाना बढ़ाए जा रहे 1000 बेड

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कोरोना संक्रमण की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने के लिए आज स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए केजरीवाल सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों को लेकर चर्चा हुई। सीएम ने कहा कि दिल्ली में रोजाना एक हजार बेड्स बढ़ाए जा रहे हैं। अस्पतालों में कल 9 हजार बेड़ थे। लेकिन अब एप पर 10 हजार बेड़ खाली दिख रहे हैं। महामारी के समय में बेड बढ़ाना सबसे महत्वपूर्ण है। जिन अस्पतालों के साथ बैंक्विट हॉल को जोड़ा गया है, वो जमीन पर दिखने चाहिए।

इसके अलावा, ऐसे नए टाइप करना भी बहुत जरूरी है। अभी कितने अस्पतालों से और बैंक्विट हॉल को जोड़ा जा सकता है, इस पर तेजी से काम करने की जरुरत है। वर्तमान में करीब 15048 बेड कोविड मरीजों के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें से 5 हजार से अधिक बेड खाली हैं। 2000 बेड मिलने से दिल्ली में कोविड मरीजों के लिए बेड की क्षमता बढ़कर 20 हजार तक हो जाएगी।

टीकाकरण केंद्र के बाहर अपनी बारी का इंतजार करते लोग। फोटो : रंजन डिमरी

मरीजों को भर्ती करने से इनकार न करें अस्पताल

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आदेश किया कि मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने से मना नहीं किया जाए। अस्पताल में तैनात डॉक्टर कोविड लक्षणों के आधार पर उन्हें उचित देखभाल की जगह दें। तीन-चार कोविड केयर सेंटर्स को जोड़ा जाए। मरीज के हालात के आधार पर उसे अस्पताल या कोविड केयर सेंटर में भर्ती किया जाए। अस्पतालों को एप पर बेड की उपलब्धता को वास्तविक समय पर अपडेट किया जाए।

लैब 24 घंटे में रिपोर्ट दें

कोरोना की जांच रिपोर्ट में देरी नहीं होनी चाहिए है। सीएम ने कहा लैब लिंकिंग को रिवाइज किया जाएगा। जिस लैब में जांच में देरी हो रही है, वहां सैंपल कम भेजा जाएगा। 24 घंटे में रिपोर्ट आनी चाहिए और इससे ज्यादा समय किसी भी स्थिति में नहीं लगना चाहिए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने सीएम को अवगत कराया कि कोरोना वैक्सीन का स्टॉक अगले 6-7 दिनों के लिए उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा - हिंदू राव और स्वामी दयानंद
अस्पताल को पूरी तरह कोविड सेंटर घोषित किया जाए

ट्विटर पर कोविड मरीजों के लिए बेड का मुद्दा होता रहा ट्रेंड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बिगड़ते हालात पर सोशल मीडिया पर मांगी मदद

कोविड-19 महामारी से मरीजों की संख्या में आई बाढ़ के बाद उचित इलाज और अस्पतालों में बेड के लिए तीमारदारों ने ट्वीटर पर व्यथा लिखने के साथ मदद की गुहार लगाई है।

बीमारी के चिंताजनक हालात और स्थिति के बारे में लोगों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल किए। एक व्यक्ति बूढ़ी मां के लिए अस्पताल में बेड पाने के लिए परेशान है तो एक महिला मित्र के चाचा के लिए प्लाज्मा दान कर सकने वाले व्यक्ति को ढूंढ रही है।

माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्वीटर पर कुछ लोगों ने दावा किया कि दिल्ली कोरोना ऐप में कुछ अस्पतालों में बिस्तर उपलब्ध हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग है। अस्पताल में मरीजों को भर्ती नहीं किया जा रहा है और यहां बिस्तर खाली नहीं है। कई लोगो ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के ट्विटर अकाउंट पर पोस्ट मे टैग (संलग्न) कर दिया, ताकि अस्पतालों की स्थिति और अपनी दशा के बारे में वे उनका ध्यान आकर्षित कर सकें।

दिल्ली कोरोना ऐप दिल्ली के सरकारी और निजी अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता की जानकारी देता है। दिल्ली में पिछले कुछ दिनों में कोविड-19 के मामलों में बेतहाशा वृद्धि के बाद बुधवार को संक्रमण के 17,282 नये मामले सामने आये। यह लगातार पांचवें दिन रिकार्ड बढ़ोतरी है। मेसी एरिक के ट्विटर हैंडल से किए पोस्ट में अपील किया गया कि तत्काल अपनी 60 वर्षीय मां के लिए दिल्ली के अस्पताल में एक बेड चाहिए, वह अत्यधिक कमजोर हैं और हम बिस्तर ढूंढ रहे हैं लेकिन अब तक नहीं मिल पाया है। कृपया मदद करें।

विभुरिषी नाम के ट्विटर हैंडल से किए पोस्ट में कहा गया कि दिल्ली के किसी अस्पताल में बिस्तर उपलब्ध है? एक मित्र के लिए चाहिए। उनकी पत्नी अस्पतालों में कॉल कर रही हैं और यहां तक कि ऐप/वेबसाइट में बिस्तर उपलब्ध दिख रहे हैं, लेकिन अस्पतालों का कहना है कि बिस्तर खाली नहीं हैं।

निष्ठा सचदेव ने लिखा कि तत्काल, दिल्ली में अभी एक बुजुर्ग व्यक्ति के लिए अस्पताल में बेड तलाश रही हूं। मरीज मेरे रिश्तेदार हैं और उनकी हालत बहुत नाजुक है। ज्ञात हो कि केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को टैग किया गया।

रेमेडिसविर इंजेक्शन की कमी और भंडारण नहीं होने दें

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को रेमेडिसविर इंजेक्शन की कमी और भंडारण नहीं होने देने के लिए कार्य योजना तैयार करने को कहा। साथ ही दिल्ली सरकार67 ने केंद्र सरकार से अपने अस्पतालों में 2000 कोविड बेड़ और उपलब्ध कराने की अपील की है। ज्ञात हो खबर आ रही है कि रेमेडिसविर की इंजेक्शन का बाजार में ब्लैक हो रहा है।

राजधानी में कोरोना के 16,699 नए मामले, 112 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली कोरोना वायरस का प्राकोप जारी है। पिछले 24 घंटों में 16,699 नए संक्रमण के मामले सामने आए। इस दौरान 112 मरीजों की मौत हुई जो कि 23 नवंबर के बाद सबसे ज्यादा है।

23 नवंबर को 1 दिन में 121 मरीजों की मौत हुई थी। इस बीच पॉजिटिविटी रेट बढ़कर 20.22 फीसदी हो गई। एक्टिव मामलों की संख्या भी यहां 54,000 के पार हो गई जो कि अब तक सबसे ज्यादा है। संक्रमण के नए केस सामने आने के बाद संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या 7,84,137 हो गई। वहीं मृतकों की संख्या बढ़ कर 11,652 हो गई है।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार एक दिन में 13,014 लोग ठीक भी हुए जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 7,18,176 मरीज ठी हो चुके हैं। इसके साथ रिकवरी रेट 91.58 फीसदी है जबकि एक्टिव मरीजों का प्रतिशत 6.92 फीसदी है। बुधवार को अवकाश होने की वजह से 82,569 टेस्ट किए गए और अब तक कुल 1,59,44,203 टेस्ट किए जा चुके हैं। बुधवार को कोरोना के 17 हजार 282 नए मामले सामने आए थे।

मुंबई से भी अधिक प्रभावित हुई दिल्ली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी की चौथी लहर का सामना कर रही दिल्ली में बुधवार को कोविड-19 के 17,000 से अधिक मामले सामने आने के बाद यह सबसे ज्यादा प्रभावित शहर बन गया है। रोजाना के नए मामलों के लिहाज से इसने आर्थिक राजधानी मुंबई को भी पीछे छोड़ दिया है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक मुंबई में अब तक एक दिन में सर्वाधिक 11,163 मामले चार अप्रैल को दर्ज किए गए थे। बुधवार को, बेंगलुरु में संक्रमण के 8,155 और चेन्नई में 2,564 मामले सामने आए जो शहर के रोजाना के अब तक के मामलों में सबसे ज्यादा है। पुणे में वैश्विक महामारी शुरू होने के बाद से सबसे ज्यादा 12,494 मामले चार अप्रैल को दर्ज हुए थे।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में बुधवार को 17,282 नए मामले सामने आए थे जो कोरोना वायरस प्रकोप शुरू होने के बाद से सबसे ज्यादा है जबकि 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। इस तरह से रोज के मामलों के लिहाज से दिल्ली बड़े अंतर के साथ मुंबई से ऊपर आ गई है। मामलों के अभूतपूर्व बढ़ने से खासकर पिछले कुछ दिनों में, चिकित्सक और चिकित्सीय विशेषज्ञ भी चकरा गए हैं।

इनमें से कुछ मान रहे हैं कि वायरस के रूप में परिवर्तन हुआ है अपोलो अस्पताल में वरिष्ठ कंसल्टेंट सुरनजीत चटर्जी ने कहा, शहर में पूरी तरह अफरा-तफरी मची हुई है, जवान हो या बूढ़े, टीका लगा हो या न लगा हो, वायरस सबको प्रभावित कर रहा है। दिल्ली की स्थिति डरावनी है।

कोरोना से बचने के लिए कर्मी बरतें एहतियात : सीपी

पुलिस आयुक्त ने वीडियो संदेश जारी कर पुलिस बल से की अपील

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस आयुक्त एस एन श्रीवास्तव ने कोविड-19 के मामले बढ़ने के बीच बल के कर्मियों से खुद को सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त एहतियात बरतने, शारीरिक दूरी का ध्यान रखने और एन-95 या थ्री प्लाई सर्जिकल मास्क पहनने को कहा है।

बृहस्पतिवार को जारी एक वीडियो संदेश में, पुलिस प्रमुख ने अपने कर्मियों से अधिक सतर्क रहने और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करने को कहा। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस की नई लहर पहले की तुलना में अधिक गंभीर प्रकृति की है। कोविड-19 से लड़ने में दिल्ली पुलिस द्वारा निभाई गई महत्त्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, पिछले कुछ दिनों में, हमारे कुछ कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं और यह संख्या बढ़ती जा रही, जो चिंता का कारण है।

श्रीवास्तव ने बल के कर्मियों से ड्यूटी करते हुए और खासकर एक-दूसरे से संवाद के दौरान, सत्यापन अभियान चलाते हुए, चालान जारी करते वक्त, पिकेट ड्यूटी पर रहने या अस्पतालों का दौरा करने के दौरान

पर्याप्त एहतियात बरतने को कहा है ताकि संक्रमित होने की आशंका कम रहे। उन्होंने कहा कि यदि किसी इकाई का कोई कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित होता है तो वह अपनी इकाई के साथ ही मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर सकता है ताकि उचित उपचार सुनिश्चित हो सके और उनके लिए अस्पताल में बिस्तर उपलब्ध कराया जा सके।

खालिद को जमानत, शाहरुख की याचिका खारिज

दिल्ली दंगा

आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करना होगा, मोबाइल फोन ऑन रखना अनिवार्य : कोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली हिंसा के आरोपी और जवाहर लाल विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र उमर खालिद को कड़कड़डुमा कोर्ट ने जमानत दी। कोर्ट ने खालिद को जमानत देते हुए शर्त रखी है कि उन्हें अपने मोबाइल में आरोग्य सेतु एप डाउनलोड करना होगा। जमानत के साथ ही कोर्ट ने कहा है कि उमर खालिद को कोर्ट की हर तारीख पर पेश होना होगा।

कोर्ट ने इसके साथ ही आदेश दिया कि वो खजूरी खास के एसएचओ को अपना मोबाइल नंबर

उमर खालिद

देगा और हर समय मोबाइल को ऑन रखना उसके लिए अनिवार्य होगा।

वहीं दिल्ली उच्च न्यायालय ने उत्तरपूर्वी इलाके में हुई सांप्रदायिक हिंसा के दौरान पुलिस हेड कॉन्स्टेबल पर बंदूक तानने के आरोपी शख्स की जमानत याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि घटना के वीडियो क्लिप ने अदालत की अंतरात्मा को हिला कर रखा दिया है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत ने कहा कि आरोपी शाहरुख की मंशा पुलिस अधिकारी को मारने की हो या न हो लेकिन यह मानना मुश्किल है कि उसे यह नहीं पता था कि उसकी हरकत से मौके पर मौजूद किसी भी व्यक्ति को नुकसान पहुंच सकता है।

निजी अस्पतालों व होटलों का खर्च नहीं उठा सकते आम लोग : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केजरीवाल सरकार कोरोना के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने की तमाम कोशिश कर रही है। इसके बावजूद प्रदेश भाजपा ने बिगड़ते हालात के बाद दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को अपर्याप्त करार दिया है। नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं का अभाव है।

दिल्ली सरकार प्राइवेट अस्पतालों के लिए तो दिशा-निर्देश जारी कर रही है लेकिन सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठा रही है। बिधूड़ी ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में बेड बढ़ाने की भी निश्चित क्षमता है जबकि अस्पतालों में वेंटिलेटर, ऑक्सीजन और मेडिकल स्टाफ का अभाव है। इसीलिए लोग सरकारी अस्पतालों में नहीं जा रहे। नेता प्रतिपक्ष ने हैरानी जताते हुए कहा कि केजरीवाल मेडिकल सुविधाएं बढ़ाने के की बात नहीं कर रहे बल्कि महंगे होटलों और बैंक्वेट हालों को अस्पतालों से जोड़ने की कवायद कर रहे हैं। सवाल यह है कि गरीब वर्ग इन अस्पतालों का खर्चा कैसे वहन कर सकता है।

सैनिटाइजेशन के लिए चलेगा महाअभियान

नगर निगम ने बायो मेडिकल वेस्ट उठाने के विशेष प्रबंध किए : आदेश गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

तीनों नगर निगमों ने सभी क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन के लिए महाअभियान चलाने का फैसला किया है। इस अभियान के दौरान सभी मार्केट, गलियों व सभी वार्डों में सैनिटाइजेशन का कार्य किया जाएगा। जो मरीज होम आइसोलेशन में है उनके यहां से बायो मेडिकल वेस्ट उठाने के लिए निगम द्वारा विशेष प्रबंध किए गए है ताकि उन्हें आइसोलेशन के दौरान किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, उत्तरी निगम के महापौर जय

प्रेस वार्ता के दौरान आदेश गुप्ता व अन्य।

प्रकाश ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कोरोना के बढ़ते हुए मामलों के मद्देनजर दिल्ली की तीनों निगम सभी क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन के लिए महाअभियान चलाएंगी। दिल्ली में लगातार संक्रमण के मामले बढ़ रहे है और इस संकट की स्थिति में तीनों नगर निगम दिल्ली वालों के साथ खडी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है जिसमें तीनों निगम अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने निगम के सभी डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ व अन्य निगम कर्मचारियों का निस्वार्थ सेवा करने के लिए सराहना की।

वीकेंड कर्फ्यू के दौरान भी खुलेंगी राजधानी की मंडियां

व्यापरियों, मजदूरों और किसानों को जारी किया जाएगा पास : आदिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना के कहर से बचने के लिए वीकेंड कफ्यू (शनिवार व रविवार) लगाने का फैसला किया गया है। इस दौरान मंडी को सुचारू रूप से चलाने के लिये आजादपुर मंडी के चेयरमैन आदिल अहमद खान ने गुरुवार को अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक कर मंडी में काम कर रहे व्यापारी, मजदूर और किसानों को पास जारी करने का निर्देश दिया। ताकि मंडी सुचारू रूप से काम कर

अधिनस्थ अधिकारियों के संग बैठ में आजादपुर मंडी के चेयरमैन।

सके एवं दिल्ली वालों को सब्जी और फल की दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा।

कोविड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए आदिल ने बताया कि अधिकारियों से कहा गया है कि मंडी परिसर में कोविड-19 को लेकर जारी सभी दिशा निर्देश का पालन करवाया जाए। परिसर में अनाउंसमेंट के जरिए व्यापारियों, किसानों एवं मजदूरों को जागरूक कर सोशल डिस्टनसिंग, मास्क, सेनिटाइजर, बार बार हाथ धोना एवं कोविड प्रोटोकॉल के पालन की अपील की जा रही है। मंडी परिसर में काम करने वाले सभी व्यापारी, मजदूर एवं किसानों को दिल्ली सरकार के तरफ से मुफ्त में मास्क और सैनिटाइजर बांटने के आदेश दिया गया है। खान ने बताया कि मंडी में आवक सामान्य है किसी भी फल एवं सब्जबी के दाम में कोई भी बढ़ोतरी दर्ज नहीं की गई है। किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। दिल्ली सरकार सभी को उचित मूल्य पर ताजे सब्जी और फल मुहैया कराती रहेगी।

आग लगने से तीस झुग्गियां जलकर खाक

नई दिल्ली। पश्चिमपुरी के शहीद भगत सिंह कैम्प में एक झुग्गी बस्ती में आग लगने के बाद करीब 30 झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। दमकल विभाग ने बताया कि बुधवार रात को हुई घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आग लगने के बारे में रात करीब नौ बजकर 55 मिनट पर सूचना मिली और दमकल की 25 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।आग की घटना में करीब 30 झुग्गियां जलकर खाक हो गई। उन्होंने बताया कि बाद में दमकल की दो और गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया और आग पर काबू पा लिया जबकि कूलिंग अभियान देर रात डेढ़ बजे तक जारी रहा।

वाहन कबाड़ : सरकार के निर्देशों को कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के मोटर वाहन कबाड़ संबंधी दिशा-निर्देशों के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर कहा गया है कि इन नियमों के तहत लाइसेंस की अनिवार्यता से छोटे और मध्यम स्तर के कबाड़ कारोबारियों को नुकसान होगा। याचिका में कहा गया है, इन दिशा-निर्देशों से छोटे और मध्यम वाहन कबाड़ियों को नुकसान होगा जो पीढ़ियों से यह काम कर रहे हैं। दिल्ली के निवासी इंद्रजीत सिंह ने अपनी याचिका में दावा किया है कि दिल्ली मोटर वाहन कबाड़ दिशा-निर्देशों को जारी करने से पहले छोटे कारोबारियों से राय नहीं ली गई। याचिका में कहा कि असंवैधानिक, मनमाने और अन्यायपूर्ण हैं।

पुलिसकर्मी से मारपीट मामले में जिम मालिक के खिलाफ केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पुलिस ने ड्यूटी पर तैनात एक पुलिसकर्मी से मारपीट का वीडियो सामने आने के एक दिन बाद जिम के मालिक और उसके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उत्तम नगर इलाके में एक अप्रैल को पुलिसकर्मी से मारपीट की गई थी। मामले में दो केस दर्ज है।

वीडियो में दिख रहा है कि एक व्यक्ति अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सुशील नामक पुलिसकर्मी से मारपीट कर रहा था। अधिकारियों ने बताया कि वीडियो में एक और पुलिसकर्मी दिखा है जो जिम मालिक को रोकने का प्रयास कर रहा था। बाबा हरिदास नगर थाने में तैनात सुशील, पेशे से प्रोपर्टी डीलर संजय गुप्ता नामक व्यक्ति के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) के तौर पर तैनात थे। वहीं सुशील और गुप्ता के परिजन अश्विनी के बीच बहस हो गई जिसके बाद गुप्ता के छोटे भाई रिंकू और उसके सहयोगी काकू ने मारपीट की।

पुलिस ने बताया कि 2016 और 2018 में संजय गुप्ता ने वसूली के दो मामले दर्ज कराए थे पुलिस उपायुक्त (द्वारका) संतोष कुमार मीणा ने बताया, दिल्ली पुलिस इस तरह के मामले को बहुत गंभीरता से लेती है। रिंकू गुप्ता, अश्विनी और काकू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

भारतीय चित्तीदार बाज की घटती संख्या चिंता का कारण : प्रो. राम सिंह

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय चित्तीदार बाज की प्रजाति के संरक्षण की आवश्यकता

भारतीय चित्तीदार बाज (क्लैंग हास्टाटा) दक्षिण एशिया का एक बड़ा शिकारी पक्षी है। भारत में यह पूर्व में मणिपुर तक, मध्य प्रदेश और दक्षिणी उड़ीसा, कोटागिरी और मुदुमलाई, नीलगिरी जिले, तमिलनाडु और तुमकुरु, कर्नाटक तक दक्षिण में सीमित है। यह बाज उत्तरी भारत के गंगा के मैदानों पर विरल रूप से वितरित हो कई स्तनधारियों, पक्षियों, चूहों, छिपकलियों और सरीसृपों का शिकार करते हैं। आज इसकी प्रजाति खतरे में है। इसके संरक्षण की आवश्यकता है।

प्रोफेसर राम सिंह पर्यावरण जीव विज्ञानी (पूर्व निदेशक, एचआरएम और विभागाध्यक्ष, कीट विज्ञान विभाग और प्राणि विज्ञान विभाग, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्व विश्वविद्यालय, हिसार) ने इस बाज की गतिविधियों का आंकलन इसकी घटती संख्या के कारण किया।

उन्होंने आंकलन के लिए कई गांवों, शहर के आवासीय समूह, वाणिज्यिक टॉवर, मॉल और बाजार का सर्वेक्षण किया। प्रोफेसर राम सिंह ने ज्यादातर बाज आवासीय परिसर में या उसके आस-पास लंबे संचार टावरों पर आराम करते दिखाई दिए। उनके आंकलन के अनुसार बरगद, जामुन, इमली, नीम आदि जैसे अधिक लम्बे और पुराने पेड़ अब देश के गैंगेटिक मैदानों के उत्तरी भाग में मौजूद नहीं हैं और बाज 50 से 60 फीट की ऊंचाई तक के सामान्य पेड़ों को भी सुरक्षित नहीं मानते।

यह ध्यान रखना दिलचस्प था कि लगभग 250 संचार टावरों का दौरा किया गया, भारतीय चित्तीदार बाज ने घर की छतों पर मौजूद सभी संचार टावरों को खारिज कर दिया, भले ही वे ऊंचे घरों पर मौजूद थे। बहुत लंबा संचार टॉवर के बावजूद गांवों के भीतर स्थित टावरों से बाज बचते दिखाई थे। शहरी आवासीय सोसाइटियों की ऊंची इमारतों में छत के ऊपर कोई भी टावर बाज को सुरक्षित नहीं लगा। इसलिए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि संचार टावर आम लोगों की पहुंच से बाहर हों। इसके अलावा टॉवर की ऊंचाई 80 फीट से अधिक हों।

सर्वेक्षण के दौरान प्रोफेसर राम सिंह ने 4 ऐसे टावरों का अवलोकन किया, जिनमें एक से दो बड़े घोंसलों के साथ-साथ बाज मौजूद थे। बाज वयस्क जोड़े में रहते हैं। प्रो. राम सिंह अप्रैल से जून की भीषण गर्मी से ऐसे टावरों पर चूजों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। क्योंकि चूजों को स्वतंत्र होने में लगभग 5 महीने लगते हैं। टॉवर मालिक, सरकार, पर्यावरण कार्यकर्ता और आम जनता ऐसे पक्षियों के संरक्षण में मदद कर सकते हैं। टावरों के संचालन को प्रभावित किए बिना टावरों को कुछ छाया, आश्रय विकल्पों से सुसज्जित किया जा सकता है। ऐसे पक्षी भोजन श्रृंखला और प्रकृति के संतुलन में महत्वपूर्ण घटक हैं।

एकांगी जीवन का पालन करते हैं चित्तीदार बाज

भारतीय चित्तीदार बाज मार्च से जुलाई तक प्रजनन करते हैं। वे एकपत्नीत्व और एक एकांगी जीवन का पालन करते हैं और दोनों लिंग घोंसले का निर्माण करने में मदद करते हैं। मादा एक एकल अंडा देती है जो 25-32 दिनों के लिए दोनों माता-पिता द्वारा ऊष्मायन किया जाता है। चूजे को 9-11 सप्ताह तक माता-पिता दोनों द्वारा खिलाया जाता है। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने भारतीय चित्तीदार बाज को खतरे की श्रेणी में रखा है और विलुप्त होने के लिए कमजोर उपश्रेणी में रखा है, जो कि आगे मानवीय हस्तक्षेप के बिना अप्राकृतिक (मानव-कारण) विलुप्त होने के उच्च जोखिम में माना जाता है।

अब तक 5 लाख पॉलीथिन कैरीबैग पर लगाया अंकुश

प्रदेश के पहले कपड़ा बैंक की स्थापना 14 दिसंबर 2020 को गुरुग्राम में हुई

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम की मार्केट में कपड़े के थैले वितरित करते युवा।

नगर निगम गुरुग्राम एवं बुलंद आवाज वेलफेयर सोसायटी द्वारा स्थापित किए गए कपड़ा थैला बैंक के माध्यम से अब तक 5 लाख पॉलीथिन कैरीबैग पर अंकुश लगाने में सफलता मिली है।

शहर के वार्ड-17 स्थित नई बस्ती में नगर निगम गुरुग्राम एवं बुलंद आवाज वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में हरियाणा प्रदेश के पहले कपड़ा थैला बैंक की स्थापना 14 दिसम्बर, 2020 को की गई थी। इस पहल की सराहना केवल गुरूग्राम ही नहीं, बल्कि हरियाणा के मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा भी अपने अधिकारिक ट्वीटर व फेसबुक हैंडल से की गई थी। अब तक कपड़ा थैला बैंक के माध्यम से एक लाख कपड़े के थैले तैयार करके गुरुग्राम के विभिन्न मार्केट क्षेत्रों में उपलब्ध करवाए जा चुके हैं। एक अनुमान के अनुसार मात्र 4 माह में इस पहल के माध्यम से गुरुग्राम में 5 लाख पॉलीथिन कैरीबैग पर अंकुश लगाने में कामयाबी मिली है।

बुलंद आवाज वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष एवं नगर निगम गुरुग्राम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर कुलदीप हिन्दुस्तानी के अनुसार कपड़ा थैला बैंक की स्थापना करने के इस प्रयास में नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त विनय प्रताप सिंह तथा संयुक्त आयुक्त (स्वच्छ भारत मिशन) धीरज कुमार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस पहल के तहत प्रदेश के पहले कपड़ा थैला बैंक की स्थापना के माध्यम से एक ओर जहां पॉलीथिन कैरीबैग पर अंकुश लगाने में कामयाबी मिल रही है, वहीं दूसरी ओर स्वरोजगार को भी बढ़ावा मिला है। कुलदीप हिन्दुस्तानी ने कहा कि कपड़ा थैला बैंक में 31 जरूरतमंद महिलाएं कार्य कर रही हैं, जिससे उनके परिवार का पालन-पोषण भी हो रहा है। साथ ही ये महिलाएं पॉलीथिन मुक्त स्वच्छ गुरुग्राम अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। कपड़ा थैला बैंक की अध्यक्षा सारिका पूरी लग्न के साथ पॉलीथिन मुक्त गुरुग्राम अभियान से जुड़ी हुई हैं।

गैंगरेप करने के आरोप में महिला सहित चार आरोपियों पर केस दर्ज

पलवल। महिला को एक वर्ष तक बंधक बनाकर रखने व गन प्वॉइट पर गैंगरेप करने व विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। चांदहट थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी रामजीवन के अनुसार एक पीड़ित महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि जून वर्ष 2019 में कल्लो उर्फ रचना नामक युवती बहला-फुसलाकर उसे अपने घर ले गई जहां पर शिवनारायण, प्रवीण व विकास मिले। पीड़िता को बंधक बनाकर शिवनारायण, प्रवीण और विकास ने दुष्कर्म किया। पीड़ित ने शिकायत में कहा है कि कल्लो उर्फ रचना दूध में उसे नशीला पदार्थ पिलाती जिससे वह बेहोश हो जाती और बेहोशी की हालात में उसके साथ मारपीट की जाती। आरोपी वीडियो बनाकर वायरल करने और हथियार के बल पर जान से मारने की धमकी देते। पीड़िता से आरोपियों ने कई कागजों पर हस्ताक्षर करा लिए और पति और ससुर को बुलाकर उनसे 20 लाख रुपये भी ऐंठ लिए। जुलाई वर्ष 2019 को आरोपी पीड़िता को कार में बैठाकर बल्लभगढ़ ले गए जहां पर अनजान व्यक्ति से जबरदस्ती शादी करा दी। जिसके बाद पीड़िता को पता चला कि पांच लाख रुपये में सौदा कर उसे बेचा गया है और एक वर्ष तक बंधक बनाकर रखा गया है।

जैकबपुरा में बनेगा संत रविदास भवन : मधु आजाद

गुरुग्राम की जैकबपुरा कॉलोनी में संत रविदास भवन के पुनर्निर्माण का शिलान्यास करतीं मेयर मधु आजाद।

मेयर मधु आजाद ने किया संत रविदास भवन का भूमि पूजन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

वार्ड-17 के अंतर्गत जैकबपुरा में मेयर मधु आजाद ने संत रविदास भवन के पुनर्निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं भूमि पूजन किया। कार्यक्रम में मेयर मधु आजाद के पहुंचने पर निगम पार्षद रजनी साहनी, पूर्व पार्षद दलीप साहनी, निगरानी समिति के अध्यक्ष सुमेर सिंह तंवर सहित क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों ने उनका स्वागत किया।

नागरिकों ने संत रविदास भवन के पुनर्निर्माण कार्य के लिए मेयर मधु आजाद का धन्यवाद किया। नगर निगम द्वारा संत रविदास भवन का पुनर्निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके निर्माण कार्य के लिए मेयर द्वारा वित्त एवं संविदा कमेटी की बैठक में प्रस्ताव पास किया था और प्रस्ताव के आधार पर नगर निगम की इंजीनियरिंग ब्रांच द्वारा कार्य शुरू कर दिया गया है। मेयर मधु आजाद ने डा. भीमराव अंबेडकर एवं संत रविदास को नमन किया। उन्होंने कहा कि संतों एवं महापुरुषों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया है। हम सभी का यह नैतिक दायित्व है कि हम उनके दिखाए रास्तों पर चलते हुए समाज के बेहतर निर्माण में अपना महत्वपूण योगदान दें। मेयर ने कहा कि महापुरुषों ने शिक्षा को सर्वोपरि बताया है, इसलिए हमें अपने बच्चों को शिक्षित करके समाज की मुख्य धारा से जोड़ना चाहिए, ताकि वे देश को तरक्की की नई ऊंचाइयों पर ले जाने में योगदान दे सकें। मौके पर निगम पार्षद रजनी साहनी, पूर्व पार्षद दलीप साहनी, निगरानी समिति अध्यक्ष सुमेर सिंह तंवर, दीपक आजाद, भाईचारा ग्रुप के प्रधान ज्वाला सिंह, अनिल कदम, अन्नु साहनी, महेन्द्र, भरत कुमार, पवन कैम, भारत कैम व लक्ष्मी चंद सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संक्षिप्त-समाचार

चार बाइकों को ले उड़े चोर

पलवल। चोर अलग-अलग थाना क्षेत्र से चार बाइकों को चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान के अनुसार चोर इंदरा एन्कलेव (फरीदाबाद) निवासी शशांक सिंह की बाइक कैंप थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुखराम अस्पताल के समीप से, गांव बागपुर निवासी प्रवीण की बाइक राज यूनिक्यु सेंटर के समीप से और पलवल की सिविल लाइन कॉलोनी निवासी जीतराम की दो बाइकों को कॉलोनी स्थित शिव मंदिर के पास से चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

दहेज के लिए प्रताड़ित करने के आरोप में छह लोगों पर केस

पलवल। दहेज में नकदी व कार नहीं मिलने पर ससुरालजनों द्वारा विवाहिता के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर घर से निकालने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता ने देवर पर छेड़छाड़ करने का भी आरोप लगाया है। कैंप थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत छह नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस जांच अधिकारी विजयपाल के अनुसार एक पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी शादी दो फरवरी 2020 को बल्लभगढ़ निवासी एक युवक के साथ हुई थी। शादी में पीड़िता के मायके पक्ष ने यथा संभव दान-दहेज भी दिया था, लेकिन पीड़िता के ससुराल पक्ष के लोग उस दहेज से संतुष्ट नहीं हुए और शादी के बाद से पांच लाख रुपये नकद व एक कार लाने के लिए प्रताड़ित करने लगे। दहेज लाने में असमर्थता जताने पर पीड़िता को पति, सास, ससुर देवर और ननंद ने मारपीट कर व जान से मारने की धमकी देकर घर से निकाल दिया। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि देवर उसके साथ छेड़छाड़ करता है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला बच्ची के साथ हुई रहस्यमयी परिस्थिति में लापता

पलवल। कैंप थाना क्षेत्र से 30 वर्षीय महिला अपनी छह वर्षीय बेटी के साथ रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हो गई। पुलिस ने महिला के पीड़ित पति की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी महेंद्र के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि पत्नी छह वर्षीय बेटी को लेकर 12 अप्रैल को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। जिसको काफी तलाश किया गया, लेकिन आज तक भी कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

साइबर क्राइम के जरिए ठगे 39 हजार 500 रुपये

पलवल। साइबर क्राइम के जरिए एक व्यक्ति से 39500 रुपये ठग लिए। शहर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी राजेश के अनुसार पलवल के दरबार कुआं निवासी कपिल वर्मा ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसके पास इनोवा कार है जिसका इंशोरेंस 22 फरवरी 2021 को समाप्त होने वाला था। पीड़ित 19 फरवरी को इंशोरेंस के बाबत पॉलिसी बाजार साइट पर सर्च कर रहा था जिसमें इफको टोकियो कंपनी की पॉलिसी अच्छी लगी। पीड़ित के पास उसी दौरान एक फोन आया और फोन करने वाले ने अपने आपको इफको टोकियो कंपनी का ऐजेंट बताते हुए पॉलिसी के बारे में जानकारी दी। जिसके बाद व्हाट्सअप पर खाता नंबर भेजकर पेमेंट जमा करने के लिए कहा जिस पर पीड़ित ने 19,750 रुपये जमा करा दिए। जिसके बाद कहा गया कि टेक्निकल इश्यू के कारण पेमेंट जमा नहीं हुई है आप दोबारा करा दो। जिसके बाद पीड़ित ने दोबार 19750 रुपये जमा करा दिए। जिसके बाद पीड़ित के पास कोई जवाब नहीं आया और न ही फोन उठाया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध शराब सहित एक व्यक्ति गिरफ्तार

पलवल। शहर थाना पुलिस ने एक युवक को अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी प्रेम सिंह के अनुसार मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि गोरिल्ला मोहल्ला निवासी श्रीपाल शराब तस्करी का काम करता है। श्रीपाल की शराब को पातली गेट निवासी मोनू दयानंद स्कूल के पास बेच रहा है। सूचना मिलते ही मोनू को दयानंद स्कूल के पास काबू किया गया जिसके पास एक प्लास्टिक कट्टा था जिसमें 25 बोतल देशी शराब भरी हुई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

संविधान में सभी वर्गों के लिए समान अधिकार की व्यवस्था

पलवल। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि भारतरत्न डा. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में समाज के सभी वर्गों के लिए समान अधिकार की व्यवस्था की। उन्होंने गरीब-दलित वर्ग को जगाने व आगे बढ़ाने का काम किया। केंद्र व प्रदेश सरकार ने डा. भीमराव अंबेडकर के नाम पर विश्व स्तर पर पंच तीर्थ बनाने का काम किया तथा उनकी प्रतिमाएं संसद भवन परिसर व हरियाणा विधानसभा परिसर में स्थापित की। श्री कृष्णपाल गुर्जर स्थानीय महात्मा गांधी सामुदायिक केंद्र एवं पंचायत भवन में डा. भीमराव अंबेडकर की 130वीं जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ महिला एवं बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा भी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संसद परिसर में हर वर्ष डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाती है। महापुरूष देश की अमानत होते हैं और भावी पीढ़ी को उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। वे व्यक्ति विकास में शिक्षा की बड़ी भूमिका मानते थे। उन्होंने विश्व का बेहतरीन संविधान बनाया, जिसमें हर वर्ग के उत्थान व उनके अधिकार संरक्षित किए। वे संविधान को सर्वोपरि मानते थे। उनका मानना था कि संविधान के द्वारा ही देश के सभी वर्गों को समान रूप से आगे बढ़ाया जा सकता है। उनका कहना था कि भारत का प्रत्येक व्यक्ति संविधान के दायरे में आता है और वह उसी अनुसार अपने हक व अधिकार प्राप्त कर सकता है। उन्होंने दलित व शोषित वर्ग को आगे बढ़ाने व उन्हें मुख्यधारा से जोडने के लिए आरक्षण देने का प्रावधान किया।

गुरुग्राम में 17 सरकारी और सेल्फ पेड आइसोलेशन तैयार

गुरुग्राम। कोरोना संक्रमितों को आईसोलेशन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए गुरुवार को जिला प्रशासन ने 12 सेल्फ पेड तथा 5 गवर्नमेंट पेड सुविधाओं सहित कुल 17 आइसोलेशन सुविधाओं को अधिसूचित किया है। इनके रेट भी निर्धारित किए गए हैं। जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग ने बताया कि कोई भी कोरोना संक्रमित यहां रह सकता है।

गुरुग्राम में कोरोना के ज्यादातर मरीज एसिम्टोमैटिक आ रहे हैं। यानी जिनमें बीमारी के लक्षण दिखाई नहीं दे रहे, लेकिन टेस्ट में उनका पॉजिटिव आया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से ऐसे मरीजों को अपने घर में ही आइसोलेशन में रहने की सलाह दी जाती है। जिला प्रशासन ने अन्य स्थानों पर आइसोलेशन की सुविधा उपलब्ध करवाई है, जिसके लिए मरीज को चार्जिज भी नहीं देने पड़ेंगे। उनका वहां रहने का खर्च सरकार उठाएगी। ऐसी आइसोलेशन सुविधाओं को गवर्नमेंट पेड आइसोलेशन सुविधा का नाम दिया गया है। यदि किसी मरीज को सरकारी सुविधा से और ज्यादा बेहत्तर सुविधाएं चाहिए तो वह सेल्फ पेड यानी स्वयं अदायगी वाली सुविधाओं का लाभ ले सकता है। उपायुक्त के आदेशों के अनुसार गुरुग्राम में 12 सेल्फ पेड आइसोलेशन सुविधाओं में सेक्टर-14 स्थित जिंजर होटल, प्रेम नगर स्थित होटल डॉल्फिन, उल्लावास ढाणी रोड अर्बन कॉम्पलेक्स सेक्टर-60 स्थित रेड फॉक्स, डीएलएफ फेज-वन स्थित आहूजा रेजीडेंसी, बसई फ्लाईओवर के नजदीक द रॉयल, पुराने दिल्ली स्थित अंबा रेजीडेंसी में व्यवस्था है।

हर्षिता व मयंक बने बेस्ट स्टूडेंट्स ऑफ दा ईयर

बीके स्कूल में हुआ विदाई समारोह

मुकेश कुमार। पलवल

शिव विहार स्थित बीके सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 10+2 के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन 10+1 के विद्यार्थियों ने मिलकर किया। समारोह की शुरुआत स्कूल के प्रधानाचार्य सतीश कौशिष और एमडी जितेश कौशिक ने मां सरस्वती के चरणों में पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ की। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रवक्ता अर्जुन चौधरी ने किया।

विद्यालय प्रांगण में आयोजित हवन में सभी छात्रों और अध्यापकों ने आहुति दी। 10+2 के अर्श, हर्षिता, मयंक, रिषभ जैन और इर्तिका ने अपने स्कूली अनुभव साझा किया। 10+1 छात्रों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी। हर्षिता और मयंक को बेस्ट स्टूडेंट ऑफ दा इयर चुना और उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। विद्यालय परिवार ने ऐसे अपने 17 बहुमूल्य छात्रों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने अपनी शिक्षा की शुरुआत विद्यालय प्रांगण से की और जो आज 12वीं कर विद्यालय से विदाई ले रहे हैं। कार्यक्रम में 11वीं के छात्रों ने अपने सीनियर छात्रों को सुंदर सुंदर टाइटल दिए, वहीं कक्षा 12वीं के छात्रों ने अपने गुरुजनों को टाइटल और उपहार देकर उनसे आशीर्वाद लिया। कक्षा 11वीं की छात्रों ने अपने सीनियर के लिए एक विदाई गीत गाकर नम आंखों से विदाई दी। विद्यालय के अध्यापक भूपेंदर शर्मा और सुमित जैन ने भी मां की महिमा का सुंदर गुणगान किया। स्कूल प्रधानाचार्य ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए बताया आपका अब स्कूली समय पूर्ण हो रहा है। आगे आपका कॉलेज जीवन शुरू होने जा रहा है।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

पलवल। शहर थाना पुलिस ने एक युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस जांच अधिकारी हंसराज के अनुसार उन्हें मुखबिर खास द्वारा सूचना प्राप्त हुई सोहना रोड स्थित सैनी नर्सरी की तरफ से एक युवक अवैध हथियार सहित पैदल पलवल की तरफ आ रहा है। सूचना मिलते ही मौके पर दबिश दी गई और युवक को काबू कर लिया। युवक की तलाशी लेने पर एक देशी कट्टा और दो कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी युवक ने अपना नाम कुलदीप उर्फ ओमप्रकाश निवासी गांव अल्लीका बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मैन ऑफ प्लेटिनम का लेटेस्ट कलेक्शन : एक नया भविष्य पुनर्निमित करने वाले चरित्रवान पुरुष को एक श्रृद्धांजलि!

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अप्रत्याशित चुनौतियों एवं बोध के साल, 2020 ने हमें सीखना, भूलना, फिर से सीखना और फिर से बनाना सिखाया। इसने हमसे उसका आकलन करने का आग्रह किया, जो वास्तव में महत्वपूर्ण है, इसने हमें आभार के साथ जो भी हमारे पास है, उसे महत्व देना सिखाया, क्योंकि उससे हम एक नए भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। सबसे महत्वपूर्ण यह कि इसने हर बाधा को परिवर्तन एवं एक बेहतर भविष्य की नींव के रूप में देखते हुए दृढ़ता की मिसाल स्थापित की।

'चरित्रवान पुरुष' पुरुषों की एक नई पीढ़ी के उद्भव का संकेत है, जो अप्रत्याशित चुनौतियों का सामना करने के बाद भी अपने मूल्यों, अपने विश्वासों पर कायम रहते हैं। इन पुरुषों में पुन: कल्पना करने एवं पुनर्निर्माण करने की दृढ़ता है, उनमें दोबारा शुरुआत करने की विनम्रता है और उनमें अपनी कहानी फिर से लिखने की प्रतिबद्धता है। उनमें अपने सोए हुए सपनों को पुन: जगाने का साहस है। वो निरंतर समावेशी बनने के लिए प्रयासरत रहते हैं क्योंकि वो जानते हैं कि एक नई दुनिया तभी संभव है, जब व्यक्ति अलग अलग काम करने की बजाय संगठित होकर काम करें।

ये चरित्रवान पुरुष पिछले साल से मिली सीख को एक नए बेहतर भविष्य की कार्ययोजना बनाने के लिए इस्तेमाल करते हैं और 'रिराईट द बिगनिंग' (पुन: शुरुआत करने) का विकल्प चुनते हैं। इस सीजन प्लेटिनम गिल्ड इंटरनेशनल की ओर से मेन्स प्लेटिनम ज्वेलरी- मैन ऑफ प्लेटिनम इन पुरुषों को सम्मानित कर रही है, जिनमें अनुकूलित होने, अभिनवता लाने और नया मार्ग बनाने की क्षमता है! ये पुरुष प्लेटिनम को अपने चहेते मैटल के रूप में चुनते हैं क्योंकि यह उनके दुर्लभ मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है। यह उनकी एक विश्वास की व्यवस्था को प्रतिबिंबित करता है। सितारों से जन्मी, शुद्ध व्हाईट मैटल, प्लेटिनम की ज्वेलरी, पहनने वाले व्यक्ति के स्टाईल को उत्तम बनाती है और भीड़ से अलग उनका आकर्षण प्रस्तुत करती है। इस कलेक्शन में प्लेटिनम चेन, पेंडंट एवं रिस्ट वियर की विस्तृत श्रृंखला है। यह स्टाइल की भावना के संकेतस्वरूप खूबसूरती कारीगरी द्वारा डिजाइन की गई है। यह स्टाईल उसी भांति दुर्लभ एवं क्लासी है, जिस भांति इसे पहनने वाला पुरुष।

ये आभूषण विविध मूल्यों के प्रतीक हैं, जो मिलकर ऐसे पुरुष का गठन करते हैं, जिसके लिए मूल्य एवं चरित्र सबसे शक्तिशाली होते हैं, फिर चाहे परिस्थितियां कैसी भी क्यों न हों। ठोस एवं एयरोडाईनामिक रूप एवं उत्कृष्ट टैक्सचर और मजबूत लिंक्स के साथ यह श्रृंखला बहुउपयोगिता, शक्ति एवं दृढ़ता प्रदर्शित करती है। स्लीक कॉन्टूर्स एवं अंडरस्टेटेड मैटे लस्टर के साथ इस बोल्ड एवं डाईनामिक कलेक्शन में एक निहितार्थ है।

एक साल के बच्चे की जान की कीमत 16 करोड़ रुपये

कैनविन फाउंडेशन बच्चे के लिए फंड एकत्रित करने को आगे आया

गुरुग्राम। यह बात आपको सुनकर हैरानी भरी लगे, लेकिन यह सौ फीसदी सच है कि मात्र एक साल के बच्चे की जान की कीमत 16 करोड़ रुपये है। मतलब इन रुपयों में अमेरिका से एक इंजेक्शन जॉलगेनसमा मंगवाया जाएगा, जो कि पीड़ित बच्चे को लगेगा। गुरुवार को इस बच्चे का जीवन बचाने को आगे आया कैनविन फाउंडेशन।

यहां सेक्टर-15 स्थित चाइल्ड न्यूरोलॉजी क्लीनिक पर पत्रकारों से बातचीत में कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल ने मात्र 1 साल के अयांश के साथ उनके माता-पिता प्रवीण मदान एवं वंदना मदान को मीडिया से रूबरू कराया। डा. डीपी गोयल ने कहा कि गुरुग्राम ही नहीं पूरे भारत देश में बहुत बड़े दानी हैं। मां शीतला की कृपा से हम सबको इस बच्चे का जीवन बचाना है। उन्होंने हर आम और खास से यह अनुरोध किया कि अपनी नेक कमाई में से थोड़ा-थोड़ा सा हिस्सा भी दान करें तो इस बच्चे के उपचार में काम आएगा। उन्होंने कहा कि अपने स्तर पर वे गुरुग्राम व बाहर रहने वाले फिल्म व खेल जगत से सेलिब्रिटी से भी बात कर रहे हैं। हर किसी का इसमें सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके जीवन में पहली बार यह ऐसी बीमारी सामने आई है, जिसका उपचार इतना महंगा है। वह भी भारत में नहीं, बल्कि अमेरिका से लिया जाएगा। जॉलगेनसमा नामक एक इंजेक्शन बच्चे को लगेगा, जिसकी कीमत 16 करोड़ रुपये है।

कोविड-19 की दूसरी लहर में बेड्स की कमी का प्रबंधन करने को अस्पतालों ने रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग समाधानों का रुख किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

dozee

कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के अस्पताल जरूरतमंद कोविड-19 मरीजों को सेवाएं देने के लिए रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग समाधानों का रुख कर चुके हैं। कॉन्टैक्टलैस रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग (आरपीएम) सॉल्यूशंस में अग्रणी, डोजी भारत में 150 से ज्यादा अस्पतालों को किसी भी बेड को 2 मिनट के अंदर स्टेप-डाउन आईसीयू में परिवर्तित करने में मदद करता है और आईसीयू के बाहर मरीजों की रिमोट मॉनिटरिंग संभव बनाता है।

पिछले दो हफ्तों में, भारत में 15 से ज्यादा अस्पताल डोज़ी के साथ साइन अप कर चुके हैं और इस समय 4000 से ज्यादा कोविड-19 हाई डिपैंडेंसी यूनिट (एचडीयू) बेड्स की संस्थागत सेटिंग में निरंतर मॉनिटरिंग हो रही है। 24/7 ऑन-ग्राउंड सपोर्ट एवं अलर्ट इस्केलेशन सुनिश्चित करने के लिए अस्पतालों के अंदर डोजी ने एक पेशेंट मॉनिटरिंग सेल भी स्थापित की है। शहर में अनेक अस्पताल कोविड वार्ड में मरीजों को दूर से मॉनिटर करने के लिए डोजी को ऑनबोर्ड करने की प्रक्रिया में हैं।

डोजी द्वारा सक्रिय की गई पेशेंट मॉनिटरिंग सेल सभी मरीजों का ट्रैक रखती है और किसी भी गंभीर स्थिति के लिए डॉक्टर एवं नर्सों को अलर्ट करती है। अस्पतालों में बढ़ते मामलों एवं भारी संख्या में भर्ती होते मरीजों का अत्यधिक दबाव है और स्टाफ एवं बेड्स की कमी हो रही है। डोजी ने इन केंद्रों में एक समर्पित संसाधन स्थापित किया है ताकि डॉक्टर्स को अलर्ट को प्राथमिकता आवंटित कर ज्यादा गंभीर मरीजों को देखने में मदद मिले। इससे डॉक्टर्स को हर मरीज के वाइटल्स का आवश्यक डेटा सही समय पर मिलता है और वो उचित इलाज कर पाते हैं।

एसोशिएट प्रोफेसर एवं एचओडी, डिपार्टमेंट ऑफ एनेस्थेसिया, इंदिरा गांधी गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, नागपुर डॉक्टर वैशाली शेलगांवकर का कहना है कि बढ़ते मामलों के चलते संपूर्ण हैल्थकेयर सिस्टम पर अत्यधिक दबाव है और इस बार यह पहली लहर के मुकाबले ज्यादा तेजी से फैल रहा है। देश में 2 मिलियन हॉस्पिटल बेड्स हैं और आईसीयू बेड्स केवल 100,000 हैं। प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ की कमी के चलते सभी मरीजों की सेहत पर निरंतर निगरानी रखना असंभव है, खासकर जब वो आज के चुनौतीपूर्ण समय में आईसीयू के बाहर हों। हम डोजी आरपीएम का उपयोग कर रहे हैं ताकि हम अपने स्टाफ को सुरक्षित रखते हुए उन मरीजों का प्रबंधन कर सकें, जिन्हें निरंतर मॉनिटरिंग की जरूरत है। डोज़ी एक समय पर 150 से ज्यादा मरीजों की मॉनिटरिंग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और इसने 200 मरीजों को आईसीयू में सही समय पर स्थानांतरित करने में मदद की है।

पायनियर
नई दिल्ली, शुक्रवार, 16 अप्रैल, 2021

पेंशन बनवाने की मजबूरी में उड़ रहीं कोविड नियमों की धज्जियां

बुजुर्ग धूप में परेशान पैसे वाले ऐसी में बैठ ले रहे पेंशन

कविता। फरीदाबाद

सेक्टर-15 स्थित पुराने एडीसी दफ्तर में मौजूद जिला समाज कल्याण अधिकारी के दफ्तर में लगातार भ्रष्टाचार से पेंशन बनवाने के मामले सामने आ रहे हैं। लिखित शिकायत और सबूत देने के बाद भी आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होती, उल्टा शिकायतकर्ता को ही झूठा साबित कर दिया जाता है। वहीं दूसरी तरफ ईमानदारी से पेंशन बनवाने वाले लोगों को परेशानी झेलने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस भीड़ की वजह से कोविड नियम टूट रहे हैं।

परेशान हो रहे बुजुर्ग : बुजुर्ग के पेंशन के फार्म पर जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाते हैं, लेकिन इसके लिए टोकन की व्यवस्था कर रखी है। टोकन के लिए बुजुर्गों को कई चक्कर कटवाये जाते हैं उसके बाद उन्हें यहां टोकन मिलता है। वहीं यहां देखने को मिला कि बुजुर्ग अपनी पेंशन बनवाने के लिए लगातार भीड़ के बीच कोरोना के नियमों को अनदेखा करने को मजबूर हो रहे हैं। यहां न तो कोई कर्मचारी उन्हें समझाता है और न ही उनकी सुनवाई होती है।

बुजुर्गों की परेशानी : बुजुर्गों का आरोप था कि बाहर उनसे कॉमन सर्विस सेंटर वाले पांच से आठ हजार रुपये पेंशन बनवाने के मांगते हैं। यहां बनवाने आते हैं तो यहां लगातार चक्कर कटवाये जाते हैं। परेशान होकर उन्हें रोजाना यहां पैसे और समय नष्ट करना पड़ता है। यहां सुनवाई नहीं होती, कर्मचारी सीधे मुंह बात नहीं करते। कुछ बोलों तो झाड़ लगाकर भगा देते हैं। ऐसे में क्या करें, क्या न करें। कुछ समझ नहीं आ रहा है।

ऐसी होती है कार्रवाई: एडवोकेट सतेन्द्र दुग्गल ने बताया कि पिछले दिनों नहर पार इलाके में 5 व्यक्तियों की गलत तरिके से पेंशन बनाई जाने की शिकायत की गई थी। जिस पर अधिकारी ने कर्मचारियों को कार्रवाई सौंपी। कर्मचारी उक्त लोगों के घर पहुंचे और जांचकर्ताओं ने आरोपियों से शपथ पत्र लिखवा कर ले आए। जांच में शिकायतकर्ता को ही जांचकर्ताओं ने झूठा साबित कर दिया। सतेन्द्र दुग्गल का कहना है कि आरोपियों से ही जब एफिडेबिट ले लिया जाएगा तो जांच कैसे होगी। जबकि शिकायत के साथ सभी दस्तावेज दिए गए थे। रोहन ने बताया कि यहां अन्य शिकायतों पर भी ऐसा होता है। लोगों द्वारा की जाने वाली शिकायतों को कर्मचारी झूठा साबित कर देते है और साफ बच निकलते है। जिससे उनके हौसले बुलंद हो जाते है। बिना चक्कर कटवाये यहां काम नहीं होते।

अमृत महोत्सव 'एकम' कार्यक्रम का आयोजन

फरीदाबाद। आजादी के 75वीं वर्षगांठ पर आजादी का अमृत महोत्सव 'एकम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सीजीएसटी फरीदाबाद आयुक्त द्वारा किया गया। अनुकूल या प्रतिकूल परिस्थिति में तनावमुक्त कैसे रहें विषय को लेकर डॉ. नितिन सारस्वत ने सीजीएसटी के साथ मिलकर एक वेबीनार का आयोजन किया। जलियांवाला कांड की याद में सीजीएसटी फरीदाबाद के अधिकारियों द्वारा कोविड वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें ईएसआईसी अस्पताल के डॉक्टरों ने सहयोग किया। शिविर में 186 अधिकारियों ने कोविड की वैक्सीन लगवाई।

संक्षिप्त समाचार

लड़कियों की शिक्षा के लिए जनता को समर्पित किया स्कूल

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान बिल्कुल सार्थक होते हुए नजर आ रहा है, जहां एक तरफ हरियाणा सरकार ने बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र में महिलाओं का कॉलेज देकर बेटियों का सम्मान बढ़ाया है। उसी कड़ी में सेक्टर 3 बल्लभगढ़ में राजकीय कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल की इमारत लड़कियों की शिक्षा के लिए जनता को समर्पित की है। स्कूल के उद्घाटन के मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और हरियाणा के परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल का विधिवत उद्घाटन किया। कार्यक्रम में शिक्षा से जुड़े अधिकारी गण और स्कूली बच्चों के अलावा भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना पत्थर का अनावरण और ज्योति प्रज्ज्वलित के साथ की। कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि हरियाणा सरकार में मुख्यमंत्री मनोहर लाल और मंत्री मूलचंद शर्मा के नेतृत्व में विकास कार्यों की झड़ी लगी हुई है। भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा, पार्षद दीपक यादव, पार्षद हरप्रसाद गोड़ के अलावा जिला शिक्षा अधिकारी रितु चौधरी, खंड शिक्षा अधिकारी बलबीर कौर, भाजपा कार्यकर्ता बुद्धा सैनी, महावीर सैनी, राजेन्द्र, राजेश, लखन बैनीवाल, महेश गोयल, संजीव, योगेश शर्मा, गजेंद्र वैष्णव, बिल्लू पहलवान, दिपांसु अरोड़ा, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के एसडीओ महेंद्र,व्यापार मंडल से निर्मल कुलश्रेष्ठ, प्रेम खट्टर, प्रेम मदान, गंगाराम शर्मा, पूरण, प्रिंसिपल धर्मवीर सिंह, वाइस प्रिंसिपल रेनू गंभीर, अनिल कुमार, सुरेंद्र यादव, टीकाराम सहित भाजपा कार्यकर्ता और शहरवासी मौजूद रहे।

मोबाइल, लैपटाप रिपेयरिंग में बढ़ते कदम इंदर टैक्नॉलॉजी इंस्टीट्यूट

फरीदाबाद। एक ताजा सर्वेक्षण के अनुसार मोबाइल व लैपटाप रिपेरिंग के क्षेत्र में बड़ी तादाद में अनुभवी संस्थानों की कमी है। जो आपके बच्चों की बहुत कम समय में आत्मनिर्भर बना सके इंदर टैक्नॉलजी इंस्टीट्यूट फरीदाबाद में अजरौंदा स्थित एक मात्र संस्थान है जो उपयुकत कोर्स के लिए सभी मापदंडों पर बिल्कुल खरा उतरता है। इंदर टैक्नालजी इंस्टीट्यूट सबसे पहला चिपलेवल संस्थान है पिछले 15 वर्षों से आपको मोबाइल और लैपटाप रिपेयरिंग में बेसिक हाडवेयर व साफ्टवेयर ट्रैनिंग दे रहा है। यहां कोर्स को थ्योरीकल व प्रेक्टीकल प्रशिक्षण के साथ-साथ मार्केटिंग व काउंटर मैलनेजमेन्ट की भी तैयारी कराई जाती है ताकि आप इस क्षेत्र में अपना भविष्य सुचारू रूप से निश्चित कर सकें। संस्थान की डायरेक्टर निशा तौमर का कहना है कि उनके छात्र तीन महीने में इस योग्य हो जाते हैं कि वे खुद मोबाइल से संबंधित कर सकते है। इसके लिये मोबाइल के तकरीबन सभी तरह के अलग-अलग सैट के बारे में बताया व समझाया जाता है। उन्होंने बताया कि उनके संस्थान में हर क्षेत्र और पृष्टभूमि के छात्र आते हैं। लिहाजा पाठयक्रम को हिन्दी और अंग्रेजी दोनों माध्यम से सिखाया जाता है। यहां से कोर्स करने के बाद उन्हें भविष्य में किसी भी प्रकार के सहयोग के लिए संस्थान सदैव संकल्पवद हैं।

इनकम टैक्स बार एसोसिएशन की हुई बैठक

फरीदाबाद। इनकम टैक्स बार एसोसिएशन की एक मीटिंग होटल डिलाइट में आयोजित हुई। जिसमें वर्तमान कार्यकारिणी के आपत्तिजनक निर्णयों के खिलाफ आम सभा में पांच सदस्य पंच कमेटी गठित की गई। जिसमें क्रमश: एडवोकेट एसएन त्यागी, सीए दिनेश अग्रवाल, सीए सुधीर चौधरी, एडवोकेट संजय मंगला एवं एडवोकेट प्रहलाद गर्ग द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि एसोसिएशन के प्रस्तावित चुनाव पर रोक लगाई जाये और वर्तमान कमेटी तब तक कोई भी निर्णय इस बावत नहीं लेगी। वर्तमान प्रधान सीए विपिन शर्मा को अपना पक्ष रखने के लिए सम्पर्क किया, परन्तु उन्होंने और समय मांगा। अंत पंच कमेटी ने निष्पक्षता, बार के हित में एवं एकता को बरकरार रखने के लिये उन्हें एक दिन का समय दिया। मीटिंग में बार एसोसिएशन के वरिष्ठ एवं 67 मैम्बर उपस्थित थे। अत: पंच कमेटी द्वारा यह आर्डर पास किया गया कि जब तक अगला फाइनल निर्णय न लिया जाये, तब तक चुनाव की कार्रवाई रोकी जाये और यदि कोई अमर्दादित कार्य वर्तमान कमेटी द्वारा लिया जाता है। तो वह अमान्य होगा और सारी गतिविधि अवैध होगी और वर्तमान चुनाव अधिकारी एवं चुनाव ट्रिब्यूनल कोई भी कार्रवाई नहीं करेगी। यह भी तय किया गया कि पंच कमेटी द्वारा नये चुनाव प्रक्रिया तय करके सभी सदस्यों को सूचित करेंगे। एजीएम बैठक में एडवोकेट सुनील मंगला, एडवोकेट वीपी शर्मा, एडवोकेट दीपक छाबड़ा, एडवोकेट राकेश मंगला, सीए संजय चंडक, सीए विपिन गुप्ता, सीए मनोज गर्ग, एडवोकेट संदीप सेठी, एडवोकेट बलवीर सिंह, एडवोकेट एमके डूडेजा, एडवोकेट शशिकांत, एडवोकेट शिव कुमार आदि एडवोकेट और सीए आदि मौजूद थे।

सात किलो 560 ग्राम गांजा पत्ती समेत दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। शहर में हो रहे गांजा, शराब, नशा के इंजेक्शन की तस्करी के अपराधों का संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने सभी थाना, चौकी एवं क्राइम ब्रांचों को निर्देश दिये हैं। जिस पर कार्रवाई करते हुए क्राईम ब्रांच टीम ने आरोपी यशबीर और राकेश को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में दोनों आरोपियों की पहचान यशबीर, राकेश निवासी ओम एन्कलेव पल्ला के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दिल्ली लौनी बॉर्डर से किसी ठाकुर नाम के व्यक्ति से 10 किलो ग्राम गांजा पत्ती 60000 रुपये में खरीद कर लाया था।

कोरोना विस्फोट जारी: तीन मौत 810 पॉजिटिव से आंकड़ा 52853

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिलेभर में लगतार कोरोना के मामलों में बेहताशा वृद्धि हो रही है। बृहस्पतिवार को 810 नए मामले सामने आए। जिससे जिले में कोरोना का आंकड़ा 52853 पर पहुंच गया। वहीं दुख की बात यह रही कि जिले में तीन कोरोना पॉजिटिव मरीजों ने दम तोड़ दिया। जिससे जिले में मृतकों की संख्या का आंकड़ा 432 पर पहुंच गया।

राहत की बात यह रही कि जिले में 305 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 92.5 प्रतिशता रह गया है। वहीं जिले में फिलहाल एक्टिव केसों की संख्या 3536 है। जिसमें होम आईसोलेट मरीजों की संख्या का आंकड़ा 2949 है। जिले में सेक्टर-30, धीरज नगर, आईपी कॉलोनी, सेक्टर-8, 7, गोपाल हॉस्पिटल, सूर्या कॉलोनी, ओम इंक्लेव, ग्रीन फिल्ड कॉलोनी, सेक्टर-29 समेत अन्य कई एरियों से मरीज शामिल है, लेकिन इसके बावजूद लोग लापरवाही बरत रहे हैं। ऐसा ही बीके सिविल अस्पताल परिसर में मौजूद प्रयोगशाला में देखने को मिला।

हंगामे के बाद पहुंची पुलिस

कोरोना के लक्षण सामने आने पर इन दिनों बीके सिविल अस्पताल में लोगों की भारी भीड़ जुट रही है। बीके सिविल अस्पताल में जांच को पहुंच रहे मरीज भीड़ के कारण परेशान होकर कर्मचारियों से उलझने को मजबूर हो रहे हैं। यहां तैनात महिला कर्मचारियों पर झगड़ा करने पर उतारू हो रहे हैं। ऐसे में बृहस्पतिवार को कर्मचारियों ने पुलिस को बुला लिया। पुलिस के आने के बाद भी लोग चुप नहीं हुए। काफी समझाने के बाद मामला शांत हुआ और रुकी हुई सैम्पल जांच शुरू की गई। वहीं कुछ लोगों ने यहां जांच किट समाप्त होने पर भी हंगामा खड़ा कर दिया। जिसे कर्मचारियों ने शांत करवाया।

ये हैं आंकड़े

कुल जांचें हुईं : 609332
रिपोर्ट पॉजिटिव : 52853
रिपोर्ट नेगेटिव : 553908
रिपोर्ट बाकी : 2571
ऑक्सीजन पर : 94
वैंटीलेटर पर : 5
अब तक मौत : 432
अब तक ठीक : 48885

ऑनलाइन मोड़ में परीक्षाएं कराने को लिखा पत्र

फरीदाबाद। एनएसयूआई हरियाणा के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल को पत्र लिखकर देशभर की सभी यूनिवर्सिटियों, उनसे संबंधित कॉलेजों और स्कूलों में होने वाली सभी परीक्षाओं को ऑनलाइन मोड़ में कराने के लिए अनुरोध किया। ज्ञात हो कि बढ़ते कोरोना को देखकर सीबीएसई ने 10वीं की परीक्षाएं रद्द करने और 12वीं की परीक्षाएं स्थगित करने का फैसला लिया है और साथ ही हरियाणा बोर्ड ने भी 10वीं की परीक्षाएं रद्द कर दी हैं।

प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने कहा कि बढ़ते हुए कोरोना में कराई जा रही परीक्षाओं का एनएसयूआई काफी लंबे समय से विरोध कर रही है और उसी विरोध के चलते कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, वाईएमसीए यूनिवर्सिटी और अन्य कई यूनिवर्सिटियों ने परीक्षाएं ऑनलाइन मोड़ में ली हैं लेकिन कई यूनिवर्सिटियां ऐसी भी हैं जोकि अभी भी ऑफलाइन मोड़ में परीक्षाएं ले रही हैं। इस समस्या को लेकर प्रदेश के शिक्षा मंत्री, गृहमंत्री, मुख्यमंत्री तक को अवगत कराया जा चुका हैं, लेकिन उन्होंने कोई सुनवाई नही की हैं। प्रदेश सरकार द्वारा सुनवाई न करने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री के सामने अपनी मांग रखी हैं। कृष्ण अत्री ने कहा कि कल बुधवार को 2 लाख संक्रमित लोग पाये गए हैं जोकि अबतक एक दिन में पाये जाने वाले मरीजों की संख्या में ज्यादा हैं।

सीएम ने वीसी में दिए कोरोना से निपटने को दिशा निर्देश

फरीदाबाद। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ से आयोजित वीसी के माध्यम से प्रदेशभर के उपायुक्तों से कोविड-19 के दृष्टिगत किए जा रहे कार्यों, पॉजिटिव केसों, टीकाकरण के साथ-साथ इससे जुड़े विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने एसीएस राजीव अरोड़ा को राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने में एडवाईजरी जारी करने व इसकी प्रति उपायुक्तों को भेजने के भी निर्देश दिए। वीसी में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और गृहमंत्री अनिल विज भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने वीसी की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पिछले कई दिनों से कोरोना संक्रमण का प्रभाव अचानक बढ़ गया है, इसके तहत हम सबको मिलकर सावधानी बरतनी है। सभी विभागों को बेहतर समन्वय के साथ, जिस प्रकार उन्होंने पिछले वर्ष कोरोना के फैलाव को रोकने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की, उसी प्रकार अब भी यह कार्य करना है। उन्होंने कोविड-19 के दृष्टिगत चिकित्सा संबधी किए गये प्रबंधों के बारे में भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हमें इस महामारी को गंभीरता से लेते हुए कोविड-19 के दृष्टिगत आवश्यक हिदायतों की पालना सुनिश्चित करने के लिए सख्ती व अपील, दोनों कार्य करने हैं।

सावधानी बरतकर ही इस संक्रमण के फैलाव को रोका जा सकता है। मास्क, दो गज की दूरी, सैनीटाईजेशन व भीड़ वाले स्थानों पर जाने से बचना है। उन्होंने यह भी कहा कि नाईट कर्फ्यू की हमें सख्ती से पालना करवानी है, साथ ही शादी समारोह के आयोजन जो रात में हैं उसका भी लोग समय बदलें, इसके लिए भी उन्हें कहना है। ऐसी सब बातों को ध्यान रखकर हम कोरोना संक्रमण के फैलाव को काफी हद तक रोक सकते हैं।

नियम तोड़ने पर सख्ती के साथ ही बांटे जाएंगे मास्क : सीपी

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने कोरोना महामारी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए लोगों को जागरूक करने और कोविड नियमों का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए पुलिस अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में कोरोना महामारी के नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाने का फैसला लिया गया। सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार नाइट कर्फ्यू के दौरान मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने वाले लोगों को ही आवागमन की अनुमति रहेगी और अनावश्यक रूप से बाहर निकलने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति स्वास्थ विभाग द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करें, आइसोलेशन में रहे, अपने घर से बाहर न निकलें, परिवार के लोगों से भी उचित दूरी बनाकर रखें वरना दूसरे व्यक्ति भी इसके संक्रमण का शिकार हो सकते हैं।

फरीदाबाद पुलिस द्वारा कोविड से ग्रसित मरीजों को ट्रेस करने के लिए टीम लगाई गई है, जो इस महामारी से संक्रमित व्यक्तियों और उसके संपर्क में आने वाले लोगों पर निगरानी रखेगी। यदि कोई व्यक्ति उक्त नियमों का उल्लंघन करता है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए आईपीसी की धारा 188 एवं डिजास्टर मैनेजमेंट के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद की नंदना का गोल्ड पर कब्जा

58वीं रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीत हासिल कर किया नाम रोशन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली पब्लिक स्कूल ग्रेटर फरीदाबाद सेक्टर-81 की दसवीं कक्षा की छात्रा नंदना सोनी ने 58वीं रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप 2020-21 में स्वर्ण पदक जीत कर स्कूल, जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस चैंपियनशिप का आयोजन रोलर स्केटिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया ने चंडीगढ़ किया था। गोल्ड मैडल लेकर फरीदाबाद लौटने पर डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद द्वारा नंदना का जोर दार स्वागत किया और उसे बधाई दी।

स्कूल के प्रो. वीसी, रोहित जैनेन्द्र जैन और प्रधानाचार्य सुरजीत खन्ना ने नंदना सोनी और उनके अभिभावकों को इस उपलब्धि की बधाई दी। विद्यालय के स्केटिंग कोच रमाकांत गुप्ता ने भी नंदना के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की और जॉन डेविड, अनिता गौतम और जिला रोलरस्केटिंग एसोसिएशन को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद किया।

नंदना ने अपनी जीत का श्रेय स्कूल प्रबंधन, अपने कोच, अपने माता-पिता व अन्य सहयोगियों को दिया और विश्वास दिलाया कि वे आगे भी इसी तरह स्कूल और प्रदेश का नाम रोशन करती रहेंगी। स्कूल के प्रो. वीसी रोहित जैनेंद्र जैन ने कहा कि नंदना ने न केवल स्कूल को गौरवांवित किया है बल्कि जिला व प्रदेश का नाम भी रोशन किया है। उन्होंने कहा कि नंदना अन्य बच्चों के लिए भी रोल मॉडल हैं और जो अभिभावक अपनी बेटियों को बोझ समझते हैं, नंदना उनके लिए एक सबक है कि आज की बेटियां बेटों से कम नहीं हैं और वे भी बड़े स्तर पर माता-पिता का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वे नंदना के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं और उसे सफलता की ऊंचाइयां प्राप्त करने में डीपीएस ग्रेटर फरीदाबाद हमेशा नंदना और उनके परिवार के साथ खड़ा रहेगा।

बीके में बदल गया ओपीडी का समय

फरीदाबाद। शहर के बादशाह खान सिविल अस्पताल की ओपीडी का समय आज से बदल जाएगा। गर्मी और सर्दी के मौसम में समय में बदलाव किया जाता है। जिसको देखते हुए आज से समय में बदलाव किया गया है।

जानकारी के मुताबिक गर्मियों में बीके सिविल अस्पताल का समय 16 अप्रैल से सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक का हो जाता है। ऐसे में आज से सुबह आठ बजे से ओपीडी की सुविधाएं दोपहर दो बजे तक मिलेंगी। वही दूसरी तरफ सर्दियों में समय बदलकर सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक कर दिया जाता है। ताकि यहां आने वाले मरीजों कों बेहतर इलाज की सुविधाएं मिल सके। इस बारे में अस्पताल की पीएमओ डॉ. सविता यादव ने बताया कि सर्दियों और गर्मियों में समय मरीजों की सुविधा के अनुसार बदला जाता है। ताकि मरीजों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो।

मृतक किसान की पत्नी को केंद्रीय राज्य मंत्री ने सौंपा पांच लाख रुपये का चेक

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने वीरवार को अपने कार्यालय में मुख्यमंत्री किसान एवं खेती में खेतिहर मजदूर जीवन सुरक्षा सुरक्षा योजना के तहत कृषि कार्य करते समय दुर्घटना से मृत्यु होने पर किसान की पत्नी उर्मिला देवी को सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार सहायता की राशि के तौर पर पांच लाख रुपये की धनराशि प्रदान की।

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि सरकार की कथनी-करनी में कोई फर्क नहीं है। सरकार द्वारा हर वर्ग के लोगों के लिए योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित किया जा रहा है। किसानों, व्यापारियों, कर्मचारियों, दिहाड़ीदार मजदूरों, रेहड़ी फड़ी वालों सहित तमाम लोगों के लिए अलग-अलग योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज गांव वजीरपुर के किसान उदयवीर की कृषि कार्य करते समय दुर्घटना से मृत्यु होने पर उनकी पत्नी उर्मिला देवी को पांच लाख रुपये की धनराशि की आर्थिक सहायता राशि कृषि विपणन बोर्ड के माध्यम से दी गई है। इस दौरान कृषि विपणन बोर्ड के प्रशासक पंकज कुमार सहित अन्य अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मार्केट कमेटी फरीदाबाद के सचिव विपिन यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विपणन बोर्ड द्वारा मुख्यमंत्री किसान एवं खेती में खेतिहर मजदूर जीवन सुरक्षा सुरक्षा योजना के तहत 10 वर्ष की आयु से लेकर 65 वर्ष की आयु तक के किसान को कृषि कार्य करते समय दुर्घटना होने पर अलग-अलग मदों में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगने की कोशिश में तीन गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओपी सिंह द्वारा अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की धरपकड़ के दिशा निर्देशों पर कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 48 की टीम ने एटीएम कार्ड बदलकर लोगों के अकाउंट से पैसे उड़ाने की कोशिश करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों में सुखराम, कृष्ण और कृष्ण उर्फ भोला का नाम शामिल है। तीनों आरोपियों के खिलाफ फरीदाबाद के थानों में चोरी स्नैचिंग, धोखाधड़ी के तहत चार मुकदमे दर्ज हैं। तीनों आरोपी पलवल जिले के चांदहट थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। तीनों आरोपी बहुत ही शातिर किस्म से अपराधी है जो स्नैचिंग चोरी, लड़ाई झगड़ा, धोखाधड़ी आदि अपराधिक वारदातों को अंजाम देते थे। आरोपी स्नेचिंग, कार्ड स्वैपिंग व मोटर साइकिल चोरी का काम करते है और अपने पास लोगों को डराने के लिए बटनदार चाकू व देशी पिस्तौल रखते थे।

तीसरे दिन हुई मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना

मंदिरों के बाहर खड़े होकर की मां के भक्तों ने पूजा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नवरात्रों के तीसरे दिन शहर के मंदिरों में तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की गई। मंदिरों में आरती में सैकड़ों भक्तों ने मां के जयकारें लगाते हुए पूजा की। इस दौरान पुजारियों ने भक्तों को मां की महिमा से अवगत कराया।

वैष्णो देवी मंदिर : सिद्धपीठ महारानी श्री वैष्णोदेवी मंदिर में मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की गई। मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने पूजा-अर्चना का शुभारंभ कराया। मंदिर में उद्योगपति और मंदिर कमेटी के सदस्यों के अलावा अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने भक्तों को बताया कि नौ दिनों तक मनाई जाने वाली मां शेरावाली के इस पर्व के दौरान मां के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दुर्गा माता का यह तीसरा रूप राक्षसों का वध करने के लिए जाना जाता है। मान्यता है कि यह अपने भक्तों के दुखों को दूर करती हैं। इसीलिए इनके हाथों में तलवार, त्रिशूल, गदा और धनुष होता है। इनकी उत्पत्ति ही धर्म की रक्षा और संसार से अंधकार मिटाने के लिए हुई।

काली मंदिर में पूजा : सिद्धपीठ काली मंदिर में मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान मंदिर के प्रधान ने राकेश ने बताया कि मां चंद्रघंटा की पूजा के लिए खासकर लाल रंग के फूल चढ़ाए जाते हैं। जो भी भक्त सच्चे मन से मां की पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होती हैं। मां चंद्रघंटा का रूप बहुत ही सौम्य है और मां को सुगंधप्रिय है।

आज होगी मां कुष्माण्डा देवी की पूजा

नवरात्रों के चौथे दिन मां कुष्माण्डा देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। इन्हें मां दुर्गा का चौथा स्वरूप माना जाता है। अपनी हल्की हंसी से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के लिए इनका नाम कुष्माण्डा पड़ा। ये अनाहत चक्र को नियंत्रित करती हैं। मां की आठ भुजाएं हैं। इसलिए इन्हें अष्टभुजा देवी भी कहते हैं। इस बारे में एनएच-पांच स्थित राधा सर्वेश्वर मंदिर के संस्थापक मुनिराज ने बताया कि इस दौरान हरे कपड़े पहनकर मां कुष्माण्डा का पूजन करें। पूजन के दौरान मां को हरी इलाइची, सौंप अर्पित करते। इसके बाद उनके मुख्य मंत्र ओम कुष्मांडा देव्यै नम:' का 108 बार जाप करें। इससे बुद्धि का विकास होने के साथ-साथ निर्णय क्षमता भी अच्छी हो जाएगी।

स्वागतयोग्य फैसला

विदेशी कोविड टीकों की खरीद

सरकार ने विदेशों से कोविड टीकों की खरीद का निर्णय लिया है। इसका अनेक कारणों से स्वागत किया जाना चाहिए। भारत सरकार की 'वैक्सीन मैत्री' ने भले ही 6.45 करोड़ टीके प्राप्त कर दुनिया भर के देशों से प्रशंसा पाई हो, पर भारत में टीके लगाने के लिए उसे कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। नए स्ट्रेनों के कारण पूरे भारत में कोरोनावायरस मामलों तथा इसके कारण होने वाली मौतों में असाधारण वृद्धि से केन्द्र सरकार को आलोचना का सामना कर पड़ रहा था। उसने भले ही वैश्विक स्तर पर प्रशंसा प्राप्त की हो, पर सभी नागरिकों को पहले टीकाकरण सुनिश्चित करने के बजाय टीकों के वितरण से देश में उसकी छवि खराब हो रही थी। संक्रमणों की दूसरी लहर के देश पर भारी पड़ने के साथ ही टीकाकरण प्रक्रिया सबके लिए खोलने का दबाव भी बढ़ रहा था क्योंकि नए स्ट्रेन से इस बार बच्चे और नौजवान भी बच नहीं रहे थे। इस प्रकार कोविड टीकों की कमी का सामना कर रही केन्द्र सरकार ने पहले रूस निर्मित वैक्सीन स्पुतनिक के आपातकालीन प्रयोग को अनुमति दी, फिर उसने कोविड-19 टीकों के चयन को विस्तार देते हुए अमेरिका, ब्रिटेन और जापान में निर्मित वैक्सीनों के आपातकालीन प्रयोग की अनुमति दे दी। कोविड-19 वैक्सीन प्रशासन पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह-नेगवैक ने संस्तुति की है कि विदेशों में निर्मित वैक्सीनों को अनुमति दी जाए जिनको वहां अनुमति मिली है। इस प्रकार 'यूएसएफडीए, ईएमए, यूके, एमएचआरए, पीएमडीए जापान द्वारा सीमित आपातकालीन प्रयोग के लिए अनुमति प्राप्त वैक्सीनों को भारत में अनुमति दी जा सकती है।' समझा जाता है कि 'विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आपातकालीन प्रयोग के लिए सूचीबद्ध वैक्सीनों को भी भारत में आपातकालीन प्रयोग के लिए अनुमति मिल सकती है।'

सही समय पर लिए इस निर्णय से बड़े पैमाने पर औषधीय सामग्री का आयात प्रोत्साहित होगा जिससे घरेलू दवा निर्माण क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। इससे वैक्सीन निर्माण क्षमता भी बढ़ेगी जिसका लाभ देश की जनता को होगा। केन्द्र नागरिकों को शांत रखने के सर्वोत्तम प्रयास कर रहा है। उसने जनता को आश्वस्त किया है कि वैक्सीनों की कोई कमी नहीं है तथा अभी 1.67 करोड़ खूराकें उपलब्ध हैं। हालांकि, इस तर्क में कुछ दम है कि सरकार को पहले अपने नागरिकों की चिन्ता करनी चाहिए, पर यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि वर्तमान स्थिति के लिए स्वास्थ्यरक्षा और अधिकारी तथा जनता भी एक स्तर तक जिम्मेदार है। सबसे पहले यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि आज हमें वैक्सीनों की बहुत आवश्यकता है, अत: ऐसे में भारत में 6.5 प्रतिशत वैक्सीनों की बरबादी आपराधिक है। यदि जनता सरकार की बात माने तथा बड़ी संख्या में टीके लगवाने के साथ ही सतर्कता से कोरोना व्यवहारों का पालन करे तो कोरोना मामलों में इतनी वृद्धि नहीं होगी। जब पहली लहर के बाद रोगियों की संख्या घट गई थी तब यदि हमने वैक्सीन के प्रति हिचक छोड़ दी होती तो चीजें आज पूरी सटीकता के साथ बेहतर होतीं तथा जनसंख्या के बड़े हिस्से को अब तक टीके लग गए होते। हालांकि, अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। केन्द्र नागरिकों को शांत रखने और सांत्वना देने के सारे प्रयास कर रहा है। ऐसे में सारी जनता की जिम्मेदारी है कि वह शांत रह कर जिम्मेदार नागरिकों की तरह व्यवहार करे तथा यथासंभव सरकार की अधिकाधिक सहायता करे। कुल मिला कर देखें तो आज जैसी स्थिति हमारे सामने आई है, उसकी कल्पना हम में से किसी ने नहीं की थी।

डिजिटल जगत की प्रतिरोधक क्षमता

कोविड-19 महामारी से पता चलता है कि संकट के समय में सामाजिक लचीलापन और व्यावसायिक निरंतरता बनाए रखने के लिए डिजिटल कनेक्टिविटी महत्वपूर्ण है।

अभिलाष पांडा
लेखक तकनीकी क्षेत्र से जुड़े हैं)

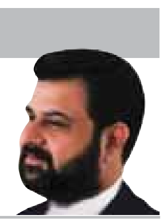

तकनीक अब हमारे चारों ओर है। पिछले कुछ वर्षों में हमने जो डिजिटल परिवर्तन देखा है, उसने हमेशा ऑनलाइन रहने पर जोर दिया है। उदाहरण के लिए, 2015 में, भारतीय जनसंख्या का 7.5 प्रतिशत इंटरनेट से जुड़ा था, लेकिन 2019 तक, विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, यह प्रतिशत बढ़कर 34 प्रतिशत हो गया। भारतीय मोबाइल उपयोगकर्ता औसतन हर महीने 8.3 गीगाबाइट डेटा का उपभोग करते हैं और भारत किसी भी अन्य देश की तुलना में तेजी से डिजिटल हो रहा है। डिजिटल परिवर्तन ने गरीबी को कम करने, अवसरों को बनाने और निगरानी करने और आपातकालीन प्रतिक्रिया में सुधार करने के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। लेकिन इसने भेद्यता की एक नई परत भी जोड़ दी है। प्राकृतिक खतरों के कारण एक भी आपदा गंभीर सूचना प्रणालियों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है और पूरे नेटवर्क की विफलता को ट्रिगर कर सकती है। न केवल हमारे बैंक, एयरपोर्ट और ट्रांसपोर्ट अवसंरचना को संजाल से जेड़ा जाता है, बल्कि तेजी से ऊर्जा, शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षात्मक परिसंपत्तियों को साइबर डोमेन के माध्यम से भी अंतरग्रंथित किया जाता है। दूरस्थ रूप से प्रबंधित फ्लडगेट्स, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, अपशिष्ट प्रबंधन, क्राउडसोर्सिंग के लिए सोशल साइट्स, सुरक्षा सूचना और अन्य लोगों के बीच क्षति का आंकलन करने के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अब एक परस्पर जुड़े सिस्टम का हिस्सा हैं।

कोविड-19 महामारी से पता चलता है कि डिजिटल कनेक्टिविटी, संकट के समय में सामाजिक लचीलापन और व्यावसायिक निरंतरता के लिए महत्वपूर्ण है। विकसित और उभरते बाजारों में डिजिटल अवसंरचना प्रदाताओं के लिए, लगातार नकारात्मक झटके से कनेक्टिविटी की उच्च मांग का असंतुलन हो सकता है। उदाहरण के लिए, तूफान हार्वे ले लो। 2017 में जब तूफान ने टेक्सास में भूस्खलन किया और 100 से अधिक मौतें हुईं और क्षति में .125 बिलियन का नुकसान हुआ, तो अस्पताल जल्दी से भर गए। उनके पास रोगियों के इलाज के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी थी और कई को बाढ़ के कारण खाली करना पड़ा। मरीजों को स्थानांतरित करते समय, कर्मचारियों को पीछे से उन्हें एक्सेस करने के सीमित तरीकों के साथ रिकॉर्ड को छोड़ना पड़ा। विभिन्न अस्पतालों में स्थानांतरित होने से परिचालन क्षमता में गंभीर कमी आई क्योंकि डॉक्टरों ने महत्वपूर्ण डेटा को एक साथ टुकड़े करने के लिए तराशा। रोगी की देखभाल की दक्षता और प्रभावशीलता ने निस्संदेह एक परिणाम के रूप में हिट किया।

2019 के चक्रवात फनी ने ओडिशा के तटीय राज्य पर हमला किया, दूरसंचार बुनियादी ढांचे के अलावा 70 मिलियन डॉलर से अधिक की प्रत्यक्ष हानि हुई। 2011 के क्वींसलैंड में बाढ़ के बाद, 50 प्रतिशत से अधिक संगठनों ने बताया कि उन्होंने अपने व्यवसाय संचालन में विभिन्न डिग्री तक व्यवधान का अनुभव किया था क्योंकि सर्वर कमरे बाढ़ से प्रभावित थे।

साइबर सुरक्षा खतरे एक और बड़ा जोखिम है, जो पहले से ही कुछ उल्लेखनीय

> **कोविड-19 से उबरने की प्रक्रिया में इंजेक्शन के लिए तैयार किए गए खरबों डॉलर के साथ, अब सरकार और निजी क्षेत्र के लिए यह सही समय है कि वे विचार करें कि ये निवेश लचीले, हरित और न्यायसंगत कैसे हो सकते हैं। कोविड-19 से उबरने की हमारी दौड़ में, हमें जोखिम के मौजूदा स्तर को कम करने और नए बनाने से बचने के लिए एक सुनहरा अवसर नहीं चूकना चाहिए।**

अवसरों पर चोट पहुंचा चुका है। यूक्रेन में 2015 साइबरबैट, जो बिजली की आपूर्ति को प्रभावित करता था, और 2017 वानाक्राइ और नॉटपेटिया/नॉटपिल्टारनसमवेयर, जिसने यूरोप भर में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सेवाओं को बाधित किया, केवल कुछ उदाहरण हैं।

दुर्भावनापूर्ण खतरों के जोखिम के साथ ऐसी जटिल घटनाओं का सहसंबंध, जैसे साइबरबैक्स, इन कैस्केडिंग घटनाओं के प्रभाव को कम करने के लिए अधिकारियों की क्षमता सहित सामाजिक कार्यों के सबसे महत्वपूर्ण को बढ़ा सकते हैं। वास्तव में, कैस्केडिंग घटनाओं से किसी एकल प्रेरित व्यवधान की सीमा का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कई हस्तक्षेप करने वाले चर परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं।

इस तरह के जोखिमों को इस तथ्य से जटिल किया जाता है कि कई छोटी और मध्यम आकार की कंपनियां, जिन पर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था बहुत निर्भर करती है, उनके अपने साइबर सुरक्षा संबंधी कमजोरियों के साथ आने की संभावना है। एकाधिक अध्ययनों से संकेत मिलता है कि लघु और मध्यम आकार के उद्यम (एसएमई) की पहचान साइबरबक्स के स्पष्ट लक्ष्य के रूप में की जाती है और वे उन्हें झेलने में कम सक्षम होते हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण के एक 2019 के अध्ययन ने पहचान की है कि 43 प्रतिशत एसएमई साइबर हमले का लक्ष्य हैं। एसएमई रिकवरी और सीओवीआईडी -19 के जवाब के हिस्से के रूप में जल्द से जल्द डिजिटलीकरण की महत्वाकांक्षा ने साइबर हमले की घटना को बढ़ा दिया है। 2020 के मैकिंजी अध्ययन का अनुमान है कि महामारी की शुरुआत के बाद से भाला-फ़िशिंग हमलों में सात गुना वृद्धि हुई है। डिजिटल अवसंरचना निवेशों की लचीलापन बढ़ाने के लिए, उनकी भेद्यता, संवेदनशीलता, अन्योन्याश्रियता और जोखिम के जोखिम की निगरानी और माप करना आवश्यक है। इस बदलाव के लिए निवेशकों, ऑपरेटरों और निर्णय लेने वालों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि नियोजित बुनियादी ढांचे के निवेश के स्थान, डिजाइन, निर्माण और संचालन में आपदा और जलवायु जोखिमों पर विचार किया जाए।

डिजिटल अवसंरचना को टिकाऊ के रूप में वर्गीकृत करने के लिए, नियामकों को एक महत्वपूर्ण मानदंड के रूप में प्राकृतिक खतरों को शामिल करने की आवश्यकता है और साथ ही साथ लचीलापन की एक स्पष्ट परिभाषा भी है। उसके लिए, आपदा जोखिम में कमी, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और उनके निर्णयों में लचीलापन लाने के लिए संस्थागत निवेशकों और परिसंपत्ति प्रबंधकों, साथ ही बुनियादी ढांचा विकासकर्ताओं की स्पष्ट रूप से आवश्यकता है। कोविड-19 से पुनर्प्राप्ति में इंजेक्शन के लिए तैयार किए गए खरबों डॉलर के साथ, अब सरकार और निजी क्षेत्र के लिए यह सही समय है कि वे विचार करें कि ये निवेश लचीले, हरित और न्यायसंगत कैसे हो सकते हैं।

कोविड-19 वैश्विक महामारी से उबरने की हमारी दौड़ में, हमें जोखिम के मौजूदा स्तर को कम करने और नए स्तर पैदा करने से बचने के लिए एक सुनहरा अवसर नहीं चूकना चाहिए। स्थिरता और लचीलापन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। निरंतर बुनियादी ढांचा उन लोगों के लचीलेपन को कम करता है जो इसके सुचारू कामकाज पर निर्भर हैं।

यह समय है जब हम इन महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करते हैं और खुद से पूछते हैं क्या हम लचीलापन या अप्रचलन में निवेश कर रहे हैं?

म्यांमार संकट में भारत की भूमिका

रवींद्र पाल सिंह
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

इस साल 1 फरवरी को म्यांमार की सेना (टाटमाडॉ) के राजनीतिक सत्ता संभालने और चुने हुए प्रतिनिधियों की गिरफ्तारी के परिणामस्वरूप, म्यांमार के लोग तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए हजारों की संख्या में निकले। सेना का दावा है कि इसने कथित चुनावी धोखाधड़ी के कारण 2008 के संविधान (सेना द्वारा लिखित) के आपातकालीन खंड के तहत सत्ता संभाली। हालांकि, चुनाव आयोग ने नवंबर 2020 के चुनावों को स्वतंत्र और बड़े पैमाने पर निष्पक्ष घोषित किया था।

जनमत की अदालत ने अपना फैसला स्वैच्छिक प्रदर्शनों के माध्यम से सुनाया, जो फरवरी की शुरुआत में लगभग 500 जीवन का दावा करते थे। लोगों के गुस्से से पता चलता है कि आंग सान सू की की अगुवाई वाली नेशनल लीग ऑफ डेमोक्रेसी (एनएलडी) को चुनावों में भारी सफलता मिली, उनके परिवार के सदस्यों के नाजायज धंधों को बचाने के लिए सेना के आरोप सत्ता पर काबिज होने के बहाने मात्र हैं। हालांकि, आपातकाल और सेना के अधिग्रहण को सही ठहराने के लिए सार्वजनिक अशांति या कानून-व्यवस्था के टूटने के मामले नहीं थे, लेकिन सेना प्रमुख, सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर लिया और उनकी जगह उनके कठपुतली उपराष्ट्रपति को नियुक्त किया, जिन्होंने आपातकाल की घोषणा की सत्ता लेने के लिए सेना के लिए। चुने गए प्रतिनिधियों को 1 फरवरी को पद की शपथ लेने से रोका गया था। जाहिर है, वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग और अन्य जनरलों द्वारा तख्तापलट सू की के खिलाफ नहीं बल्कि म्यांमार के लोगों के खिलाफ था।

तख्तापलट के परिणाम तब से सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों और सैनिकों द्वारा बेतरतीब गोलीबारी के माध्यम से खेले गए हैं, जिन्हें अपने मूल अधिकारों को आत्मसमर्पण करने के लिए आबादी को आतंकित करने और ज़बरदस्ती करने के लिए एक मुफ्त हाथ दिया गया है। 1962 में पहले सैन्य तख्तापलट से म्यांमार में राजनीतिक संघर्ष में तातामाव के बीज प्राप्त हुए। वर्षों में सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तनों के बाद, जनरलों ने 2008 के संविधान के तहत चुनाव की अनुमति दी। इसमें लगभग 35 प्रावधान थे जो केंद्र और प्रांतीय सरकार के स्तर पर सेना को राजनीतिक निर्णय लेने में प्रधानता रखने की अनुमति देते थे।

लगभग 35 प्रतिशत आबादी के साथ, म्यांमार के क्षेत्र के बड़े क्षेत्रों में लगभग 18 प्रमुख जातीय समुदायों का निवास था, बहुसंख्यक बारमार आबादी में इरावदी और साल्वेन नदियों के केंद्रीय उपजाऊ घाटियों का निवास था। 1960 के दशक के बाद से अल्पसंख्यकों ने आत्म-सुरक्षा के लिए अपने स्वयं के जातीय सशस्त्र संगठनों (ईएओ) को खड़ा किया, जिसने तातमाडव को राष्ट्रीय अखंडता के केंद्र चरण को धारण करने का औचित्य दिया। 2008 के संविधान ने सेना प्रमुख, सीनियर जनरल मिन आंग हलिंग के उम्मीदवारों द्वारा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय / राज्य दोनों संसदों में 25 प्रतिशत सीटों पर कब्जा करके इसे राजनीतिक अधिकार दिया। समय में, तातमाडॉ म्यांमार के लोगों के नहीं, जनरलों और कर्नलों के निजी व्यावसायिक हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए आया था।

तख्तापलट के बाद तेजी से सामने आई घटनाओं की ओर बढ़ते हुए, सैन्य लक्ष्य पर निर्वाचित विधायक देश छोड़कर भाग गए। विधायकों का एक समूह भूमिगत हो गया और खुद को सीआरपीएच, या (संसद) का प्रतिनिधित्व करने वाली समिति के रूप में संगठित किया। सैन्य, नागरिक विरोध को नियंत्रित करने के लिए, आम तौर पर मोबाइल फोन संचार और इंटरनेट को बंद करने की रणनीति का पालन किया गया है, बिना किसी परीक्षण के प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करने के लिए आपातकाल और मार्शल कानून की घोषणा, और प्रदर्शनकारियों की यादृच्छिक हत्याओं से सदमे और खौफ। देर से, इसकी रणनीति में एक बदलाव देखा गया है। इसने मुख्य ईएओ से प्रतिक्रियाओं को भड़काने के लिए जातीय गांवों पर बमबारी शुरू कर दी है। इसका लक्ष्य बहुसंख्यक बामर्स के रक्षक के रूप में सेना के हस्तक्षेप को सही ठहराना होगा।

म्यांमार में नागरिक समाज के लिए विकल्प क्या हैं, इसके चुने हुए नेताओं और ईएओ के साथ टाटमाडॉ द्वारा हमला किया जा रहा है? सैन्य नियंत्रण बनाए रखने के लिए इसका मुख्य तर्क यह है कि ईएओ म्यांमार को जातीय-क्षेत्रीय पहचान में विभाजित करना चाहते हैं।

अल जज़ीरा द्वारा 27 मार्च को साक्षात्कार में, एनएलडी विधायक सरसा (अब छिपने में) ने म्यांमार को स्थायी लोकतांत्रिक शांति और स्थिरता के रास्ते पर वापस लाने के लिए वैकल्पिक रणनीति प्रदान करने में वैश्विक मदद मांगी। यूएन स्पेशल रैपर्टॉरिटी टॉम एंड्रयूज, हालांकि, कोई वैकल्पिक समाधान देने में असमर्थ था। यूएन सचिव, अमेरिकी राष्ट्रपति, यूरोपीय संघ और आसियान देशों द्वारा असहायता और नाराजगी की एक समान अभिव्यक्ति की गई है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को म्यांमार में चल रही हिंसा का इलाज करने की आवश्यकता है, न कि एक संघर्ष समाधान मुद्दे पर बातचीत के लिए उपयुक्त, बल्कि दोषपूर्ण संविधान की समस्या के रूप में। यह दोष म्यांमार जनरलों द्वारा अपने हथियारों के बिंदु पर अपने लोगों के संप्रभु अधिकारों को स्थायी रूप से छीनने के लिए एक जानबूझकर डिजाइन है। इसलिए, भारत को एक पड़ोसी के रूप में, एक लोकतंत्र के रूप में और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य के रूप में क्या करना चाहिए? भले ही सरकार ने एक राजनीतिक दृष्टिकोण अपनाया हो, भारत के लोगों और मुक्त प्रेस को म्यांमार से भागे अशांत शरणार्थियों को लोकतांत्रिक शांति और मानवीय राहत बहाल करने के लिए कदम उठाना होगा।

आप की बात

बच्चों को खतरा

अभी हम देख रहे हैं कि कोरोन की रफ्तार दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। नए केसों में लगातार बढ़ोतरी होने से अलग-अलग जगहों पर कर्फ्यू लगाया गया है और कई नए तरीके के प्रतिबंध देखने को मिल रहे हैं। यह स्थिति बहुत ही भयावह हो रही है। ऐसे में हमें लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए खासकर कि यह जो नई लहर कोरोना की हमारे सामने आई है उससे बच्चे बहुत अधिक हद तक प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में बच्चों को सतर्कता बरतना बहुत जरूरी हो गया है। हम देख रहे हैं कि बहुत सारे लोग बिना मास्क लगाए ही बाजारों में घूम रहे हैं और सोशल डिस्टेंसिंग वह अन्य मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं ऐसे में स्थिति और भी भयानक होती जाएगी और संक्रमण की रफ्तार बहुत ही तेजी से बढ़ेगी। उनको देखकर बच्चे भी इन मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं जिस कारण से वह बहुत जल्द ही इस लहर की चपेट में आ रहे हैं और उनमें उनके लक्षण दिखाई देने पड़ रहे हैं। अगर ऐसी ही स्थिति रही तो हमारी बहुत प्रतिशत तक आबादी कोरोना संक्रमित हो जाएगी और फिर हमें बहुत जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में हम जागरूक रहें और औरों को भी जागरूक करें और बच्चों के प्रति खासतौर से जागरूकता फैलाएं।

– **सुदर्शन सोराड़ी**, नैनीताल

मतदाताओं का जवाब

बंगाल के साथ ही पांच राज्यों में चुनाव जारी है। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बना बंगाल परंपरागत रूप से चुनावी हिंसा की चपेट में है। पहले चरण से लेकर चौथे चरण तक जो हिंसा हुई है वह लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है। फिर भी लोगों की हिम्मत की दाद देना होगी कि उन्होंने जान की परवाह किए बिना बैलेट से ही बुलेट को उसकी हैसियत दिखा दी है। बंगाल के चुनाव कभी भी हिंसा से मुक्त नहीं रहे हैं। हर बार चुनावों में वहां बड़ी संख्या में लोग हिंसा के शिकार होते हैं जिसमें कुछ निर्दोष भी रहते हैं जिन्हें किसी दल या राजनीति से कुछ लेना देना नहीं होता है। ऐसी बेकसूर मौतों पर दुख होता है। अभी जारी चुनावों में हिंसा भी साथ साथ हो रही है। पहले चरण से ही इसकी शुरुआत हो चुकी है जो चौथे चरण में ज्यादा जाकर बड़े पैमाने पर हुई है। रिजर्व बल की तैनाती के बावजूद हिंसा होना बताता है कि हिंसा को किसी षड्यंत्र के जरिए अंजाम दिया जा रहा है। झड़पों में गोले, बंदूकों का प्रयोग गंभीर चिंता पैदा करता है ।सुरक्षा बलों पर हमला इस बात का प्रतीक है कि बंगाल में राजनीति का कितना अपराधीकरण हुआ है? बावजूद इसके जनता ने बुलेट को बैलेट से दबाया है।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

रिश्तों की बानगी

भारतीय जीवन पद्धति में रिश्तों का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है। हमारे समाज का ताना-बाना ही इस पर आश्रित है। बेहतर रिश्तो के लिए आपसी संबंधों में पारदर्शिता एवं लचीलापन होना आवश्यक है। आपसी विश्वास, इमानदारी, सहज एवं संतुलित व्यवहार से रिश्ते निखरते हैं। रिश्तो को मेंटेन करने में सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। सामान्यतया मुह बोले रिश्ते टिकाऊ साबित नहीं होते हैं। वर्तमान दौर में रिश्ते स्वार्थ पर आधारित होते जा रहे हैं। जीवन में अनेक रिश्ते होते हैं जिनके हम करीब होते हैं। सामान्य तया मनुष्य जन्म से लेकर मृत्यु तक अनेक रिश्तो के संपर्क में आता है जिनसे इंसान के खट्टे मीठे या आत्मीय संबंध बन जाते हैं। हर इंसान के जीवन के सबसे करीब माता पिता भाई बहन का रिश्ता होता है। युवा अवस्था में एवं विवाह उपरांत पत्नी एवं बच्चों से भी करीबी रिश्ता होता है। फिर निकटतम रिश्तेदार एवं मित्रों का नंबर आता है। रिश्तो में उतार-चढ़ाव आता है। उठापटक होती है। प्रयास होना चाहिए कि आपसी संबंधों में मनभेद की स्थिति ना होने पावे।

– **ललित महलकारी**, इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

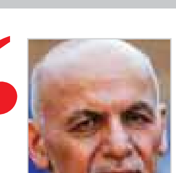

मैं तालिबान से पुन: लड़ाई और दुश्मनी छोड़कर स्थायी रूप से युद्धविराम स्वीकार करने का आह्वान करता हूं जो अफगानिस्तान की जनता की मांग है।

– **अशरफ ग़नी**
अफगानिस्तान के रारष्ट्रपति

मोदीनीत राजग सरकार के सातवें वर्ष की समाप्ति किस अंदाज में हुई : बढ़ती महंगाई, गिरता औद्योगिक उत्पादन, गिरता रुपया और डूबता शेयर बाजार।

– **पी चिदंबरम**
कांग्रेस नेता

अस्पतालों में जांच नहीं और बिस्तर नहीं, वेंटीलेटर और आक्सीजन नहीं और वैक्सीन भी नहीं, मगर सरकार टीका उत्सव मना रही है।

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

मरीजों को भर्ती करने में हीलाहवाली पर दर्ज होगा मुकदमा

मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी कमिश्नर, डीएम और सीएमओ को जारी किया आदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलों में कोरोना संक्रमितों को अस्पताल में भर्ती करने में हीलाहवाली करने को गंभीरता से लिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि डीएम और सीएमओ स्तर से भेजे जा रहे कोरोना संक्रमितों को अस्पताल में भर्ती करने में हीलाहवाली करने वालों के खिलाफ नियमानुसार महामारी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। इस बाबत चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी कमिश्नर, डीएम और सीएमओ को आदेश जारी कर दिए हैं।

सीएम योगी ने हाल ही में मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा महाविद्यालयों में आक्सीजन की किल्लत न होने पाए, इसलिए आक्सीजन प्लांट की स्थापना को लेकर जोर दिया था। उनके निर्देश पर प्रदेश के कई मेडिकल कॉलेजों और चिकित्सा महाविद्यालयों में आक्सीजन जेनरेशन प्लांट की स्थापना की गई है। इसके अलावा राजकीय मेडिकल कॉलेज सहारनपुर, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, बांदा और स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय फिरोजाबाद, अयोध्या, बस्ती, बहराइच में भी आक्सीजन प्लांट की स्थापना की जा रही है। इसके लिए चार दिन पहले ही चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रति मेडिकल कॉलेज और चिकित्सा महाविद्यालय को 14 लाख 37 हजार की धनराशि की दर से करीब एक करोड़ 15 लाख जारी कर दिए गए हैं। प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार ने बताया कि कोरोना संक्रमितों को तत्काल भर्ती कर उनकी जीवन रक्षा करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसे लेकर हीलाहवाली किसी भी सूरत में सहन नहीं की जाएगी।

प्रदेश में आठ राजकीय मेडिकल कॉलेजों और स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयों में आक्सीजन प्लांट की स्थापना की जा रही है। इसमें राज्य सरकार राजकीय मेडिकल कॉलेज आजमगढ़, बांदा और स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय अयोध्या, बस्ती, बहराइच में आक्सीजन प्लांट की स्थापना खुद करा रही है। जबकि राजकीय मेडिकल कॉलेज सहारनपुर, अंबेडकरनगर और स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय फिरोजाबाद में प्लांट की स्थापना केंद्र सरकार की नामित एजेंसी की ओर से किया जाएगा। आक्सीजन जेनरेटर प्लांट की स्थापना के लिए कक्ष का निर्माण संबंधित प्रधानाचार्य कराएंगे।

कोरोना के खिलाफ लड़ाई में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रणनीति का ही नतीजा है कि सरकार ने पहले ही गंभीर रोगियों के ईलाज के लिए पर्याप्त मात्रा में वेंटिलेटर, एचएफएनसी और बाईपैप सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में खरीदे हैं। फिलहाल 5000 से अधिक वेंटिलेटर, 1600 हाई फ्लो नसल कैनूला और 1000 बाईलेवल पॉजिटिव एयरवे प्रेशर उपलब्ध हैं। इसके अलावा निजी अस्पतालों में अतिरिक्त रूप से हैं। हालांकि सरकार की ओर से और जरूरत पड़ने पर बढ़ाने की तैयारी है।

हाईटेक व्यवस्था से कोरोना की जंग जीतने की रणनीति

लखनऊ। योगी सरकार के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) का कॉन्सेप्ट आज प्रदेश में कोविड मैनेजमेंट में कारगार साबित हो रहा है। पूरे प्रदेश में यह कमांड एंड कंट्रोल सेंटर कोरोना की जंग जीतने में काफी मदद कर रहे हैं। लखनऊ के स्मार्ट सिटी स्थित कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में भी एक कॉल पर कोरोना से संबंधित सुविधाओं और रोकथाम की जानकारी मिल रही है।

लखनऊ में बने कोविड को लेकर बनाए गए आइसीसीसी में आप 0522-4523000 पर फोन कर अपनी समस्या का समाधान जान सकते हैं। आइसीसीसी ऐसा हाइटेक इंतजाम हैए जिसके जरिए जिले के सभी अस्पतालोंए मौजूदा वेंटिलेटर्स, मौजूदा ऑक्सीजन बेड्स से लेकर सारी जानकारी उपलब्ध है। कोविड के रोकथाम को लेकर लखनऊ की सभी गतिविधियों की यहां मॉनिटरिंग की जा रही है। यह कमांड सेंटर होम आइसोलेशन और नॉन कोविड अस्पताल में भर्ती मरीज के कोरोना संक्रमित हो जाने पर उन्हें कोविड.19 अस्पताल में भर्ती करवाने में और बेहतर ढंग से उनकी मदद कर रहा है। लखनऊ में बने इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर की बात करें, तो यहां 24 घंटे मॉनिटरिंग की जा रही है। यही नहींए कोविड अस्पतालों में खाली और भरे बेड की सूचनाएं इकट्ठा की जाती हैं। इसका मकसद कोरोना संक्रमित मरीजों की कॉल आइसीसीसी को प्राप्त होने पर उसे तुरंत भर्ती करवाने का इंतजाम करवाया जाना है। अगर मरीज होम आइसोलेशन में है, तो भी इस कंट्रोल सेंटर के माध्यम से उनका फीडबैक अनिवार्य रूप से लिया जा रहा है। यही नहीं सुबह शाम डॉक्टर उसको फोन करके उसका हालचाल लेते हैं।

लखनऊ स्थित कॉल सेंटर में करीब 200 से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। आसानी से समझा जाएए, तो सबसे पहले यहां कॉल सेंटर में बैठे लोगों के पास कॉल आती है। जिसके बाद यह लोग समस्या को देखते हुए उसकी कॉल को निर्धारित चैंबर में ट्रांसफर कर देते हैं। यही नहींए सेंटर में लगी स्क्रीन पर लगातार मौजूद बेडों की संख्या, खाली बेड, आइसोलेशन बेडों की मॉनिटरिंग होती है। एंबुलेंस की मॉनिटरिंग की जा सके इसके लिए बकायदा एक चैंबर इसकी मॉनिटरिंग के लिए अलग से स्थापित है। ताकि किसी भी मरीज को किसी प्रकार की कोई समस्या न आ सके।

मरीजों से प्राप्त फीडबैक का पूरा रिकार्ड इस इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर में रखा जाएगा और फीडबैक के अनुसार अगर उसे अस्पताल में तुरंत भर्ती करने की जरूरत है, तो सेंटर की चिकित्सीय टीम तत्काल कॉल ट्रांसफर कर रही है। यही नहीं, अगर मरीज होम आइसोलेशन में है और उसकी हालत बिगड़ती है, तो कंट्रोल सेंटर तत्काल एंबुलेंस टीम और कोविड अस्पताल से समन्वय कर उसे भर्ती करवा रही है। लखनऊ में 40 के आसपास अस्पताल कोविड को लेकर तैयार किए गए हैं। जिनमें एसजीपीआई से लेकर केजीएमयू, इंट्रीगल तक शामिल हैं। पूरे लखनऊ में अगर बेडों की संख्या की बात करें, तो 13 अप्रैल तक आइसोलेशन बेड्स की संख्या 1671 जबकि एचडीयू-आईसीयू में बेडों की संख्या 2112 है। जिसे लगातार प्रदेश सरकार बढ़ा रही है।

गांव-गांव, गली-गली हो रहा सैनिटाइजेशन

लखनऊ। कोविड संक्रमण के बढ़ते प्रसार के बीच प्रदेश में स्वच्छता और सैनिटाइजेशन की मुहिम भी तेजी से चल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के सभी नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में साफसफाई और सैनिटाइजेशन का काम किया जा रहा है। अब तक लगभग 48611 राजस्व गांवों में गली गली ब्लीचिंग पाउडर, सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिड़काव किया गया है साथ ही फॉगिंग भी कराई जा रही है। नालियों की सफाई, कूड़ा प्रबंधन के अलावा आवश्यकतानुसार कीटनाशकों का भी छिड़काव हो रहा है। ग्राम्य विकास विभाग की निगरानी में करीब 66409 कर्मचारी इस विशेष अभियान में लगाये गए हैं। इस दौरान आमजनता को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। बीते सप्ताह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोविड प्रबन्धन की समीक्षा करते हुए स्वच्छता का विशेष अभियान शुरू करने के निर्देश दिए थे। ग्राम्य विकास और नगर विकास विभागों को इसे प्राथमिकता के साथ कराए जाने के लिए कहा गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अप्रैल से अगस्त तक का महीना कई तरह की संक्रामक बीमारियों के प्रसार का समय होता है। डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस तथा अन्य संक्रामक बीमारियों के मामले में अक्सर वृद्धि होती है। ऐसे में स्वच्छता और सैनिटाइजेशन जरूरी है। पिछले एक पखवाड़े में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई अभियान का तुरंत सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिलें हैं जबकि संचारी रोगों में काफी कमी दर्ज की गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर निर्देश दिए हैं कि स्वच्छता अभियान कोविड् ही नहीं बल्कि अन्य रोगों से लड़ने में एक हथियार से कम नहीं है।

अब तक किए गए कोविड के 3.75 करोड़ टेस्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि हर जनपद के गांव तथा शहर में क्वारेंटाईन सेन्टर बनाये जा रहे हैं। जहां पर प्रवासियों को इन सेन्टरों में रखा जायेगा। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक टेस्ट करके संक्रमित व्यक्ति को समुचित इलाज मिले।

उन्होंने बताया कि कोविड.19 के संक्रमण के दृष्टिगत टेस्ट अधिक से अधिक की जा रही है। प्रदेश में सर्विलांस का नया प्रयोग कर प्रत्येक परिवार तक पहुंच कर उनका हालचाल लेते हुए कोविड संक्रमण की जानकारी ली जा रही है। इस अभियान के तहत 15.63 करोड़ लोगों से संक्रमण की जानकारी ली गयी है तथा 3.75 करोड़ कोविड.19 के टेस्ट किये गये हैं। इतनी बड़ी संख्या में टेस्ट पूरे देश के किसी राज्य में नहीं हुए है। इस प्रकार सर्विलांस अभियान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश की 24 करोड़ जनसंख्या में से लगभग 19.38 करोड़ लोगों तक सरकारी मशीनरी पहुंची है। सर्विलांस के माध्यम से संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में सर्विलांस टीम के माध्यम से 2,03,413 क्षेत्रों में 5,34,246 टीम दिवस के माध्यम से 3,22,71,161 घरों के 15,63,94,254 जनसंख्या का सर्वेक्षण किया गया है। प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक आयु वालों का कोविड वैक्सीनेशन किया जा रहा है। अब तक 86,24,856 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी गयी तथा पहली डोज लेने वालों में से 14,26,472 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गयी हैं।

इस प्रकार कुल 1,00,51,328 वैक्सीन की डोज लगायी जा चुकी है। प्रसाद ने कहा कि सभी लोग से अपील है कि कोविड.19 के प्रोटोकाल का पूर्णत: पालन करे। घर से निकलने पर मास्क लगाकर ही निकले। मास्क न लगाना एक दण्डनीय अपराध है। जिस पर आप पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा कोविड संक्रमण के नियंत्रण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही है।

समाज कल्याण विभाग के प्रशिक्षण केन्द्रों से 63 प्रतिभागी सफल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाज कल्याण विभाग द्वारा समाज के कमजोर वर्गों के अभ्यर्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हेतु मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना छत्रपति शाहू जी महाराज शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान भागीदरी भवन लखनऊ आदर्श परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र लखनऊए प्रयागराज, अलीगढ़, आगरा, वाराणसी एवं हापुड़ में की गयी है। कोरोना संक्रमण के दृष्टिगत रखते प्रशिक्षण केन्द्रों में क्लास रूम प्रशिक्षण 2020-21 में प्रभावित रहा है। तथापि प्रशिक्षण केन्द्रों द्वारा आन लाइन मार्गदर्शन तथा प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। यह जानकारी देते हुए निदेशक समाज कल्याण राकेश कुमार ने देते हुए बताया कि प्रशिक्षण केन्द्र हापुड द्वारा एक अभिनव प्रयोग करते हुये सभी वर्गो के अभ्यर्थियों को मॉक साक्षात्कार हेतु आफ लाइन के साथसाथ आन लाइन प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन की सुविधा उपलब्ध करायी गयी है, जिसके परिणामस्वरूप पीसीएस परीक्षा 2020 में 63 विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल रहे है। उनमें उप जिलाधिकारी के पद पर 4 अभ्यर्थी तथा एआरटीओ के पद पर 3 अभ्यर्थी चयनित हुए। निदेशक समाज कल्याण ने बताया कि प्रशिक्षण केन्द्र हापुड द्वारा अभ्यर्थियों के मार्गदर्शन हेतु मॉक साक्षात्कार का आयोजन यूपी भवन दिल्ली, आगरा प्रयागराज तथा लखनऊ में भी आयोजित किया गया। इस कार्य में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना से जुड़े वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों का भी अपेक्षित सहयोग प्राप्त हुआ।

बढ़ते कोरोना संक्रमण के चलते हजरत गंज मे बंद दुकानें व पसरा सन्नाटा

भाजपा सरकार में न स्वास्थ्य की सुरक्षा और न ही जानमाल की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

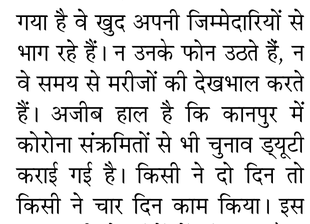

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की संवेदनहीनता से कोरोना महामारी का प्रकोप दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। लोग बेमौत मर रहे हैं, श्मशान घाटों में शवों की कतारें लग रही हैं। कोरोना के अलावा अन्य गम्भीर बीमारियों से जूझ रहे लोगों को भी इलाज नहीं मिल रहा है। अस्पतालों में भी बेड, दवाइयों का टोटा है। हर तरफ अव्यवस्था है और आपदा को अवसर बना जेब भरने में लगे सत्ता संरक्षितों के अलावा अपराधियों की भी पौ बारह हैं। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में न स्वास्थ्य की सुरक्षा है और नहीं जानमाल की। सरकार अपनी नाकामियों की वजह से दूसरों की जान जोखिम में अवश्य डाल रही है। अस्पतालों में आक्सीजन और वेंटीलेटर की भी कमी है। डाक्टर भी बड़ी संख्या में संक्रमित हो रहे हैं। इस बार व्यवस्था और उपचार के नाम पर शासन प्रशासन के हाथपांव फूले हैं। जिन्हें महामारी से बचाव तथा प्रबंधन का काम सौंपा गया है वे खुद अपनी जिम्मेदारियों से भाग रहे हैं। न उनके फोन उठते हैं, न वे समय से मरीजों की देखभाल करते हैं। अजीब हाल है कि कानपुर में कोरोना संक्रमितों से भी चुनाव ड्यूटी कराई गई है। किसी ने दो दिन तो किसी ने चार दिन काम किया। इस लापरवाही से गांवों में संक्रमण फैल रहा है। एक ही दिन में इटावा में विधायक समेत 19 लोग संक्रमित मिले है। मेरठ में जिला उद्यान अधिकारी सहित चार लोगों की मौत हुई। गोरखपुर में 10 मरे जबकि एक दिन में 572 नए केस मिले।

त्रासदी छिपाने में संसाधन लगाने के बजाए ठोस कदम उठाए सरकार: प्रियंका

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए बृहस्पतिवार को प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा और कहा कि त्रासदी छिपाने में अपना समय, संसाधन और ऊर्जा लगाने की बजाय योगी सरकार को संक्रमण फैलने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाना चाहिए। उन्होंने लखनऊ के एक श्मशान घाट का वीडियो साझा करते हुए ट्वीट किया किए उप्र की सरकार से एक निवेदन है कि अपना समय, संसाधन और ऊर्जा इस त्रासदी को छिपाने, दबाने में लगाना व्यर्थ है।

राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए होंगे 31 मई तक ऑनलाइन आवेदन

लखनऊ। राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए आवेदन पत्र 31 मई तक स्वीकार किये जायेगे। इस अवधि के मध्य राज्य अध्यापक पुरस्कार हेतु सभी जनपदों के अध्यापक अध्यापिका द्वारा अपना आवेदन पत्र आनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित प्रेरणा वेब पोर्टल-वेबासाइट पर सीधे भेजा जायेगा। इस बाबत बेसिक शिक्षा विभाग ने आवश्यक निर्देश जारी कर दिये है। जारी निर्देश के मुताबिक राज्य अध्यापक पुरस्कार हेतु महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा इससे सम्बन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं, दिशा.निर्देश एवं समय सारणी इत्यादि के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश जारी किये जायेगे। आनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदन पत्रों का अभिलेखीय आधार पर परीक्षण करते हुए सम्बन्धित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सत्यापन कराया जायेगा तथा इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखा जायेगा कि कोई भी अध्यापक आपराधिक पृष्ठभूमि का कदापि न हो। सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा इस आशय का प्रमाणपत्र कि सत्यापित किया गया कोई भी अध्यापक आपराधिक पृष्ठभूमि का नहीं है, भी उपलब्ध कराया जाये। आवेदन पत्रों पर विचार किये जाने हेतु जनपद अथवा मण्डल स्तर पर किसी समिति का गठन नहीं किया जायेगा, परन्तु इस सम्बन्ध में जनपदों से सत्यापनोपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार करने हेतु सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग की अध्यक्षता में राज्य चयन समिति का गठन किया गया है। जिसमें सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग अध्यक्ष, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा सदस्य, शिक्षा निदेशक बेसिक, सदस्य सचिव, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद सदस्य, संयुक्त शिक्षा निदेशक, शिविर कार्यालय, शिक्षा निदेशक बेसिक, उप्र लखनऊ गणेश कुमार, सदस्य, सम्बन्धित मण्डल के मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक, सदस्य, शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश स्तर पर एक विशेषज्ञ, सदस्य के रूप में नामित जायेगें।

मुख्यमंत्री योगी ने दिया ध्यान तो मनरेगा से मिला सहारा

● 14 दिनों में मनरेगा में काम पाने वाले ग्रामीणों की संख्या 7,27,477 बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से लोगों को बचाने के साथ ही सूबे की योगी सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना के तहत गांवों ग्रामीणों को रोजगार मुहैया कराने पर भी ध्यान दे रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि वर्तमान समय में सूबे के ग्रामीण इलाकों में रह रहे लोग कोरोना से बचने के लिए रोजगार की तलाश में शहर ना आएं। ग्रामीणों को उनके गांव में ही सरकार रोजगार मुहैया करायेगी। मुख्यमंत्री की इस मंशा को जानने के बाद अब गांव में जल संरक्षण संबंधी कार्य मनरेगा के तहत कराए जाने लगे हैं। दूसरे राज्यों से आए प्रवासियों को भी ग्राम पंचायतों में तालाब, सड़क, पटरी, नाली आदि की खुदाई के कार्य में रोजगार मुहैया कराया जा रहा है। सरकार के प्रयास के चलते ही अब हर दिन मनरेगा के तहत कराए जा रहे कार्यों में काम पाने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

ग्राम विकास विभाग के आंकड़ों के अनुसार गत 14 अप्रैल को सूबे के 74 जिलों में 9,51,583 ग्रामीण मनरेगा की विभिन्न योजनाओं में कार्य कर रहे थे। जबकि गत एक अप्रैल को मनरेगा की विभिन्न योजनाओं में कार्य करने वाले ग्रामीणों की सं या 2,24,106 थी। मात्र 14 दिनों में मनरेगा में कार्य करने वाले ग्रामीणों की सं या में 7,27,477 का इजाफा हुआ। इसके लेकर यह कहा जा रहा है कि ग्रामीणों को उनके गांवों के समीप ही रोजगार मुहैया कराने संबंधी प्रदेश सरकार की सोच के चलते मनरेगा में काम पाने वाले ग्रामीणों की सं या में इजाफा हुआ है। बीते साल भी जब कोरोना का संक्रमण शुरु हुआ था तब

भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर मनरेगा ग्रामीणों को रोजगार मुहैया कराने में सहारा बनी थी। बीते साल कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप के बाद बड़ी संख्या में शहरों से गांव पहुंचे मजदूरों को रोजगार देने के लिए योगी सरकार एक योजना लेकर आई थी। इसके तहत तालाब, चेक डैम के निर्माण के साथ नदियों की सफाई का काम बड़े पैमाने पर शुरू कर मजदूरों के लिए रोजगार पैदा किया गया था। तब केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइन के तहत प्रदेश सरकार ने यह फैसला किया था कि 20 अप्रैल के बाद राज्य में मनरेगा योजनान्तर्गत कन्टेनमेन्ट क्षेत्र के बाहर कई कार्य प्रार भ किए जाएंगे।

इस संबंध में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा एक आदेश जारी किया गया। इस आदेश में यह कहा गया था कि कोविड-19 के कारण बडी संख्या में शहरों से ग्रामीण परिवारों की वापसी हुई है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य दैनिक रोजगार परक गतिविधियों में संलग्न ग्रामीण परिवारों के समक्ष भी भरण पोषण की समस्या की संभावना उत्पन्न हुई है। ऐसे में शहरों से गांव वापस आये परिवार और गांव में रह रहे लोगों के परिवार यदि मनरेगा योजना के तहत कार्य करना चाहता है, तो उसे तत्कात जॉब कार्ड निर्गत कराया जाएगा। यदि शहर से लौटे किसी व्यक्ति का नाम परिवार के जॉबकार्ड मे नहीं है तो उसका नाम जॉब कार्ड में जोड़े जाने की तत्काल कार्यवाही की जायगी। इसी आदेश के तहत अब फिर से राज्य के हर जिले में ग्रामीणों को रोजगार मुहैया कराने के लिए जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को शुरु किया गया है। बाहर से गांव में आये लोगों के तथा मनरेगा योजनाओं में कार्य करने के इच्छुक लोगों के जॉबकार्ड बनाए जा रहे हैं। और जॉबकार्ड धारक ग्रामीणों को मनरेगा की विभिन्न योजनाओं में कार्य दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य के अधिकांश जिलों में बड़ी सं या में गांव-गांव में तालाब बनाए जा रहे हैं। बुंदेलखंड और विन्ध्य क्षेत्र में व्यक्तिगत एवं सामुदायिक सिंचाई कूपों का निर्माण के साथ चेकडैम एवं फार्म पांड का निर्माण कार्य किया जाने लगा है। कई जिलों में वर्षा जल संरक्षण हेतु भूगर्भ जल संचयन स्ट्रक्चरों का निर्माण कार्य हो रहा है। तालाबों की सिल्ट सफाई संबंधी कार्य में भी ग्रामीणों से कराया जा रहा है। इसके अलावा सिंचाई गुलों नहरों की सफाई से संबंधित कार्य के साथ वृक्षारोपण के लिए अग्रिम मृदा कार्य भी ग्राम रोजगार सेवकों की देख रेख में ग्रामीणों से करवाए जा रहें हैं। चारागाह विकास से स बन्धित कार्य भी करवाए जा रहे हैं। इसके अलावा कई छोटी नदियों के पुनरोद्धार संबंधी कार्य भी ग्रामीणों की मदद से जल्दी शुरु किए जाने की योजना है। इस कार्य में बड़ी सं या में ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा। फिलहाल मनरेगा में रोजगार मुहैया कराने संबंधी सरकार के प्रयास से ग्रामीणों को उनके घर के नजदीक रोजगार मिल रहा हैए जिसके चलते कोरोना संकट के इस समय में ग्रामीण अब शहर की ओर पलायन नहीं कर रहे हैं और सरकार के प्रयास से घर के नजदीक ही रोजगार पा रहे हैं।

महाराष्ट्र: 15 दिनों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या दोगुनी होने की आशंका: ठाकरे

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार को एक पत्र लिखकर कहा है कि राज्य में अगले 15 दिनों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या दोगुनी होने की आशंका है। ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पत्र में बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र में 30 अप्रैल तक उपचाराधीन मरीजों की संख्या 11.9 लाख होने की आशंका है। इस समय उपचाराधीन मरीजों की संख्या 5.64 लाख है। उन्होंने कहा कि राज्य में चिकित्सा ऑक्सीजन की आवश्यकता अप्रैल-अंत तक 2,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है जिसकी मौजूदा खपत।,200 मीट्रिक टन प्रतिदिन है।

पड़ोसी राज्यों से तरल चिकित्सा ऑक्सीजन के परिवहन में कुछ बाधाओं का हवाला देते हुए ठाकरे ने देश के पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों में इस्पात संयंत्रों से ऑक्सीजन को हवाई मार्ग से लाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अनुमति मांगी। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बुधवार को कहा था कि कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच महाराष्ट्र सरकार ने चिकित्सा ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए पड़ोसी राज्यों का रूख किया था, लेकिन उन्होंने वहां इसकी अधिक मांग के कारण आपूर्ति में असमर्थता व्यक्त की। मोदी को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने रेमडेसिविर के निर्यात पर प्रतिबंध संबंधी केन्द्र सरकार के निर्णय का स्वागत किया और मांग की कि अधिकारियों को भारतीय पेटेंट अधिनियम 1970 की धारा 92 के अनुसार, निर्यात इकाइयों को उत्पादन और बिक्री के लिए अनुमोदन प्रदान करने के लिए अनिवार्य लाइसेंस दिया जाए। उन्होंने केन्द्र से अनुरोध किया है कि वह कोविड-19 को प्राकृतिक आपदा माने जिससे सरकार राज्य प्राकृतिक आपदा कोष (एसडीआरएफ) का उपयोग प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता देने में करे। एक सरकारी अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य आपदा प्रबंधन अधिनियम का गठन केंद्रीय आपदा प्रबंधन कानून के हिस्से के तौर पर किया गया था, इसलिए महामारी प्रभावित लोगों की मदद के लिए एसडीआरएफ के उपयोग को लेकर राज्य को केंद्र सरकार की मंजूरी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने केंद्र को बुधवार को यह पत्र मंजूरी के लिए लिखा था। फिलहाल बाढ़, आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं, भारी बारिश के जहां जान-माल का नुकसान हुआ हो, प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में आते हैं और प्रभावित लोगों को आर्थिक मुआवजा उपलब्ध कराया जाता है।

अधिकारी ने कहा, मुख्यमंत्री ऐसे ही उद्देश्यों के लिए एसडीआरएफ का इस्तेमाल करना चाहते हैं क्योंकि कोरोना वायरस महामारी के कारण प्रदेश में हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है। हमें इसके लिए कानूनी प्रावधान की जरूरत है, इसलिए प्रदेश सरकार ने केंद्र को पत्र लिखा है। ठाकरे ने यह भी मांग की कि केंद्र बैंकों को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में छोटे, मध्यम और अन्य व्यावसायिक उद्यमों की ऋण किस्तों के पुनर्भुगतान को बिना कोई ब्याज लिए स्थगित करने के लिए कहे। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि बुधवार को महाराष्ट्र में कोविड-19 के 58,952 नए मामले सामने आए हैं जिससे संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 35,78,160 पहुंच गई जबकि 278 और मरीजों के महामारी से जान गंवाने के बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 58,804 हो गया है।

कोविड-19 को प्राकृतिक आपदा माना जाए, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का केंद्र से अनुरोध

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार को एक पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वह कोविड-19 को प्राकृतिक आपदा माने जिससे सरकार राज्य प्राकृतिक आपदा कोष (एसडीआरएफ) का उपयोग प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता देने में करे। एक सरकारी अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य आपदा प्रबंधन अधिनियम का गठन केंद्रीय आपदा प्रबंधन कानून के हिस्से के तौर पर किया गया था, इसलिए महामारी प्रभावित लोगों की मदद के लिए एसडीआरएफ के उपयोग को लेकर राज्य को केंद्र सरकार की मंजूरी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने केंद्र को बुधवार को यह पत्र मंजूरी के लिए लिखा था। फिलहाल बाढ़, आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं, भारी बारिश के जहां जान-माल का नुकसान हुआ हो, प्राकृतिक आपदा की श्रेणी में आते हैं और प्रभावित लोगों को आर्थिक मुआवजा उपलब्ध कराया जाता है। अधिकारी ने कहा, मुख्यमंत्री ऐसे ही उद्देश्यों के लिए एसडीआरएफ का इस्तेमाल करना चाहते हैं क्योंकि कोरोना वायरस महामारी के कारण प्रदेश में हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित हुई है। हमें इसके लिए कानूनी प्रावधान की जरूरत है, इसलिए प्रदेश सरकार ने केंद्र को पत्र लिखा है। प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि बुधवार को महाराष्ट्र में कोविड-19 के 58952 नए मामले सामने आए हैं जिससे संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 35,78,160 पहुंच गई जबकि 278 और मरीजों के महामारी से जान गंवाने के बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 58,804 हो गया है।

गिलानी के बारे में फर्जी सूचना फैलाने वाले अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

भाषा। श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी के बारे में फर्जी सूचना सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में जम्मू कश्मीर की बडगाम जिला पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। एक ट्वीटर खाते पर एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई थी जिसमें अलगाववादी नेता ने बच्चों की हत्या और धार्मिक स्थलों के अपमान के खिलाफ कथित रूप से आम बंद का आह्वान किया था। इस ट्वीटर हैंडल के बारे में दावा किया गया कि यह गिलानी का आधिकारिक ट्वीटर खाता है।

गिलानी द्वारा हस्ताक्षरित इस प्रेस विज्ञप्ति में पिछले शुक्रवार से चार मुठभेड़ों में मारे गए 12 आतंकवादियों का हवाला दिया गया था। इनमें से एक मुठभेड़ मस्जिद में हुई थी जिससे इस अभियान में मस्जिद को भारी क्षति पहुंची थी। बडगाम पुलिस के एक प्रवक्ता ने ट्वीट किया, सैयद अली शाह गिलानी के पारिवारिक सूत्रों के अनुसार यह ट्वीट फर्जी है और पाकिस्तान से किसी ने यह जारी किया है। हिंसा भड़काने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से जिन लोगों ने इसे प्रसारित किया है पुलिस उनके खिलाफ कार्वाई कर रही है। इस बीच कश्मीर संभाग के पुलिस महानिरीक्षक विजय कमार ने लोगों से कहा है कि सोशल मीडिया अफवाह पर ध्यान नहीं दें।

पटना में आईजीआईएमएस में कोविड-19 वैक्सीन की दूसरी खुराक लगवाते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

केरल में एसएफआई के छात्र कार्यकर्ता की चाकू मार कर हत्या कर दी गयी

भाषा। अलप्पुझा

जिले के पास पदायनीवट्टोम में बुधवार की रात मंदिर उत्सव के दौरान 15 साल के एक लड़के की चाकू मार कर कथित तौर पर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। परिवार के सूत्रों ने बताया कि स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के छात्र कार्यकर्ता, अभिमन्यु की विशु की रात करीब 10 बजे चाकू मार कर कथित तौर पर आरएसएस सदस्यों ने हत्या कर दी। पुलिस ने पीटीआई-भाषा को बताया, हमने मामले में आरोपी, स्थानीय निवासी सजय दत्त के भाई और पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। आरोपी को अभी नहीं पकड़ा जा सका है, उसकी तलाश जारी है।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने 10वीं के छात्र, अभिमन्यु की हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शित करने के लिए वल्लीकुन्नम इलाके में हड़ताल बुलाई है। वह राज्य में जारी 10वीं की परीक्षा में शामिल होने वाला था। परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि हमलावर उसके बड़े भाई, डीवाईएफआई कार्यकर्ता की तलाश में आए थे लेकिन अभिमन्यु पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। अभिमन्यु के पिता अंबिली कुमार ने कहा, वह मेरा दूसरा बेटा है। उसकी मां की एक साल पहले मौत हो गई थी। वह महज 15 साल का था। वह स्कूल में एसएफआई का कार्यकर्ता हो सकता है क्योंकि वह एक वामपंथी परिवार से था। मुझे समझ नहीं आता कि उसकी हत्या क्यों की गई। चरूमूद इलाके के माकपा के सचिव बी इनु ने मीडिया से कहा कि यह सोच समझकर की गई हत्या है। उन्होंने कहा, वह एसएफआई कार्यकर्ता था।

PUBLIC NOTICE

Be it known to general public in large that my client's Smt. Raj Kumari W/o.Shri. Ajay Kumar & Shri. Ajay Kumar S/o.Sh.Ram Chander both resident of 105-T, Sector-4, DIZ Area,Baba Kharak Singh Marg, Gole Market, New Delhi-110001. have disowned/debarred from all their moveable / immovable property and also seperated all relation's with his son namely Jitender Kumar S/o.Sh.Ajay Kumar R/o. 105-T, Sector-4,DIZ Area,Baba Kharag Singh Marg, Gole Market, New Delhi-110001
If Anybody deals with his/her shall do so at his own/their risk. My client's shall not be responsible for any kind of their acts.
Deshraj (Advocate)
Enrolment No.D/1327/95

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that my client Neetu Saini is the owner of plot of land area measuring 125 sq. yds. comprising of Khewat/Khata No. 600/640, Mustatil No. 32, Killa No. 19(8-0), area measuring 125 sq. yds. waka mauja Kadipur, Swarswati Enclave, Sub -Teshil Kapdipur, Gurgaon Haryana, having acquired the same vide Sale Deed dated 14/9/18 (Doc. No. 3508), whereas she has lost the previous title deed dated 14/12/1999 (Doc. No. 11242), Now she is in process to sell it off.
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned.
Kamal Kant Gupta (Advocate)
Shop No. 5 & 6, Pkt-E, CSC, Mayur Vihar-II, Delhi-91 Ph: 9810063351

PUBLIC NOTICE

It is to inform to the public at large that **Mr. Sanjay Bhagat** S/o Mr. Shankar Bhagat who is purchasing the **Build-UP Property Bearing Plot No. D-1/58-A, Land area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 11/8. Situated in the Revenue Estate of Village Matiala, Delhi State Delhi, Colony Known as Mansa Ram Park in Block-D-1, Najafgrah Road New Delhi-110059,** from **Mrs. Sunita Rani** W/o Mr. Narender Singh owner vide of Regd. General Power of Attorney dated 11.12.2002, as Regd. No. 88953, Book No. 4, Vol. No. 8739, Page No. 121-122, Dated 11.12.2002, SRO-Delhi, executed by **Mr. Rajeev Jain** S/o Mr. Pawan Kumar Jain, along with Agreement to sell & Regd. Will and same to be finance & mortgage by **Vastu Housing Finance Corporation Ltd.** If any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within **7 days** from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc. **Lucem Legal LLP**
269, Rama House, Ground Floor, Masjid Moth ,Opp. Uday Park, South Ext.II, New Delhi-49, Contact #011-40046316

क्विक न्यूज

भारतीय सेना ने गलती से एलओसी पार चले आए नागरिक को पाकिस्तान भेजा

जम्मू। भारतीय सेना के अधिकारियों ने बताया कि गलती से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर भारत की तरफ चले आए शख्स को मानवीय आधार पर बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) वापस भेज दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना ने गुलाम कादिर को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में पुंछ-रावलकोट पार केंद्र पर पीओके में अधिकारियों को सौंप दिया। अधिकारियों ने कहा कि पीओके के निकिअल इलाके के धिम गांव के निवासी कादिर को नियंत्रण रेखा पर बने पार बिंदु (क्रॉसिंग प्वॉइंट) पर बृहस्पतिवार को 11 बजकर 55 मिनट पर अधिकारियों को सौंपा गया। उन्होंने बताया कि गलती से 11 अप्रैल को भारत मे घुस आए कादिर को मानवीय आधार पर वापस भेजा गया।

पित्ताशय की सर्जरी के बाद शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी दी गई

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार को ब्रीच कैंडी अस्पताल मे पित्ताशय की सर्जरी के बाद बृहस्पतिवार को छुट्टी दे दी गई। पार्टी के प्रवक्ता नवाब मलिक ने यह जानकारी दी। पवार (80) की सोमवार को लैप्रोस्कोपिक सर्जरी की गई थी। मलिक ने बताया, पवार को कुछ समय पहले अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि पवार कुछ दिन घर पर विश्राम करेंगे। इससे पहले 30 मार्च को राकांपा अध्यक्ष की पित्त वाहिका से एक पथरी निकालने के लिए अस्पताल मे आपातकालीन एंडोस्कोपी की गई थी। पवार की पार्टी महाराष्ट्र मे शिवसेना और कांग्रेस के साथ गठबंधन सरकार में शामिल है।

निर्यात न किए गए रेमडेसिविर इंजेक्शनों के इस्तेमाल की अनुमति दी जाए : टोपे ने केंद्र से कहा

मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने केंद्र से अनुरोध किया है कि प्रतिबंध के बाद विदेशो को न भेजे गए रेमडेसिविर इंजेक्शनो के भंडार को घरेलू बाजार मे वितरित करने की अनुमति दी जानी चाहिए जिससे कि दवा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतराल को पाटा जा सके। कोविड-19 के मामलो मे अचानक वृद्धि के चलते भारत ने रेमडेसिविर इंजेक्शनो के निर्यात पर रविवार को प्रतिबंध लगा दिया था और कहा था कि देश मे स्थिति सुधरने तक यह प्रतिबंध जारी रहेगा। रेमडेसिविर कोविड-19 के गंभीर रोगियो के इलाज के लिए अन्वेषणात्मक पद्धति के रूप मे सूचीबद्ध है। टोपे ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने केंद्र से अनुरोध किया है कि रेमडेसिविर के जिस भंडार का निर्यात किया जाना था, उसे घरेलू बाजार मे वितरित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। इससे दवा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतराल को भरा जा सकेगा। मंत्री ने कहा कि उन्होने कोविड-19 के रोगियो के उपचार में लगे सभी डॉक्टरों से विवेकपूर्ण ढंग से रेमडेसिविर का इस्तेमाल करने को कहा है।

कर्नाटक के मंत्री ने रेमडेसिविर की कालाबाजारी करने वालों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी

हुमनाबाद (कर्नाटक)। कोविड-19 के इलाज के लिए महत्वपूर्ण इंजेक्शन रेमडेसिविर की कालाबाजारी की खबरों पर कर्नाटक के गृह मंत्री बासवराज बोम्मई ने बृहस्पतिवार को इस दवा की कृत्रिम कमी पैदा करने वालो के खिलाफ सख्त कार्वाई की चेतावनी दी। उन्होंने संवाददाताओ से कहा, कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री पहले ही कह चुके है कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की राज्य मे कोई कमी नही है, लेकिन राज्य में इसकी झूठी कमी पैदा की जा रही है। बोम्मई ने कहा कि ऐसी खबरें है कि अत्यधिक कीमतो पर यह इंजेक्शन बेची जा रही है। उन्होने कहा, सरकार ने इस विषय को गंभीरता से लिया है और इस दवा की कृत्रिम कमी पैदा कर रहे और इसकी कालाबाजारी कर रहे लोगो के खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य मे कोविड-19 के टीकों की कोई कमी नही है।

कोरोना संक्रमित कांग्रेस प्रत्याशी की कोलकाता के अस्पताल में मौत

कोलकाता। कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद यहां एक अस्पताल में भर्ती कराए गए कांग्रेस प्रत्याशी रिजाउल हक की बृहस्पतिवार सुबह मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने यह जानकारी दी। मुर्शिदाबाद जिले की शमशेरगंज विधानसभा सीट से उम्मीदवार हक (46) को सांस लेने में तकलीफ के बाद बुधवार को पहले तो जांगीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रात में हालत बिगड़ने के बाद उन्हें कोलकाता के अस्पताल में रेफर कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि आज सुबह पांच बजे के आस-पास उन्होंने दम तोड़ दिया।

भाजपा विधायक ने उठाया मप्र में ऑक्सीजन की कमी का मुद्दा

भाषा। भोपाल

भाजपा के वरिष्ठ विधायक अजय विश्नोई ने कोविड-19 महामारी के बीच मध्य प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का इस ओर ध्यान आकर्षित किया और राज्य में इसका उचित इस्तेमाल करने को कहा। इसक साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कोविड-19 की लड़ाई में राज्य सरकार नौकरशाहों को तरजीह दे रही है। विश्नोई ने ट्वीट किया, मध्य प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी है, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी। कृपया ध्यान दें। अप्रैल के प्रथम सप्ताह में महाराष्ट्र में 50,000 मरीज थे और ऑक्सीजन 457 मीट्रिक टन खर्च हुआ। वहीं, मध्यप्रदेश में 5,000 मरीजों पर 732 मीट्रिक टन ऑक्सीजन खर्च क्यों हुआ?

विश्नोई (68) प्रदेश के पूर्व मंत्री रह चुके हैं और वह चौथी बार विधायक हैं। उनसे इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जीवन रक्षक ऑक्सीजन की बर्बादी को मध्य प्रदेश में रोका जाना चाहिए। जबलपुर जिले के पाटन विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधित्व एवं खुद भी अस्पताल चलाने वाले विश्नोई ने दावा किया कि ऑक्सीजन की बर्बादी हो रही है और जब मरीज खाना खा रहा होता है, उस वक्त भी ऑक्सीजन को बंद नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए मध्य प्रदेश में जनप्रतिनिधियों को भी विश्वास में लिया जाना चाहिए। विश्नोई ने आरोप लगाया कि कोविड-19 की लड़ाई में राज्य सरकार नौकरशाहों को तरजीह दे रही है और जमीनी स्तर से जुड़े लोगों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को कोरोना वायरस की जमीनी हकीकत को जानने के लिए सप्ताह में कम से कम एक बार जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करनी चाहिए, ताकि इससे लड़ने का उचित समाधान निकाला जा सके।

गत्ते के पलंग से तैयार हो रहा 7,000 बिस्तरों का कोविड देखभाल केंद्र

भाषा। इंदौर

कोविड-19 की दूसरी लहर के घातक प्रकोप के बीच यहां प्रशासन 7,000 बिस्तरों की क्षमता वाला कोविड देखभाल केंद्र शुरू करने में जुटा है। खास बात यह है कि यह केंद्र गत्ते के उन पलंगों (बिस्तरों) से तैयार किया जा रहा है, जिन्हें इस्तेमाल के बाद आसानी से नष्ट किया जा सकता है। जिलाधिकारी मनीष सिंह ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को बताया कि खंडवा रोड के एक सामुदायिक सत्संग परिसर में गत्ते से बने पलंगों से कोविड देखभाल केंद्र तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया, "हालांकि, पहले चरण में यह केंद्र 500 बिस्तरों के साथ शुरू होगा। लेकिन जरूरत पड़ने पर इसमें बिस्तरों की तादाद बढ़ाकर 7,000 की जा सकती है। अधिकारियों ने बताया कि कोविड देखभाल केंद्र में खासकर बिना लक्षण वाले उन मरीजों को संक्रमणमुक्त होने तक रखा जाएगा जिनके घर छोटे होने के कारण वे पृथक-वास में नहीं रह सकते। उन्होंने बताया कि कोविड देखभाल केंद्र में मरीजों को कमोबेश वैसी ही चिकित्सा और नर्सिंग सुविधाएं मिलेंगी जो किसी अस्पताल में मिलती हैं। गौरतलब है कि इंदौर, राज्य में कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित जिला है जो संक्रमितों की तादाद में भारी वृद्धि के चलते इन दिनों अस्पतालों में बिस्तरों, मेडिकल ऑक्सीजन, रेमडेसिविर दवा और अन्य जरूरी संसाधनों की कमी से जूझ रहा है। इस बीच, परोपकार के लिए मशहूर फिल्म अभिनेता सोनू सूद इंदौर की मदद के लिए आगे आए हैं। सोशल मीडिया पर बृहस्पतिवार को वायरल वीडियो में सूद कहते सुनाई पड़ रहे हैं कि वह शहर के संक्रमितों के लिए 10 ऑक्सीजन जेनरेटर भेज रहे हैं। यह मशीन हवा से खुद ही ऑक्सीजन अलग कर लेती है। अधिकारियों ने बताया कि इंदौर जिले में 24 मार्च 2020 से लेकर अब तक महामारी के कुल 84,290 मरीज मिले हैं। इनमें से 1,023 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है।

कोरोना वायरस से संक्रमित महानिर्वाणी अखाड़े के महामंडलेश्वर का निधन

देहरादून। देहरादून के एक निजी अस्पताल में मध्य प्रदेश के महानिर्वाणी अखाड़े से जुड़े महामंडलेश्वर कपिल देव का निधन हो गया। उन्हें कोविड-19 के उपचार के लिए भर्ती किया गया था। देहरादून की शहर पुलिस अधीक्षक सरिता डोभाल ने बताया कि महामंडलेश्वर का 13 अप्रैल को निधन हो गया। हरिद्वार के सीएमओ शम्भू कुमार झा ने बताया कि महामंडलेश्वर मध्य प्रदेश से महाकुंभ मेले में शाही स्नान करने के लिए हरिद्वार आए थे।

CSB Bank
Formerly The Catholic Syrian Bank Ltd.
पालम शाखा, पता : आरजैड 11-डी, यादव टावर्स, पालम मेट्रो स्टेशन गेट नंबर 3 के सामने, पूरन नगर, पालम कालोनी, साउथ वेस्ट दिल्ली, नई दिल्ली-110045

स्वर्ण नीलामी सूचना

सीएसबी बैंक लिमिटेड, पालम शाखा ने निम्नवर्णित कर्जदार/कर्जदारों को स्वर्ण आभूषणों के बंधक के एवज स्वर्ण ऋण प्रदान किया था। उनको सूचना जारी की गई थी, जिसमें उनसे राशि और उस पर ब्याज तथा प्रभारों को चुकाने की मांग की गई थी। चूंकि वे संबंधित खाता/खातों में बकाया राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं, हम सार्वजनिक नीलामी में स्वर्ण आभूषणों की बिक्री द्वारा राशि वसूल करने हेतु बाध्य हैं और यदि नीलामी से अपेक्षित राशि वसूल नहीं होती है, तो बैंक प्राइवेट ट्रीटीज/कॉन्ट्रैक्ट द्वारा बिक्री की कार्यवाही करेगा। बैंक का, बिना कोई कारण बताए, नीलामी की तिथि और स्थान आगे बढ़ाने/बदलने का अधिकार सुरक्षित है।

क्र. सं.	कर्जदार का नाम	बंधक आइटम्स का सकल भार (ग्राम में)	अतिदेय स्वर्ण ऋण खाता नंबर	राशि	बकाया राशि (14-02-2021 तक)
1	मंजू रावत	19.64	0459-04185195-000001	67500	64971
2	कबीर बग्गा	59.84	0459-04224772-000001	206000	217196
3	दीपिका अरोड़ा	705.44	0459-03123514-000002	2500000	2478193
4	दीपिका अरोड़ा	115.84	0459-03123514-000003	210000	217215
5	विकी	195.7	0459-07292149-000001	710000	716287
6	मधु	266.31	0459-07311891-000001	931000	933888
7	नीतू वर्मा	306.13	0459-07315467-000002	11,50,000	1,101,255.50

नीलामी सीएसबी बैंक लिमिटेड, पालम शाखा के आरजैड 11-डी, यादव टावर्स, पालम मेट्रो स्टेशन गेट नंबर 3 के सामने, पूरन नगर, पालम कालोनी, साउथ वेस्ट दिल्ली, नई दिल्ली-110045 स्थित परिसर में 23-04-2021 को आयोजित की जाएगी। इच्छुक पार्टियां शाखा प्रबंधक से उपरोक्त पते पर सम्पर्क कर सकती हैं। प्रतिभागी को नीलामी की तिथि को नीलामी में पैन कार्ड की प्रति, पासपोर्ट आकार की फोटो, वैध पहचान प्रमाण और पता प्रमाण के साथ भाग लेना चाहिए।
स्थान : पालम
तिथि : 15-04-2021
शाखा प्रबंधक

कोविड-19 से निपटने के लिए दीर्घकालिक प्रबंधों की जरूरत है : नितिन गडकरी

भाषा। नागपुर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने देश में कोविड-19 की स्थिति को अत्यंत गंभीर करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि महामारी से निपटने के लिए दीर्घकालिक प्रबंधों की जरूरत है। गडकरी ने यहां राष्ट्रीय कैंसर केंद्र में 100 बिस्तर के निजी कोविड-19 देखभाल केंद्र का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। इस अवसर पर भाजपा नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस भी मौजूद थे। गडकरी ने महामारी से निपटने के लिए दीर्घकालिक प्रबंधों की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, स्थिति अत्यंत गंभीर है और कोई नहीं जानता कि यह कब तक रहेगी। लोगों को सर्वश्रेष्ठ के लिए सोचना चाहिए, लेकिन सबसे खराब के लिए तैयार रहना चाहिए। नागपुर से सांसद गडकरी ने भिलाई से यहां के अस्पतालों के लिए 40 टन ऑक्सीजन की आपूर्ति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एम्स नागपुर में 300 बिस्तर और जोड़े जा रहे हैं तथा अस्पताल के लिए विशाखापत्तनम से ऑक्सीजन की आपूर्ति हो रही है। गडकरी ने विशाखापत्तनम के मेडिकल डिवाइसेज पार्क से एक हजार वेंटिलेटर जुटाए जाने के बारे में भी जानकारी दी जो नागपुर के अस्पतालों को उपलब्ध कराए जाएंगे। रेमडेसिविर की कमी के बारे में गडकरी ने कहा कि देश में केवल चार दवा कंपनियों के पास ही कोविड-19 रोधी इस दवा का निर्माण करने का लाइसेंस है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने बुधवार को इस दवा के निर्माण के लिए आठ और कंपनियों को अनुमति दे दी जिससे रेमडेसिविर की कमी का समाधान हो जाएगा। फडणवीस ने कहा कि नागपुर में बड़ी संख्या में महामारी के मामले सामने आ रहे हैं जिससे अस्पतालों में बिस्तरों, दवाओं और ऑक्सीजन के भंडार की कमी हो गई है।

नकली रेमडेसिविर बेचने के संदेह में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया, 400 शीशियां बरामद

भाषा। इंदौर (मप्र)

नकली रेमडेसिविर बेचने के संदेह में पुलिस ने इंदौर में दवा कारोबार से जुड़े एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार को हिरासत में लिया और उसके कब्जे से इस दवा का लेबल लगी 400 शीशियां बरामद कीं। पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) मनीष कपूरिया ने संवाददाताओं को बताया कि रेमडेसिविर की कालाबाजारी को लेकर मुखबिर से मिली सूचना पर हिरासत में लिए गए व्यक्ति की पहचान विनय त्रिवेदी के रूप में हुई है।

कपूरिया ने बताया कि इस व्यक्ति के कब्जे से 16 पैकेट मिले जिनमें से प्रत्एक में संदिग्ध दवा की 25 शीशियां थीं। इन शीशियों पर रेमडेसिविर का लेबल लगा था। उन्होंने बताया कि शुरुआती पूछताछ में त्रिवेदी ने दावा किया कि वह हिमाचल प्रदेश के किसी संयंत्र से संदिग्ध दवा लाया है। लेकिन वह इस बारे में कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। उन्होंने बताया, हम त्रिवेदी के कब्जे से मिली संदिग्ध दवा के नमूने की प्रयोगशाला में जांच कराएंगे। लेकिन एक औषधि निरीक्षक ने पहली नजर में इसके रेमडेसिविर होने पर संदेह जताया है। डीआईजी ने बताया कि त्रिवेदी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जा रहा है। मामले की विस्तृत जांच कर पता लगाया जाएगा कि वह संदिग्ध रेमडेसिविर की खेप कहां से लाया था और क्या उसने इसे स्थानीय स्तर पर बेचा है? इस बीच, पुलिस की अपराध निरोधक शाखा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) गुरुप्रसाद पाराशर ने बताया कि त्रिवेदी दवा कारोबार से जुड़ा है।

SALE NOTICE

The under mentioned Assets will be sold through auction on **"AS IS WHERE IS BASIS"** and **"AS IS WHAT IS BASIS"** for recovery of dues as per court orders, in the following cases:-

Case Details	Asset Details	Reserve Price	EMD
ICICI Bank Limited vs Neha, Case No-OA/1603/2018	Vehicle No-CH01BK7426, Make and Model-HYUNDAI CRETA 1.6 VTVT SX PLUS, Manu Yr-2016	780000	78000
ICICI Bank Limited vs Rajdeep Singh, Case No-RC NO. 1125/2017	Vehicle No-PB65X0313, Make and Model-MITSUBISHI PAJERO, Manu Yr-2014	850000	85000
ICICI Bank Limited vs Hygiene Feeds & Farms Private Limited, Case No-OA/1525/2019	Vehicle No-HR67B4552, Make and Model-EICHER 20.16, Manu Yr-2016	520000	52000
ICICI Bank Limited vs Vijay Singh, Case No-OA/1563/2019	Vehicle No-HR66B9521, Make and Model-BHART BENZ 3128C, Manu Yr-2017	1000000	100000
ICICI Bank Limited vs Vijay Singh, Case No-OA/1563/2019	Vehicle No-HR66B7217, Make and Model-TATA LPK 1618, Manu Yr-2017	1000000	100000
ICICI Bank Limited vs Hygiene Feeds & Farms Private Limited, Case No-OA/1525/2019	Vehicle No-HR67B2864., Make and Model-EICHER 10.59, Manu Yr-2014	110000	11000
ICICI Bank Limited vs Hygiene Feeds & Farms Private Limited, Case No-OA/1525/2019	Vehicle No-HR67B3014., Make and Model-EICHER 10.59, Manu Yr-2014	120000	12000
ICICI Bank Limited vs Hygiene Feeds & Farms Private Limited, Case No-OA/1525/2019	Vehicle No-HR67B5755., Make and Model-EICHER 10.59, Manu Yr-2014	100000	10000
ICICI Bank Limited vs Niroz Insulations Private Limited, Case No-O.A. NO. 902 OF 2018	Vehicle No-100149357, Make and Model-JCB JS 205 LC, Manu Yr-2017	2450000	245000
ICICI Bank Limited vs Munna Lal Kumawat, Case No-OA 656 OF 2018	Vehicle No-RJ32PA0653, Make and Model-TATA LPO 1618, Manu Yr-2017	1195000	119500
ICICI Bank Limited vs Niroz Insulations Private Limited, Case No-O.A. NO. 902 OF 2018	Vehicle No-RJ20GB5360, Make and Model-AL 2518, Manu Yr-2018	1225000	122500

Auction Date : 01.05.2021 from 11 am to 2 pm
Place of auction : https://auctions.cardekho.com/
EMD: DD/PO of EMD amount to be made in favour of ICICI Bank Limited payable at Delhi.
Manager: Mr. Rajeev Ranjan (8584874809)/ Mr. Jitendra. Kumar (7304914763)
Terms of Sale
The particulars of the said asset specified herein above have been stated to the best of the information and knowledge of the undersigned, who shall however not be responsible for any error, misstatement or omission in the said particulars. The interested participant/s are therefore requested, in their own interest, to satisfy himself / themselves/ itself with regard to the said asset and other relevant details pertaining to it before submitting the bids. All bidders are required to submit original DD/PO of EMD amount along with self-attested KYC proofs to participate in the online auction on or before April 30, 2021.
The intending bidders may call us for details and inspection of the said hypothecated vehicles.

जनरल बिपिन रावत ने चीन के साथ गतिरोध पर कहा

भारत किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा

भाषा। नई दिल्ली

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत ने पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध का जिक्र करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारत उत्तरी सीमाओं पर यथास्थिति को बदलने के प्रयासों को रोकने के क्रम में मजबूती से खड़ा रहा और साबित कर दिया कि वह किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगा।

जनरल रावत ने यहां रायसीना संवाद में अपने संबोधन में कहा कि चीन ने सोचा कि वह थोड़ी सी ताकत दिखाकर अपनी मांगें मनवाने के लिए राष्ट्रों को विवश करने में सफल रहेगा क्योंकि उसके पास प्रौद्योगिकीय लाभ की वजह से श्रेष्ठ सशस्त्र बल हैं। उन्होंने कहा, लेकिन मुझे लगता है कि भारत उत्तरी सीमाओं पर मजबूती से खड़ा रहा और हमने साबित कर दिया कि हम झुकेंगे नहीं। सीडीएस ने कहा कि क्षेत्र में यथास्थिति को बदलने के प्रयासों को रोकने में मजबूती से खड़ा होकर भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन प्राप्त करने में सफल रहा। रावत ने कहा, उन्होंने (चीन) यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि वे शक्ति का इस्तेमाल किए बिना विध्वंसक प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल कर यथास्थिति को बदल देंगे...उन्होंने सोचा कि भारत, एक राष्ट्र के रूप में, उनके द्वारा बनाए जा रहे दबाव के आगे झुक जाएगा क्योंकि उनके पास प्रौद्योगिकीय लाभ हैं। जनरल रावत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह कहने के लिए भारत का सहयोग करने आ गया कि हां एक अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था है जिसका हर देश को पालन करना चाहिए। यह वह चीज है जो हम हासिल करने में सफल रहे हैं। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में कई क्षेत्रों में पिछले साल मई के शुरू से सैन्य गतिरोध बना हुआ है जिससे द्विपक्षीय संबंध बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सिलसिलेवार कूटनीतिक और सैन्य वार्ताओं के बाद भारत और चीन ने गत फरवरी में पैंगोंग झील के उत्तरी और दक्षिणी छोर क्षेत्रों से अपने-अपने सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली थी। दोनों पक्ष अब अन्य क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी के लिए बात कर रहे हैं। जनरल रावत ने कहा, उन्होंने (चीन) सोचा कि वे आ गए हैं क्योंकि उनके पास प्रौद्योगिकी लाभ की वजह से एक श्रेष्ठ सशस्त्र बल है। रावत ने कहा, वे (चीन) विध्वंसक प्रौद्योगिकी बनाने में सफल रहे हैं जो प्रतिद्वंद्वी की प्रणालियों को पंगु बना सकती है और इसीलिए उन्हें लगता है कि वे थोड़ी सी ताकत दिखाकर अपनी मांगें मनवाने के लिए राष्ट्रों को विवश करने में सफल हो सकते हैं। सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण का जिक्र करते हुए रावत ने कहा कि अमेरिका के एफ-35 विमान अत्याधुनिक विमान हैं, लेकिन वह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि भारत के साथ अमेरिका इसकी प्रौद्योगिकी साझा करेगा।

मालदा में विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में रोड शो के दौरान केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी

गगनयान मिशन में सहयोग के लिए बेंगलुरु में करार

भारत-फ्रांस ने समझौते पर किए हस्ताक्षर

भाषा। नई दिल्ली, बेंगलुरु

भारत के पहले मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान में सहयोग के लिए इसरो और फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसी ने बृहस्पतिवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसरो के मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएसएफसी) और फ्रांस की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी सीएनईएस के बीच मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम, विशेषकर अंतरिक्ष औषधि के क्षेत्र में विशेषज्ञता साझा करने संबंधी यह समझौता बेंगलुरु में हुआ। समझौते की घोषणा भारत यात्रा पर आए फ्रांस के विदेश मंत्री ज्यां इव लि द्रीयां के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के बेंगलुरु स्थित मुख्यालय के दौरे के दौरान की गई। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि द्रीयां ने इस दौरान भारतीय अंतरिक्ष विभाग के सचिव एवं इसरो के अध्यक्ष के. सिवन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की। इसने कहा कि मंत्री को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की गाथा तथा उपलब्धियों और हाल में भारत सरकार द्वारा घोषित किए गए अंतरिक्ष सुधारों के बारे में जानकारी दी गई। मंत्री ने अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ एचएसएफसी का दौरा भी किया जहां उन्हें पूर्ण आकार के क्रू मॉड्यूल सहित गगनयान के विवरण से अवगत कराया गया। बयान में कहा गया कि मंत्री के साथ भारत में फ्रांस के राजदूत एवं वाणिज्य महादूत तथा अन्य अधिकारी भी थे। इसरो ने फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसी सेंटर नेशनल डी इट्यूड्स स्पेतियल्स (सीएनईएस) से गगनयान मिशन में मदद करने और इस कार्य में इसके एकल यूरोपीय सहयोगी के रूप में सेवा देने को कहा है। फ्रांस की अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि समझौते के तहत सीएनईएस भारत के फ्लाइट फिजीशियन और सीएपीसीओएम मिशन नियंत्रण टीमों को सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण एप्लीकेशन्स के विकास के लिए फ्रांस में सीएडीएमओएस केंद्र में तथा अंतरिक्ष अभियानों के लिए सीएनईएस के ताउलेस अंतरिक्ष केंद्र में तथा जर्मनी के कोलोग्ने स्थित यूरोपीय अंतरिक्षयात्री केंद्र (ईएसी) में प्रशिक्षण देगा। समझौते के तहत सीएनईएस, इस मिशन के दौरान वैज्ञानिक प्रयोग योजना के क्रियान्वयन, भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा फ्रांसीसी उपकरणों, उपभोज्य वस्तुओं और चिकित्सा उपकरणों का इस्तेमाल किए जाने जैसी चीजों में सहयोग करेगा। सीएनईएस द्वारा विकसित फ्रांसीसी उपकरण परीक्षणों में खरे उतर चुके हैं और ए अब भी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) में काम कर रहे हैं तथा ए भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के काम आएंगे। इसने कहा कि सीएनईएस फ्रांस निर्मित अग्निरोधी बैग भी उपलबध कराएगा।

जजों के खिलाफ कुछ आरोप झूठे निकले: सुप्रीम कोर्ट

भाषा। नई दिल्ली

शीर्ष न्यायालय ने कहा, अगर सुरक्षा नहीं हो तो आप किसी न्यायाधीश को आसानी से बाहर कर सकते हैं

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि न्यायाधीशों के खिलाफ लगाए गए कुछ आरोप इतने झूठे निकले हैं कि अगर कार्यकाल के दौरान संरक्षण प्राप्त नहीं हो तो आसानी से उन्हें बाहर निकाला जा सकता है। शीर्ष अदालत ने लंबित मामलों का बोझ कम करने के लिए उच्च न्यायालयों में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए दो या ज्यादा वर्षों के निर्धारित कार्यकाल की पैरवी की। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली विशेष पीठ ने कहा, न्यायाधीशों के पद को सुरक्षित करना होगा। मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमने न्यायाधीशों के खिलाफ लगाए गए आरोप देखे हैं जो झूठे निकले। हां, हैरान करने वाली बात है कि उनमें से कुछ आरोप पूरी तरह झूठे थे। अगर सुरक्षा नहीं हो तो आप किसी न्यायाधीश को आसानी से बाहर कर सकते हैं। तदर्थ न्यायाधीशों

के लिए कार्यकाल में सुरक्षा होनी चाहिए। इस पीठ में न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सूर्य कांत भी थे। पीठ गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) लोक प्रहरी द्वारा दाखिल याचिका पर तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर दलीलें सुन रही थी। एनजीओ ने लंबित मामलों का बोझ घटाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 224 ए के तहत उच्च न्यायालयों में अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति का अनुरोध किया है। न्यायालय ने इस याचिका पर सुनवाई पूरी करते हुए कहा कि इस पर निर्णय बाद में सुनाया जाएगा। संविधान का अनुच्छेद 224 ए कहता है, किसी भी राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से अदालत के किसी न्यायाधीश या किसी अन्य उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को उस राज्य के उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के तौर पर काम करने के लिए कह सकते हैं। न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि वह प्रधान न्यायाधीश की राय से सहमति रखते हैं कि जब भी न्यायाधीशों की नियुक्ति होती है, ओछी शिकायतें की जाती है और अदालत तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति की समूची व्यवस्था को सवालिया घेरे में नहीं ला सकती। पीठ ने कहा, तदर्थ न्यायाधीश कमजोर निशाना नहीं हो सकते। शीर्ष अदालत ने मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह और कुछ अन्य वकीलों की उन दलीलों को भी खारिज कर दिया कि कई पूर्व न्यायाधीश पद संभालने के लिए इच्छुक नहीं होंगे क्योंकि मध्यस्थता जैसे आकर्षक क्षेत्रों में उनकी ज्यादा दिलचस्पी हो सकती है। पीठ ने कहा, हमें लगता है कि यह फैसला पूर्व न्यायाधीशों पर ही छोड़ देना चाहिए। हम उनपर फैसला नहीं कर सकते। प्रधान न्यायाधीश तदर्थ न्यायाधीश के तौर पर नियुक्ति के पहले निश्चित तौर पर अवकाशप्राप्त न्यायाधीशों के साथ चर्चा करेंगे। अगर अवकाशप्राप्त न्यायाधीशों को लगेगा कि उनके लिए कुछ और बेहतर अवसर हैं तो वे नियुक्ति को ना कह सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने आठ अप्रैल को लंबित मामलों का बोझ घटाने के लिए उच्च न्यायालयों में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए व्यवस्था तय करने की हिमायत की थी।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एमआर शाह के स्टाफ के सभी सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एम आर शाह ने बृहस्पतिवार को बताया कि उनके आधिकारिक आवास पर स्टाफ के सभी सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और हालात भयावह हो रहे हैं। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में शामिल रहे न्यायमूर्ति शाह ने इस बात की जानकारी दी और दोपहर के भोजन के निर्धारित समय से पहले ही उठ गए। दो बजे जब पीठ दोबारा बैठी तो न्यायमूर्ति से उनके आवास पर लोगों के हालचाल के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, भगवान का शुक्र है कि मैं ठीक हूं। मैं पूरी तरह ठीक हूं। हां, हालात भयावह होते जा रहे हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने, जिन मामलों की सुनवाई चल रही थी, उन्हें छोड़कर अन्य मामलों की सुनवाई स्थगित कर दी और कहा कि चूंकि शाह अपने आवास पर चीजों को संभालने में व्यस्त हैं, लिहाजा न्यायालय एक मामले पर सुनवाई करेगी।

जलवायु परिवर्तन से निपटने संबंधी प्रौद्योगिकी पर भारत-अमेरिका मिलकर कर सकते हैं काम

भाषा। नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन के विशेष जलवायु दूत जॉन केरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के वास्ते नए ईंधन और नई प्रौद्योगिकियां ढूंढ़ने के लिए भारत और अमेरिका मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि समूचे भारत में 2030 तक 450 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की मौजूदगी की गति तेज करने के लिए दोनों देश एक भागीदारी करेंगे।

रायसीना संवाद के छठे संस्करण में केरी ने कहा कि पेरिस समझौते से जुड़ी जिम्मेदारियों और इससे भी अधिक दायित्व निभाने के वास्ते काम करने के लिए भारत में एक जोश है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। केरी ने कहा, मुझे लगता है कि नए ईंधन, नई प्रौद्योगिकयां... ढूंढ़ने के लिए हमारी कुछ पहलों को अंजाम देने के लिए दो महान लोकतंत्रों के पास मिलकर काम करने का अवसर है। बैठक में वर्चुअल रूप से शामिल हुए केरी ने कहा कि यदि भारत और अमेरिका मिलकर काम करते हैं तो यह आगे की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा कि 22 और 23 अप्रैल को राष्ट्रपति जो. बाइडन का आगामी वर्चुअल जलवायु सम्मेलन अमेरिका द्वारा कुछ साबित करने का प्रयास नहीं है।

केरी ने कहा, यह जानते हुए कि हम सात महीने बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी वार्ता करने जा रहे हैं, राष्ट्रपति विश्वभर में देशों की उठती महत्वाकांक्षाओं की प्रक्रिया में मदद करना चाहते हैं और इस शिखर सम्मेलन का यही कारण है। बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित विश्व के 40 नेताओं को 22-23 अप्रैल को होने जा रहे वर्चुअल शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया है। भारत 2022 तक 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तथा 2030 तक 450 गीगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य हासिल करने के उद्देश्य के साथ सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा कार्यक्रमों में से एक पर काम कर रहा है।

नंबी नारायणन ने न्यायालय के आदेश की सराहना की

भाषा। तिरुवनंतपुरम

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व वैज्ञानिक नंबी नारायणन ने 1994 के जासूसी मामले में पुलिस अधिकारियों की भूमिका के संबंध में एक उच्चस्तरीय समिति की रिपोर्ट सीबीआई को सौंपने तथा केंद्रीय जांच एजेंसी को मामले में आगे की जांच करने का निर्देश देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का बृहस्पतिवार को स्वागत किया।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जासूसी मामले में नारायणन को पूर्व में क्लीन चिट दे दी थी। पूर्व वैज्ञानिक ने यहां मीडिया से कहा कि केंद्रीय अन्वेषण एजेंसी के पड़ताल पूरी करने और उस रिपोर्ट (उच्चस्तरीय समिति की) के आधार पर कार्वाई होने के बाद न्याय हो जाएगा। उनकी टिप्पणी शीर्ष अदालत के आदेश के चंद घंटों के बाद आई। इससे पहले आज उच्चतम न्यायालय ने संबंधित मामले में दोषी पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर उच्चस्तरीय समिति की रिपोर्ट सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया तथा एजेंसी को मामले में आगे और जांच करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि सीबीआई समिति के निष्कर्षों को प्रारंभिक जांच का हिस्सा मान सकती है। न्यायालय ने एजेंसी को तीन माह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। नारायणन ने शीर्ष अदालत के आदेश पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, मैं फैसले का स्वागत करता हूं...यह एक प्रगति हुई है। उन्होंने दोहराया कि उनके खिलाफ जासूसी का समूचा मामला गढ़ा गया था।

नारायणन ने कहा, यह एक गढ़ा गया अपराध था। सीबीआई की समापन रिपोर्ट में भी यह कहा गया था, तत्कालीन सीजेएम अदालत ने इसे स्वीकार किया था और यह 29 अप्रैल 1998 के उच्चतम न्यायालय के पहले निर्णय में भी रेखांकित किया गया था और फिर सितंबर 2018 के निर्णय में भी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी यही कहा था और अब प्रयास यह पता करने का है कि मामला किसने गढ़ा था। इस बीच, भाजपा ने शीर्ष अदालत के फैसले का स्वागत किया और कहा कि सीबीआई जांच में कांग्रेस की गुटीय राजनीति का सच सामने आ जाएगा। केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन ने एक ट्वीट में कहा, इसरो जासूसी मामला सीबीआई को सौंपने के माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश का स्वागत करता हूं। उम्मीद है कि इससे सामने आएगा कि केरल कांग्रेस की गुटीय राजनीति ने किस तरह राष्ट्रीय हितों को क्षति पहुंचाई और किस तरह देशभक्त वैज्ञानिक नंबी नारायणन जी का जीवन तबाह कर दिया। उल्लेखनीय है कि इस मामले में नारायणन को शीर्ष अदालत ने बरी करने के साथ ही 50 लाख रुपए का मुआवाजा भी दिलवाया था। केंद्र ने पांच अप्रैल को, शीर्ष अदालत का रुख कर समिति की रिपोर्ट पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था और इसे राष्ट्रीय मुद्दा बताया था। शीर्ष अदालत ने 14 सितंबर, 2018 को केरल सरकार को नारायणन को 50 लाख रुपए बतौर मुआवजा देने का निर्देश देने के साथ ही इस समिति की नियुक्ति की थी।

जासूसी का यह मामला 1994 का था जो दो वैज्ञानिकों और मालदीव की दो महिलाओं सहित चार अन्य द्वारा भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम पर कुछ गोपनीय दस्तावेजों को दूसरे देशों को दिए जाने के आरोपों से जुड़ा था। वैज्ञानिक नंबी नारायण को उस वक्त गिरफ्तार किया गया था जब केरल में कांग्रेस की सरकार थी। नारायणन उस समय इसरो में क्रायोजेनिक परियोजना के तत्कालीन निदेशक थे।

केंद्र सरकार के कार्यक्रम की धीमी गति से हर्षवर्धन खफा

नई दिल्ली। देशी नस्ल की गायों पर केंद्र के कार्यक्रम की गति से नाखुश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने अधिकारियों को मिशन की प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह तिमाही आधार पर कार्यक्रम की समीक्षा करेंगे। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के प्राध्यापक वीरेंद्र कुमार ने इस बारे में जानकारी दी। वह भारत में देशी नस्ल की गायों के पंचगव्य पर अनुसंधान संवर्द्धन के जरिए इसके वैज्ञानिक उपयोग कार्यक्रम के संयोजक हैं। उन्होंने बताया कि मंत्री ने मंगलवार को वीडियो के कांफ्रेंस माध्यम से एक बैठक की। कुमार ने बताया, एक संक्षिप्त नोटिस पर यह बैठक बुलाई गई थी। मंत्री इसकी (मिशन की) प्रगति को लेकर नाराज हैं। उन्होंने परियोजना का हिस्सा रहे अधिकारियों को भी बदल दिया और अन्य से मिशन का कार्य तेज गति से करने को कहा। उन्होंने बताया, मंत्री खुद तिमाही आधार पर प्रगति की समीक्षा करेंगे। गौरतलब है कि 2017 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गोमूत्र सहित अन्य पंचगव्य पर वैज्ञानिक वैधता वाले अनुसंधान के लिए एक समिति गठित की थी।

न्यायालय ने केंद्र से कॉलेजियम के भेजे नामों को मंजूरी देने के लिए तर्कसंगत समयसीमा बताने को कहा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को केंद्र से कहा कि वह उसे एक तर्कसंगत समयसीमा बताए जिसके अंदर वह शीर्ष अदालत के कॉलेजियम द्वारा न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए की गई सिफारिशों पर कार्वाई कर सकता है। सरकार ने कहा कि वह मेमोरेंडम ऑफ प्रोसीजर (एमओपी) में तय समयसीमा का पालन करेगी। सरकार ने नामों को मंजूरी देने में देरी के लिए सिफारिशें समय पर नहीं भेजने के मामले में उच्च न्यायालयों को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि इनमें से कई ने मौजूदा रिक्त पदों के संदर्भ में पिछले पांच साल में नाम नहीं भेजे हैं। शीर्ष अदालत ने संकेत दिया कि कॉलेजियम ने 10 नामों की सिफारिश की थी जो सरकार के पास डेढ़ साल से लंबित हैं और इन नामों को कब तक मंजूरी मिलने की उम्मीद की जा सकती है? अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार इन 10 नामों पर तीन महीने के अंदर फैसला करेगी। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल तथा न्यायमूर्ति सूर्यकांत की विशेष पीठ ने वेणुगोपाल से कहा, उच्च न्यायालयों का विषय आप हम पर छोड़िए। भारत के उच्चतम न्यायालय के तौर पर हम उच्च न्यायालयों को देख लेंगे और उनसे रिक्तियों से छह महीने पहले सिफारिश करने को कहेंगे। आप हमें तय तर्कसंगत समयसीमा क्यों नहीं बता सकते जिसमें आप कॉलेजियम द्वारा भेजे गए नामों पर कार्वाई कर सकते हैं। वेणुगोपाल ने कहा कि सरकार एमओपी में तय समयसीमा का सख्ती से पालन करेगी। एमओपी में उच्च न्यायालय के कॉलेजियम, उच्चतम न्यायालय के कॉलेजियम और सरकार के लिए समयसीमा का उल्लेख होता है। उन्होंने कहा, एमओपी में प्रधानमंत्री के लिए कोई समयसीमा नहीं होती और प्रधानमंत्री कार्यालय से फाइल को मंजूरी मिलने के बाद उसे मंजूरी के लिए राष्ट्रपति को भेजा जाता है। जब पीठ ने पूछा कि क्या एमओपी में समयसीमा दी गई है तो वेणुगोपाल ने कहा, हां, 1998 के एमओपी में विभिन्न शाखाओं के लिए समयसीमा निर्धारित हैं।

पेज 1 का शेष

कोरोना पर...

आदि जाने में किसी को परेशान नहीं किया जाएगा। शादियों के लिए भी कर्फ्यू पास जारी किए जाएंगे। आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोग कर्फ्यू पास के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्हें जल्द से जल्द बिना परेशानी पास दिए जाएंगे।

भारत में...

आए हैं। संक्रमण के मामलों में लगातार 36वें दिन वृद्धि हुई है। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 14,71,877 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 10.46 प्रतिशत है जबकि स्वस्थ होने वाले लोगों की दर गिरकर 88.31 प्रतिशत रह गई है।

किसी विशेष...

है। ऑक्सीजन बेड भी बढ़ाने के प्रयास कर रहे हैं। सरकार की कोशिश है कि कोरोना से संक्रमित प्रत्येक व्यक्ति को दिल्ली के किसी न किसी अस्पताल में बेड मिलना चाहिए, चाहे वह सरकारी हो या प्राइवेट। सीएम केजरीवाल ने मीडिया से निवेदन करते हुए कहा कि जब आप यह दिखाते हैं कि इन-इन अस्पतालों के अंदर बेड खत्म हो गए, तो ऐसा होना संभव है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दिल्ली के अंदर बेड की किल्लत है।

नोएडा, गाजियाबाद...

की जाएंगी। इसके लिए एक बार फिर अलग से कार्यक्रम जारी किया जाएगा। पंचायत चुनाव को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने अलग से दिशा-निर्देश दिए कि पंचायत चुनाव में संलग्नकर्मी को की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। कोविड-19 प्रोटोकॉल का सख्ती से अनुपालन करवाया जाए। मतदान कर्मियों के लिए मास्कए ग्लव्स सैनिटाइजर और दूसरी सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही हुई तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए विभिन्न राज्यों से प्रवासी श्रमिकों की वापसी संभावित है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी जनपदों में कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुरूप वारंटिंग सेंटर संचालित किए जाएं। इन सेंटरों में चिकित्सा सुविधाओं के साथ साथ भोजन और सोने का व्यवस्था की जाए। कोरोना से बचाव के लिए ऑक्सीजन की उपलब्धता पर सतत नजर रखी जाए। राज्य के किसी भी जिले में ऑक्सीजन की कमी नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री कार्यालय में अब प्रतिदिन इसकी समीक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी जनपद के किसी भी अस्पताल में आवश्यक चीजों का अभाव नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा टेस्टिंग कार्य पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जाए। प्रदेश में स्थित केंद्रीय संस्थानों की प्रयोगशालाओं में उपलब्ध आरटी-पीसीआर क्षमता का उपयोग किया जाए। राज्य में आरटी-पीसीआर के टेस्ट की संख्या तत्काल बढ़ाई जाए।

बंगाल में...

चरणों को एक चरण में संपन्न कराया जा सकता है। दिल्ली में निर्वाचन आयोग के एक प्रवक्ता ने सवालों के जवाब में कहा कि इन चरणों को एक साथ करने की कोई योजना नहीं है। इस तरह की अटकलें हैं कि शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा बुलाई गयी सर्वदलीय बैठक में कुछ राजनीतिक दल इस विषय को उठा सकते हैं। आयोग ने यह सुनिश्चित करने के लिए बैठक बुलाई है कि राजनीतिक दलों के नेता प्रचार के दौरान उसके द्वारा जारी कोविड-19 दिशा-निर्देशों का पालन करें। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने ट्वीट में कहा कि इस तरह के कदम के बारे में फैसला जनहित को देखते हुए लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि महामारी के प्रकोप के बीच, पश्चिम बंगाल में आठ चरण में चुनाव कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले का हमने कड़ा विरोध किया। कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब आयोग से मेरा अनुरोध है कि आगामी सभी चरण एक ही बार में करवा लिए जाएं। बनर्जी ने कहा कि इससे, अब आगे लोगों को कोविड-19 की चपेट में आने से बचाया जा सकेगा। आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि 17 अप्रैल को होने जा रहे पांचवे चरण के चुनाव के लिए बंदोबस्त पहले ही किए जा चुके हैं। सोशल मीडिया पर कई लोग यह चर्चा कर रहे हैं कि क्या चुनाव के अगले तीन चरण एक ही बार में करवा लेने चाहिए।

भाजपा के...

उन्हें आदर्श आचार संहिता लागू होने के दौरान सार्वजनिक टिप्पणी करते समय इस तरह के बयान देने से परहेज करने की सलाह दी। पाबंदी 15 अप्रैल के शाम सात बजे से 16 अप्रैल के शाम सात बजे तक प्रभावी होगी। इस दौरान घोष प्रचार नहीं कर पाएंगे। आयोग ने मंगलवार को घोष के कथित बयान के लिए उन्हें नोटिस जारी किया था। कूच बिहार जिले के सीतलकूची में मतदान के दौरान केंद्रीय बलों की गोलीबारी में चार लोगों की मौत के बाद घोष ने यह टिप्पणी की थी। तृणमूल कांग्रेस ने घोष के बयान के खिलाफ निर्वाचन आयोग का रुख किया था। नोटिस में घोष की कथित टिप्पणी का जिक्र किया गया है, अगर कोई हद पार करेगा तो आपने सीतलकूची में देख लिया कि क्या हुआ। कई जगहों पर सीतलकूची जैसी घटना होगी।

विमानों में...

सीट खाली छोड़कर सामाजिक दूरी के पालन से संक्रमण के अतिरिक्त खतरे को कम किया जा सकता है। पिछले साल हावर्ड में एक अध्ययन में जिसमें अमेरिकी एयरलाइंस इंडस्ट्रीज भी उसका भाग था, इसमें दावा किया गया था प्लेन में वेंटीलेशन और दूसरे मानकों का ख्याल रखने पर कोविड-19 के एक्सपोजर को कम किया जा सकता है।

कुंभ में...

की पैड़ी ब्रह्मकुंड में समय की कमी के चलते अखाड़ों के साधुओं और संन्यासियों को कोविड से बचाव के दिशा-निर्देशों का पालन करवाने में असफल रही। 14 अप्रैल को मेष संक्रांति के शाही स्नान के पहले साधु संत आरटी-पीसीआर जांच के लिए तैयार नहीं हुए। हालांकि, अखाड़ों सहित कुंभ क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर जांच और टीकाकरण अभियान में अब आने वाले दिनों में तेजी आने की संभावना है।

नोएडा में...

यहां आईटी आईटीईएस पार्क का निर्माण करेगी। कंपनी को अथॉरिटी ने 55,000 वर्ग मीटर जमीन का भूखंड आवंटित किया है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर 30,000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने कहा कि इस भूखंड आवंटन योजना के तहत बाकी जिन 10 कंपनियों को जमीन दी गई है, उनमें मोबाइल फोन, टेलीविजन, वाशिंग मशीन, लैपटॉप, एयर कंडीशनर, होम टैक्सटाइल, फर्नीचर, हैंडीक्राफ्ट, माउथ फ्रेशनर, पान मसाला, मिठाई और नमकीन, चीनी का खाद्य प्रसंस्करण, पशु आहार, पेपर प्रोडक्ट और रेडीमेड गारमेंट्स का उत्पादन किया जाएगा। इस आवंटन से नोएडा अथॉरिटी को 344 करोड रुपए का राजस्व प्राप्त होगा। नोएडा क्षेत्र में लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। प्रोजेक्ट रिपोर्ट के मुताबिक 48,500 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इन परियोजनाओं से शहर में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

गंगजी की जापान में निराशाजनक शुरूआत

नागोया (जापान)। भारतीय गोल्फर राहिल गंगजी ने गुरूवार को जापान गोल्फ टूर के सत्र के शुरूआती टोकन होममेट कप के पहले दौर में पांच ओवर 77 का कार्ड खेलकर निराशाजनक शुरूआत की। यह टूर्नामेंट कोविड-19 के कड़े प्रोटोकॉल के कारण दर्शकों के बिना खेला जा रहा है। पिछले महीने तक भारत में घरेलू टूर में खेल रहे गंगजी दो हफ्ते पृथकवास के बाद टूर से जुड़े। रयोसुके किनोशिता छह अंडर 65 के बोगी फ्री कार्ड से एकल बढ़त बनाए हैं। उन्होंने मिकिया अकुत्सु, तोमोहिरो इशिजाका और शिंतारो कोबायिशि पर एक शॉट की बढ़त बनाई हुई है जिन्होंने 66 के कार्ड खेले। गंगजी शुरू में ही मुश्किल में फंस गए, उन्होंने 11वें होल में बोगी के बाद 12वें होल में ट्रिपल बोगी कर दी। वह तीन होल तक चार ओवर पर थे। इसके बाद उन्होंने 15वें होल में बर्डी की और 18वें में बोगी कर दी। तीसरे होल में वह बर्डी करने में सफल रहे लेकिन सातवें होल में फिर एक शॉट ड्राप कर बैठे।

विश्वनाथन आनंद के पिता का निधन

चेन्नई। पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद के पिता के विश्वनाथन का बीमारी के बाद यहां गुरूवार को निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि उन्होंने शहर के एक अस्पताल में आखिरी सांस ली। दक्षिण रेलवे के पूर्व महाप्रबंधक विश्वनाथन के दो बेटे और एक बेटी हे। आनंद की पत्नी अरूणा ने कहा कि आनंद का उन्होंने काफी साथ दिया। उन्होंने आनंद की विश्व चैम्पियनशिप में सारी जीत देखी। उन्होंने अपने बेटे को अच्छे संस्कार दिए और आनंद की उपलब्धियों पर उन्हें गर्व था।

अदिति ने सत्र की सर्वश्रेष्ठ शुरुआत की

कापोलेई (अमेरिका)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने लोटे चैंपियनशिप के पहले दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर के साथ 2021 एलपीजीए सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। साल के अपनी पांचवीं प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही अदिति ने इस साल पहली बार अंडर 70 का स्कोर बनाया। दसवें होल से शुरुआत करने वाली अदिति ने चार बर्डी की लेकिन वह एक बोगी भी कर गई जिससे उनका स्कोर तीन अंडर रहा। अदिति ने 2021 में इससे पहले सभी चार टूर्नामेंट में कट हासिल किया है। ब्रिटेनी अल्टोमेयर और फिलिपिना युका सासो दोनों 64 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रही हैं।

मैनचेस्टर सिटी चैम्पियंस लीग सेमीफाइनल में

डॉर्टमंड। पेप गार्डियोला की मैनचेस्टर सिटी ने चैम्पियंस लीग क्वार्टर फाइनल में हार का क्रम तोड़ते हुए बोरूशिया डॉर्टमंड को औसत के आधार पर 4-2 से हराकर चैम्पियंस लीग फुटबॉल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।। मैनचेस्टर सिटी ने बुधवार को खेले गए मैच में 2-1 से जीत दर्ज की। गार्डियोला के कोच रहते सिटी पांचवें प्रयास में अंतिम चार में पहुंची है। अब उसका सामना पेरिस सेंट जर्मेन से होगा जिसने बायर्न म्युनिख को हराया।

रीयल मैड्रिड भी अंतिम चार में

लिवरपूल। जिनेदीन जिदान के मार्गदर्शन में रीयल मैड्रिड ने शानदार वापसी करते हुए लिवरपूल को हराकर चैम्पियंस लीग फुटबॉल के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। लिवरपूल के कोच जर्गेन क्लॉप के नाम सत्र में कोई खिताब नहीं रहा। रिकॉर्ड 13 बार की यूरोपीय चैम्पियन मैड्रिड का सामना सेमीफाइनल में चेलसी से होगा। लिवरपूल को 2018 फाइनल में हराकर लगातार तीसरी बार यूरोपीय कप जीतने के बाद मैड्रिड पहली बार अंतिम चार में पहुंची है। जिदान ने कहा कि हम मिलकर आगे बढ रहे हैं और यह टीम हमेशा ऐसा करती है। बतौर कोच 2018 फाइनल में मिली जीत जिदान के पहले कार्यकाल का आखिरी मैच था लेकिन टीम का प्रदर्शन खराब होने पर उन्हें 2019 में फिर कोच बनाया गया। इस सत्र में हालांकि कुछ समय पहले तक नतीजे अनुकूल नहीं थे। ला लिगा में जनवरी में एटलेटिको मैड्रिड से दस अंक से पिछड़ी उनकी टीम अब सिर्फ एक अंक पीछे है।

दक्षिण अफीकी महिला टीम को मिला इनाम

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम को पिछले महीने भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर दो द्विपक्षीय श्रृंखला जीतने के लिए पांच लाख रैंड की इनामी राशि दी जाएगी। देश के खेल मंत्री नाथी एमथेत्वा ने यह घोषणा की। दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भारत को 4-1 से हराने के बाद टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला भी 2-1 से जीती। खेल उत्कृष्टता पुरस्कारों के दौरान एमथेत्वा ने घोषणा की कि टीम की सदस्यों के बीच पांच लाख रैंड (26 लाख 28 हजार रुपए) की राशि बराबर बांटी जाएगी। एमथेत्वा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका की महिला क्रिकेट टीम ने एक बार फिर एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी20 श्रृंखला जीतकर (भारत में) इतिहास रचा। उन्होंने कहा कि भारतीय दौरे से पहले टीम ने आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई जिसका आयोजन पिछले साल आस्ट्रेलिया में किया गया। दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने फरवरी में स्वदेश में पाकिस्तान को टी-20 और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय दोनों श्रृंखलाओं में 3-0 से हराया जिसके एमथेत्वा ने शानदार प्रदर्शन करार दिया। कई अन्य खिलाड़ियों को भी 20-20 हजार रैंड की इनामी राशि दी गई।

पायस विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी पायस जैन नई शुरू की गई आईटीटीएफ अंडर-17 विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। मंगलवार को जारी ताजा आईटीटीएफ रैंकिंग में पायस तालिका में शीर्ष पर चल रहे चीन के युआनयु चेन (2612) से 268 रैंकिंग अंक पीछे हैं जबकि तीसरे स्थान पर काबिज पुअर्तो रिको के एंजेल नारंजो (2229) से आगे हैं। दिल्ली के 17 साल के पायस ने सितंबर 2019 में एशियाई कैडेट एवं जूनियर चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। पायस से पहले मानव ठक्कर 2018 में अंडर-18 वर्ग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी रहे थे। अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने कैडेट्स (अंडर-15) और युवा (अंडर-19) के बीच चार साल के अंतर को भरने के लिए नई रैंकिंग शुरू की है जिससे इन दोनों वर्गों के बीच की उम्र के खिलाड़ियों की प्रगति पर नजर रखने में मदद मिले। आईटीटीएफ ने इस तरह जूनियर टेबल टेनिस खिलाड़ियों की रैंकिंग बढ़ाकर अंडर-19 कर दी है।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Srishty Tewari, D/o. Late Lok Manya Tewari, Permanent Resident of Flat No. D-2, 4th Floor, Nayyar Plaza Hariom Nagar, Marris Road, Koil, Aligarh, UP-202001, Presently Residing at F-44/4, First Floor, Shaheen Bagh, Jamia Nagar, Delhi-110025, have changed my name from Srishty Tewari to Zainab Shahnawaz on 14.04.2021 for all purposes.
PD(8980)A

I, have changed my name from Amanpreet Kaur Harish to Amanpreet Kaur for all future purposes. Amanpreet Kaur D/o Shri Mohinder Singh Harish R/o A-47, Ashok Nagar, Ghaziabad-201001 U.P.
PD(8982)A

CHANGE OF RELIGION

I, Srishty Tewari, D/o. Late Lok Manya Tewari, Permanent Resident of Flat No. D-2, 4th Floor, Nayyar Plaza Hariom Nagar, Marris Road, Koil, Aligarh, UP-202001, Presently Residing at F-44/4, First Floor, Shaheen Bagh, Jamia Nagar, Delhi-110025, have changed my religion from Hinduism (Hindu) to Islam (Muslim) w.e.f. 14.04.2021.
PD(8981)A

अंतिम लक्ष्य ओलंपिक पदक जीतना: मनप्रीत

ब्यूनस आयर्स। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा कि ओलंपिक चैम्पियन अर्जेंटीना के खिलाफ मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है लेकिन टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने के लिए अभी कई कमजोरियों से पार पाना होगा। आठ बार की चैम्पियन भारतीय हॉकी टीम के इरादे ओलंपिक में चार दशक से चला आ रहा पदक का सूखा खत्म करने के है। भारतीय हॉकी टीम ने आखिरी बार 1980 के मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। मनप्रीत ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम को उसके मैदान पर हराने से आत्मविश्वास बढ़ा है लेकिन हमें इसे बहुत ज्यादा तूल नहीं देना चाहिए।

विराट कोहली बीते दशक के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर बने

सचिन तेंदुलकर और कपिल को भी विजडन ने किया सम्मानित

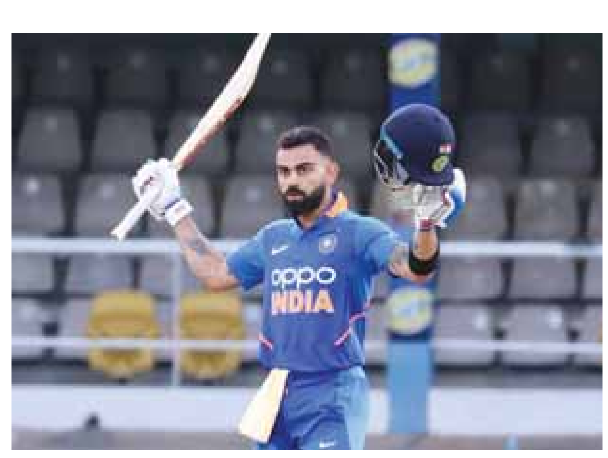

भाषा। लंदन

भारतीय कप्तान विराट कोहली को विजडन अलमैनाक ने 2010 वाले दशक का सर्वश्रेष्ठ एक दिवसीय क्रिकेट चुना है जबकि इंग्लैंड के हरफनमौला बेन स्टोक्स को लगातार दूसरे साल वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। 32 वर्ष के कोहली ने अगस्त 2008 में श्रीलंका के खिलाफ एक दिवसीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शुमार कोहली ने 254 वनडे में 12169 रन बनाए हैं। विजडन ने कहा कि पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की 50वीं सालगिरह पर हर दशक से पांच वनडे क्रिकेटरों को चुना गया है।

इसने अपनी वेबसाइट पर कहा , 1971 से 2021 के बीच हर दशक के लिए एक सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है।कोहली को 2010 वाले दशक के लिए चुना गया। विश्व कप 2011 विजेता भारतीय टीम के सदस्य रहे कोहली ने 10 साल में 11000 से ज्यादा रन बनाए हैं जिसमें 42 शतक शामिल हैं। सचिन तेंदुलकर को नब्बे के दशक का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। तेंदुलकर ने 1998 में नौ वनडे शतक जमाए थे। भारत के विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव को अस्सी के दशक का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। कपिल की कप्तानी में भारत ने 1983 विश्व कप जीता था। उन्होंने उस दशक में सर्वाधिक विकेट लिए और सबसे अधिक स्ट्राइक रेट से एक हजार से अधिक रन बनाए। स्टोक्स को लगातार दूसरे साल वर्ष का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया। उन्होंने बीते साल 58 मैचों में 641 टेस्ट रन बनाए जबकि 19 विकेट लिए। आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी को सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर और वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड को सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर चुना गया।

आउट होने पर नाराजगी जताने पर कोहली को फटकार

चेन्नई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान विराट कोहली को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल के मैच में आउट होने पर गुस्से में कुर्सी को लात मारने के कारण आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर फटकार लगाई गई। कोहली ने 29 गेंद में 33 रन बनाए हालांकि वह अपने चिर परिचित फॉर्म में नहीं दिखे। उनकी टीम ने छह रन से मैच जीता। आईपीएल ने एक बयान में कहा कि कोहली ने आईपीएल की आचार संहिता की धारा 2.2 के तहत लेवल एक का अपराध स्वीकार किया है। इसके लिए मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है।

जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेगी सुपरकिंग्स

पंजाब किंग्स के साथ मुकाबला आज

भाषा। मुंबई

महेंद्र सिंह धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल में जीत की राह पर लौटने के लिए शुक्रवार को पंजाब किंग्स के मजबूत बल्लेबाजी क्रम के सामने गेंदबाजी में सुधार करके उतरना होगा। चेन्नई को पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने सात विकेट से हराया जबकि पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को चार रन से मात दी। वानखेड़े स्टेडियम पर ओस की भूमिका को ध्यान में रखते हुए टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना चाहेगी।

चेन्नई ने यहां पहले मैच में सात विकेट पर 188 रन बनाए थे जिसमें सुरेश रैना ने 54, मोईन अली ने 36 और सैम कुरेन ने 34 रन का योगदान दिया था। सलामी बल्लेबाज रितुराज गायकवाड़, फाफ डु प्लेसी और धोनी उस मैच में नहीं चल सके थे। उसके बाद चेन्नई के गेंदबाज बड़ा स्कोर भी नहीं बचा सके। शिखर धवन और पृथ्वी साव ने दिल्ली के लिए 138 रन की साझेदारी करके मैच आसानी से जीता। दीपक चाहर, सैम कुरेन, शारदुल ठाकुर, रविंद्र जडेजा और मोईन अली सभी ने रन लुटाए। अब कुशल रणनीतिकार धोनी पर दारोमदार होगा कि इस हार के सदमे से निकालकर टीम को अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करें।

उन्हें इसके लिए मोर्चे से अगुवाई करनी होगी। दूसरी ओर पंजाब किंग्स पहले मैच में छह विकेट पर 221 रन बनाने के बावजूद रॉयल्स के हाथों हार से बाल बाल बची। सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे केएल राहुल ने 50 गेंद में 91 रन बनाए जबकि क्रिस गेल ने 28 गेंद में 40 और दीपक हुड्डा ने 28 गेंद में 64 रन का योगदान दिया।

पंजाब के लिए चिंता का सबब उनकी बल्लेबाजी नहीं बल्कि गेंदबाजी है। रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने पहले मैच में 63 गेंद में 119 रन बनाकर अकेले दम पर ही जीत दिला दी थी लेकिन चार रन से चूक गए। **टीमें**- चेन्नई सुपर किंग्स : महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), सुरेश रैना, अंबाती रायुडू, केएम आसिफ, दीपक चाहर, ड्वेन ब्रावो, फाफ डु प्लेसी, इमरान ताहिर, एन जगदीशन, कर्ण शर्मा, लुंगी एनगिडि, मिशेल सेंटनेर, रविंद्र जडेजा, रूतुराज गायकवाड़, शारदुल ठाकुर, सैम कुरेन, आर साइ किशोर, मोईन अली, के गौतम, चेतेश्वर पुजारा, हरिशंकर रेड्डी, भागनाथ वर्मा, सी हरि निशांत। पंजाब किंग्स: लोकेश राहुल

पहचान की अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक अज्ञात व्यक्ति जिसका **नाम** : नामालूम, **पुत्र** : नामालूम, **निवासी**: नामालूम **उम्र** : लगभग 52-55 साल, **कद** : 5'7'', **रंग** : सांवला, **चेहरा** : लम्बा, **शरीर** : पतला , **कपड़े** : हरे रंग की शर्ट और नीले व सफेद रंग की चैकदार लुंगी पहने हुए है, जो दिनांक 10.04.2021 को प्लेटफॉर्म नं. 2, ओखला की तरफ सीढ़ियों के नीचे, हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली में मृत अवस्था में पाया गया है। इस संदर्भ में डीडी सं. 13ए दिनांक 10.04.2021 थाना हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली में दर्ज है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस मृत व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो निम्नलिखित को सूचित करने की कृपा करें:-

थानाध्यक्ष :
थाना हजरत निजामुद्दीन
रेलवे स्टेशन, दिल्ली
दूरभाष सं. 011-8750871312, 8750871311, 7303610781
DP/113/RLY/2021

सरिता फाइनल में कांसे के लिए सीमा और पूजा भिड़ेंगी

एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप

भाषा। अलमाटी

मौजूदा खिताबधारी सरिता मोर ने गुरूवार को एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप ने शुरूआती दौर के मुकाबले में करीबी हार के बाद शानदार वापसी करते हुए 59 किग्रा फाइनल में प्रवेश किया जबकि सीमा बिस्ला (50 किग्रा) और पूजा (76 किग्रा) अपने सेमीफाइनल हारने के बाद कांस्य पदक के लिए भिड़ेंगी। नई दिल्ली में 2020 चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सरिता शुरूआती मुकाबले में मंगोलिया की शूवदोर बातरजाव से 4-5 के अंतर से हार गई थीं लेकिन उन्होंने अगले दौर में कजाखस्तान की डायना कायुमोवा के खिलाफ शानदार वापसी की और पहले पीरियड में तकनीकी श्रेष्ठता से जीत हासिल की। सरिता कजाखस्तान की पहलवान के खिलाफ काफी आक्रामक रहीं और उन्होंने प्रतिद्वंद्वी को गिराने के बाद उसका गला जकड़ लिया।

इसके बाद उन्होंने किर्गिस्तान की नूरेडा अनारकुलोवा के खिलाफ सेमीफाइनल में भी शुरू से ही आक्रामकता जारी रखी और फाइनल में जगह बनाई। अब उनके पास शूवदोर से बदला चुकता करने का मौका होगा क्योंकि वह भी फाइनल में पहुंच गई हैं। वहीं 50 किग्रा की स्पर्धा में सीमा की शुरूआत काफी खराब रही जिसमें वह कजाखस्तान की वेलेंटिना इवानोवना के खिलाफ शुरूआती मुकाबला गंवा बैठीं।

चानू व जेरेमी की निगाहें अच्छे प्रदर्शन पर

भाषा। ताशकंद

पूर्व विश्व चैम्पियन मीराबाई चानू शुक्रवार से यहां शुरू होने वाली एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुआई करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगी जिन्होंने पिछले एक साल से भी ज्यादा समय से किसी भी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है।

भारतीय खिलाड़ियों ने पिछला टूर्नामेंट फरवरी 2020 में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में खेला था लेकिन इसके बाद कोविड-19 महामारी के चलते भारोत्तोलन कार्यक्रम उथल पुथल हो गया और उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट दिसंबर 2019 में कतर अंतरराष्ट्रीय कप था। महामारी के कारण पिछले साल स्थगित हुए गोल्ड स्तर के ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में 26 साल की चानू भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी उम्मीद हैं। 49 किग्रा वजन वर्ग में खेलने वाली चानू भी अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ (203 किग्रा) प्रदर्शन में सुधार करने और पोडियम स्थान हासिल करने के लिए उत्साहित होंगी।

PUBLIC NOTICE

This is to notify the public at large that our client, Smt.Kamla Kumari Yadav, W/o Late.Sh.Ram Saran Yadav, R/o H.No:1004, Gali No-11/B, Fauji Colony, Part-02, Mukund Pur EXT., North West, Delhi-110042, through this public notice disown and renounce all her relations with her Son namely Rohit Kumar Yadav. It is further notified that he shall have no legal right, title, interest, right of inheritance etc on any of the movable and immovable properties of our client. Our client also serve all social ties with him. She shall not be responsible for any act and/or omission of any nature, whatsoever, committed by him and further she shall have no personal, social or moral relation with him in future. Any person dealing with him shall be doing so at his/her own risks, to which, our client shall not be responsible in any manner. Any other person related to him also, shall stand to be disowned by our client from her all moveable and immoveable assets.

ROHIT YADAV ADVOCATE
Chamber No: 728, Lawyer Chamber Block, Rohini District Courts, Delhi

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि **एक आवासीय एलआईजी फ्लैट नं0 89, ब्लाक जी, सेक्टर-56, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0**, जिसके मूल आवंटी **विजय तलवार** पुत्र श्री के.बी. तलवार निवासी 67/5344, रेगरपुर, करोलबाग, नई दिल्ली है, ने मुख्यतारनामा के आधार पर उक्त फ्लैट निम्नलिखित व्यक्ति को बेचा गया था।
तहसीन अहमद पुत्र मेहबुब उल्लाह निवासी सी 6/140, सैक्टर 31, नौएडा के पक्ष में दिनॉक 14.09.1994 को एक मुख्यतारनामा आम सब-रजिस्ट्रार दिल्ली द्वारा निष्पादित किया गया था तथा विक्रय संविदा अपंजीकृत है।
अतः इस नोटिस के माध्यम से सभी सम्बन्धित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि उक्त **आवासीय एलआईजी, फ्लैट नं0 89, ब्लाक जी, सेक्टर-56, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0** मुख्यतारनामा के आधार पर शोएब अहमद पुत्र तहसीन अहमद निवासी **फ्लैट नं0 89, ब्लाक जी, सेक्टर-56, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0** के पक्ष में अन्तरण आवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है यदि इस संबंध में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति है तो कृपया अपनी आपत्ति समस्त साक्ष्य सहित नोएडा प्राधिकरण के **आवासीय विभाग** (एच) में इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से **15 दिन** के अन्दर दाखिल कर सकते हैं। हस्ताक्षर
(तहसीन अहमद)
उपदेश कुमार (अधिवक्ता)

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूखण्ड सं0 डी-83, सेक्टर-30, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0, जिसके मूल आवंटी **श्रीमती प्रेम सेठी** पत्नी स्व0 जनक राज सेठी निवासी प्लाट नम्बर डी-83, सेक्टर-30, नोएडा, जिला गौतमबद्ध नगर, उ0प्र0 है, का निधन दिनांक 06.03.2019 को हो गया है।
उक्त आवंटी **प्रेम सेठी** ने अपनी पंजीकृत वसीयत अपने पुत्र दीपू सेठी पुत्र स्व0 श्री जनक राज सेठी निवासी प्लाट नम्बर डी-83, सेक्टर-30, नोएडा, जिला गौतमबद्ध नगर, उ0प्र0 के पक्ष में निष्पादित की है जो उप निबन्धक दिल्ली के कार्यालय में बही नम्बर 3, जिल्द नम्बर 1259, पेज 193 से 195, दस्तावेज नम्बर 71, दिनॉक 23.01.2021 को पंजीकृत किया गया है। उक्त वसीयत के आधार पर उक्त भूखण्ड का अन्तरण दीपू सेठी पुत्र स्व0 श्री जनक राज सेठी निवासी प्लाट नम्बर डी-83, सेक्टर-30, नोएडा, जिला गौतमबद्ध नगर, उ0प्र0 के पक्ष में करने हेतु आवेदन पर यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो अपनी लिखित आपत्ति उचित दस्तावेजों के साथ 30 दिन के अन्दर नोएडा प्राधिकरण के आवासीय भूखण्ड विभाग में प्रस्तु करें।
दीपू सेठी पुत्र स्व0 जनक राज सेठी निवासी प्लाट नम्बर डी-83, सेक्टर-30, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उ0प्र0
उपदेश कुमार (अधिवक्ता)

गुमशुदा/अपहृत की तलाश

सानिया

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की एक लड़की जिसका नाम **सानिया, पुत्री** साजिद **पता**- मकान नं एफ -873, जे जे कॉलोनी बवाना, दिल्ली। उक्त लड़की दिनांक 13.03.2021 से अपने घर से गुमशुदा/अपहृत है। इस संबंध में **एफ आई आर नं 115/2021 दिनांक 13.03.2021 धारा 363 भा.द.स को पुलिस थाना नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली** में दर्ज है। स्थानीय पुलिस द्वारा इस गुमशुदा/अपहृत लड़की की तलाश करने की कोशिश की गयी है लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया। इस गुमशुदा/अपहृत लड़की का विवरण इस प्रकार है:
नाम: सानिया, **लिंग**: स्त्री, **उम्र**: 13 वर्ष, **कद**: 5', **रंग**: सावला, **चेहरा**: गोल, **शारीरिक गठन**: पतला, **बाल**: काले, **पहनावा**: गुलाबी रंग का कुर्ता, नीले रंग का पायजामा और पैरों में चप्पल पहने हुआ है।
इस गुमशुदा/अपहृत लड़की के बारे में यदि कोई जानकारी मिले तो कृपया थाना प्रभारी नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली को सूचित करे।
ई-मेल : cic@cbi.gov.in
फोन : 011-24368638, 24368641
फैक्स : 011-24368639
थाना प्रभारी
पुलिस थाना, नरेला औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली
फोन न.: 011-27787592, 27787593
DP/922/ON/2021

गुमशुदा महिला की तलाश

नगमा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक महिला (फोटो में दिखाई गई) जिसका नाम नगमा **D/o** नईम अहमद **R/o** म.नं.सी-184, आराम पार्क शास्त्री नगर, निकट रूबी ढाबा, दिल्ली **उम्र** करीब 22 साल जो कि 22.03.2021 को रात्रि 9 बजे से अपने घर से लापता है। इस बाबत **DD No.81A दिनांक 31.03.2021** थाना गीता कॉलोनी, दिल्ली में दर्ज है। इसका शारीरिक ब्यौरा इस प्रकार है:
रंग: सांवला, **कद**: 4'8", **चेहरा**: लम्बा, **शरीर**: सामान्य, **पहचान**: मानसिक रूप से ठीक है, जिसने स्लेटी और सफेद रंग का सूट, काले रंग की सलवार और लाल रंग की ऊंची सैंडल पहनी है।
अगर किसी व्यक्ति को इस लापता महिला के बारे में कोई जानकारी/सूचना मिले तो थानाध्यक्ष गीता कॉलोनी, दिल्ली को ई-मेल: cic@cbi.gov.in और वेबसाइट : http://cbi.nic.in पर सूचित करने की कृपा करें।
हस्ता/-
फोन नं.: 011-24368638, 24368641
फैक्स नं.: 011-24368639
थानाध्यक्ष: गीता कॉलोनी, दिल्ली
फोन: 011-22506665, 22508164
मो.: 7065036026
DP/420/SHD/2021

PUBLIC NOTICE

To be known to all that my client, SH. SANDEEP CHAWLA, S/O LATE SH. NARINDER KUMAR CHAWLA, R/O FLAT NO. 86-A, IN BLOCK-A, POCKET-D, SHALIMAR BAGH, DELHI-110088 has applied for conversion of the aforesaid flat from lease hold to free hold vide File No. F.98(506)1981/ HBMI/ LIG in DDA. The original documents i.e. Demand / allotment Letter, Possession Letter, NOC to water and Electric and site Possession Slip of the above said flat has been lost. An NCR/LR NO. 315029/2021 dated 13/04/2021 to this effect has been lodged in P.S. Crime Branch, Delhi.
Any person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents, may write/contact with above named person at above Address/Phone No. 9810098120 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property, can personally inform or write to Deputy Director (LAB) H or Director (H), D Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, New Delhi.
Naveen Aggarwal (Advocate)
Ch.No. M-7, Near SBI, Western Wing, Tis Hazari Court, Delhi-54

थोक मुद्रास्फीति आठ साल में सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। कच्चे तेल और धातु की बढ़ती कीमतों के कारण थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति मार्च में आठ साल के उच्चतम स्तर 7.39 प्रतिशत पर पहुंच गई। पिछले साल मार्च में मुद्रास्फीति का निम्न आधार होने के कारण भी मार्च 2021 में माच माह की महंगाई ऊंची रही है। पिछले साल कोविड-19 महामारी के प्रकोप को रोकने के लिए लगाए गए देशव्यापी लॉकडाउन के चलते कीमतें कम थीं। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति एक महीना पहले फरवरी में 4.17 प्रतिशत और एक साल पहले मार्च में 0.42 प्रतिशत पर रही थी। डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति में लगातार तीसरे महीने बढ़ोतरी हुई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, मुद्रास्फीति की वार्षिक दर मार्च 2020 के मुकाबले मार्च 2021 में 7.39 प्रतिशत (अनंतिम) रही। डब्ल्यूपीआई का इतना उच्च स्तर इससे पहले अक्टूबर 2012 में रहा था, जब मुद्रास्फीति 7.4 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। मार्च में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर 3.24 प्रतिशत रही और इस दौरान दाल, फल तथा धान की कीमतों में कमी आई है। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण मार्च में ईंधन और बिजली की मुद्रास्फीति 10.25 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 0.58 प्रतिशत थी।

शेयर बाजार में दूसरे दिन रही तेजी

मुंबई। शेयर बाजारों में दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स तथा एनएसई निफ्टी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बढ़त के साथ बंद हुए। कोविड-के बढ़ते मामले के बावजूद निवेशकों ने बैंक, वित्तीय कंपनियों और कुछ आईटी कंपनियों में रूचि दिखाई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में सुधार तथा सकारात्मक वैश्विक रुख से भी बाजार को गति मिली।

कोविड रोधी टीके का उत्पादन तेजी से बढ़ाने के लिए परिवेश बनाने की जरूरत: गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर टीके का तेजी से उत्पादन बढ़ाने के लिए अनुकूल परिवेश सृजित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसके लिए डब्ल्यूटीओ में बौद्धिक संपदा संरक्षण से संबंधित बाधाओं समेत सभी अवरोधों को अस्थाई तौर पर दूर किए जाने की आवश्यकता है। गोयल ने कहा कि इस संदर्भ में भारत और दक्षिण अफ्रीका ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 57 अन्य देशों के साथ कोविड-19 की रोकथाम और उपचार को लेकर बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधित पहलुओं (ट्रप्सि) से जुड़े समझौते के संबंधित प्रावधानों से अस्थाई और सीमित गुंजाइश में छूट का प्रस्ताव पेश किया है।

उन्होंने कहा कि इस छूट का मकसद औषधि कंपनियों को दिए गए संरक्षण को समाप्त करना नहीं है बल्कि इसके तहत केवल कोविड-19 टीके, संबद्ध दवाओं और उपचार पर जोर होगा।

ICICI Bank

शाखा कार्यालय: आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली -110005

सार्वजनिक सूचना - प्रत्याभूत आस्ति की बिक्री हेतु निविदा-सह-नीलामी
नियम 8 (6) का परंतुक देखें,
अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

अचल संपत्तियों के विक्रय के लिये ई-नीलामी विक्रय सूचना वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पून: निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के अन्तर्गत सहठित प्रतिभूति ब्याज प्रवर्तन नियम, 2002 की धारा 8(6) के साथ अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए जारी की गई है ।
सर्वजन तथा व्यक्तिगत रुप से कर्जदार एवं जमानतदार को इस सूचना द्वारा सूचित किया जाता है कि नीचे दर्शायी गई अचल संपत्ति के संरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/ अधिभारित है उनका भौतिक अधिग्रहण आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड (संरक्षित ऋणदाता) के प्राधिकृरित अधिकारी द्वारा कर लिया गया है एंव दर्शाये विवरण अनुसार उनके द्वारा "जहॉं है, जैसी है" एवं जैसी है, वैसी है " एवं जिस भी स्थीत में है " के आधार पर अचल संपत्ति के विक्रय के लिये प्रस्ताव आमंत्रित किये जा रहे है :-

क्र. सं.	कर्जदार (रों)/ सह-कर्जदारों/ गारंटरों का नाम/ ऋण खाता संख्या	प्रत्याभूत आस्ति का विवरण, ऋणभारों सहित, यदि कोई	बकाया राशि (रू. में)	सुरक्षित मूल्य (रू. में) / धरोहर राशि जमा (रू. में)	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय	नीलामी की तिथि एवं समय
(क)	(ख)	(ग)	(घ)	(ङ)	(च)	(छ)
1.	राम दास (कर्जदार), इंद्रा (सह कर्जदार), कमल (सह कर्जदार) LBDEL00002375637	नंबर 25, पहली मंजिल ब्लॉक-ई -2, पॉकेट -3 एलआईजी सेक्टर 34 रोहिणी दिल्ली, 110085, क्षेत्र: 335 वर्ग फीट	रू. 17,44, 677/- (अप्रैल 08, 2021 तक)	रू. 11,40,000/- / रू. 1,14,000/-	मई 17, 2021 को दो. 12:00 बजे से दो. 01:00 बजे तक	मई 31, 2021 को सु. 11:00 बजे से

ऑनलाइन नीलामी हमारी नीलामी संस्था **मैसर्स नेक्सजेन सॉल्युशन्स प्राइवेट लिमिटेड** की, वेबसाइट **(URL Link https://disposalhub.com)** पर संचालित होगी । बंधकदाताओं/ सूचना प्रेषितकर्ताओं कों **मई 29, 2021** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक कुल बकाया राशि उस पर आगे ब्याज सहित भुगतान करने का अंतिम अवसर दिया जाता है, जिससे विफल रहने पर यह संरक्षित सम्पत्तियों की बिक्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी।
संभावित बोलीकर्ता (बोलीकर्ताओं) को बयाना राशि (ईएमडी) डिमाण्ड ड्राफ्ट (डीडी) (सारणी ङ संदर्भ करें) जो **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग नई दिल्ली- 110005** में जमा करना अनिवार्य है एवं इसके पश्चात् वे अपना प्रस्ताव उपरोक्त वर्णित वेबसाइट के माध्यम से ईएमडी के भुगतान साक्ष्य अर्थात बैंक डीडी पावति की स्कैन इमेज सहित दिनांक-**मई 29, 2021** तक **शाम 05.00** बजे से पूर्व जमा करे। कृपया नोट करें कि संभावित बोलीकर्ता (ब्रोलीकर्ताओं) वेबसाइट के माध्यम से उनके प्रस्ताव को जमा कराने में विफल रहने पर वे **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग नई दिल्ली- 110005** में निविदा प्रलेखों की हस्तांक्षरित प्रति को दिनांक **मई 29, 2021** को **शाम 05.00** बजे से पूर्व तक जमा करवा सकते हैं । बयाना राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट पे आर्डर किसी भी राष्ट्रीयकृत/ शैडूल्ड बैंक द्वारा **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** के पक्ष में **दिल्ली** शाखा में भुगतान हेतु होना चाहिए।
सम्पति अवलोकन, नीलामी के नियम एवं शर्तो तथा निविदा प्रक्रिया के संदर्भ में स्पष्टीकरण हेतु कृपया **आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड** को फोन. न. **8657476284** या मैसर्स **नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड** को फोन. न. **9710029933/ 9810029926/ 01244233933** पर संपर्क करे।
कृपया नोट करें कि मार्केटिंग एजेंसिया **1. नेक्सजेन साल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड 2. ओजीओ असेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड 3. प्रॉप्स एएमसी** इस सम्पति की बिक्री में सुगमता हेतु सलंग्र है।
प्राधिकृत अधिकारी बिना किसी कारण दर्शाये किसी एक अथवा अधिक निविदा अथवा बोली को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रखते है।
बिक्री की विस्तृत नियमो एवं शर्तो हेतु कृपया वेबसाइट **www.icicibank.com/n4p4s** पर संपर्क करे ।

तिथि : अप्रैल 16, 2021
स्थान : दिल्ली/ एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

अफगानिस्तान से अमेरिका, नाटो के सैनिकों को वापस बुलाने के फैसले पर विशेषज्ञों ने जताई चिंता

भाषा। वाशिंगटन

विशेषज्ञों ने अमेरिका और नाटो के सैनिकों को अफगानिस्तान से वापस बुलाए जाने के फैसले पर चिंता जताते हुए कहा है कि क्षेत्र में तालिबान का फिर से पांव पसारना और अफगानिस्तान की जमीन को आतंकवादियों द्वारा पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल किया जाना भारत के लिए चिंता का विषय होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को घोषणा की कि अफगानिस्तान में करीब दो दशक के बाद इस साल 11 सितंबर तक अफगानिस्तान से सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुला लिया जाएगा।

पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में राष्ट्रपति की उपसलाहकार और 2017-2021 के लिए दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों में एनएससी की वरिष्ठ निदेशक रहीं लीज़ा कर्टिस ने पीटीआई से कहा, अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाए जाने से क्षेत्र के देश, खासकर भारत में तालिबान के फिर से उभरने को लेकर चिंता होगी। कर्टिस ने कहा, 1990 के दशक में अफगानिस्तान में जब तालिबान का नियंत्रण था तब उसने अफगानिस्तान से धन उगाही के लिए आतंकवादियों को पनाह दी, उन्हें प्रशिक्षित किया तथा आतंकवादी संगठनों में उनकी भर्ती की। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद समेत कई आतंकवादियों को भारत में 2001 में संसद पर आतंकवादी हमले को अंजाम देने जैसे हमलों के लिए प्रशिक्षित किया गया। अमेरिका सरकार में 20 साल से अधिक सेवा दे चुकीं और विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों की विशेषज्ञ कर्टिस वर्तमान में सेंटर फॉर न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी (सीएनएएस) थिंक-टैंक में हिंद-प्रशांत सुरक्षा कार्यक्रम की सीनियर फेलो और निदेशक हैं। उन्होंने कहा, भारतीय अधिकारियों को दिसंबर 1999 में एक भारतीय विमान का अपहरण करने वाले आतंकवादियों और तालिबान के बीच करीबी गठजोड़ भी याद होगा। अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी आतंकवादी नहीं करें, यह सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मौजूदा प्रयास की तर्ज पर देश में शांति एवं स्थिरता के लिए भारत क्षेत्रीय प्रयासों में अपनी भूमिका बढ़ा सकता है। अमेरिका के लिए पाकिस्तान के पूर्व राजदूत और वर्तमान में हडसन इंस्टीट्यूट थिंक-टैंक में दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के निदेशक हुसैन हक्कानी ने पीटीआई से कहा, तालिबान के कब्जे वाले क्षेत्र के फिर से आतंकवादियों के लिए पनाहगाह बनने से भारत चिंतित होगा। उन्होंने कहा कि वास्तविक सवाल यह है कि क्या सैनिकों को वापस बुलाए जाने के बाद भी अमेरिका अफगानिस्तान सरकार को मदद जारी रखेगा ताकि वहां के लोग तालिबान का मुकाबला करने में सक्षम हों ।तालिबान ने अब तक शांति प्रक्रिया में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है और दोहा में हुई वार्ताओं में उसने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी की बात को ही दोहराया है। वाशिंगटन पोस्ट ने अपने संपादकीय में कहा है कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की बाइडन की योजना क्षेत्र के लिए घातक हो सकती है। वाशिंगटन पोस्ट ने कहा, राष्ट्रपति बाइडन ने अफगानिस्तान से हटने का सबसे आसान तरीका चुना लेकिन इसके नतीजे खतरनाक हो सकते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि लंबे समय तक आतंकवादी संगठनों पर रोक लगा पाना मुश्किल हो सकता है। ऐसा ही कुछ विचार वाल स्ट्रीट जर्नल ने भी प्रकाशित किया है। दोहा में अमेरका-तालिबान के बीच जिस समझौते पर हस्ताक्षर हुआ है उसके मुताबिक अमेरिका 14 महीने के भीतर अपने सैनिकों की वापसी पर सहमत हुआ है।

अफगानिस्तान में बचे अंतिम 80 सैनिकों को वापस बुलाएगा ऑस्ट्रेलिया

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश, अमेरिका और अन्य सहयोगियों की तरह ही अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुलाने का काम सितंबर तक पूरा कर लेगा। नाटो नीत मिशन में ऑस्ट्रेलिया का योगदान एक वक्त में 15,000 सैनिकों के पार चला गया था लेकिन अब वहां 80 ही कर्मी बचे हैं। प्रधानमंत्री ने निर्धारित तिथि बताए बिना कहा, अमेरिका और अन्य सहयोगियों एवं साझेदारों की तरह, सितंबर में अफगानिस्तान में अंतिम बचे ऑस्ट्रेलियाई सैनिकों की वापसी शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा, यह फैसला ऑस्ट्रेलियाई सैन्य इतिहास में महत्त्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने देश में 11 सितंबर, 2001 को हुए आतंकवादी हमलों की 20वीं बरसी से पहले अफगानिस्तान से अपने अंतिम 2,500 सैनिकों को वापस बुलाने की योजना बनाई है। ऑस्ट्रेलिया के 39,000 से अधिक सैनिकों ने 2001 के बाद से अफगानिस्तान में अपनी सेवा दी है और 41 सैनिकों की वहां मौत हुई है।

अफगानिस्तान में कोरेंगल पोस्ट से तालिबान के आतंकी ठिकानों पर मोर्टार से हमला करते अमेरिकी सैनिक

गरीब देशों की महिलाओं को यौन संबंधों से इंकार करने का भी अधिकार नहीं: संरा रिपोर्ट

एपी। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया कि 57 विकासशील देशों में आधे से कम महिलाओं को अपने साथियों के साथ यौन सबंध बनाने के लिए "नहीं कहने के अधिकार से वंचित रखा गया है। उन्हें गर्भ निरोधक का इस्तेमाल करने अथवा चिकित्सीय सलाह लेने के बारे में भी फैसला करने का अधिकार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इस रिपोर्ट में कहा गया कि यह आंकड़े दुनिया के केवल एक चौथाई देशों के हैं, केवल आधे से अधिक अफ्रीका के। लेकिन ए परिणाम, लाखों महिलाओं और लड़कियों की शारीरिक स्वायत्ता की स्थिति की चिंताजनक तस्वीर सामने रखती है जिन्हें बिना डर या हिंसा के अपनी देह और अपने भविष्य के बारे में चुनाव करने की शक्ति नहीं है ।रिपोर्ट में कहा गया कि 57 देशों में महज 55 प्रतिशत महिलाएं एवं लड़कियां यह तय कर पाती हैं कि उन्हें यौन संबंध बनाना है या नहीं, गर्भनिरोध का इस्तेमाल करना है या नहीं और यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी चिकित्सीय सलाह कब लेनी है। कोष की कार्यकारी निदेशक, डॉ नतालिया कानेम ने कहा, शारीरिक स्वायत्ता न देना महिलाओं एवं लड़कियों के मौलिक मानवीय अधिकारों का उल्लंघन है जो असामनता को बढ़ावा देने के साथ ही लैंगिक भेदभाव के कारण होने वाली हिंसा को जारी रखता है। उन्होंने कहा, हमारे शरीर पर अपना ही हक न होने के इस तथ्य से हम सभी को गुस्सा आना चाहिए।

बैसाखी के महत्व और डॉ. आंबेडकर के सम्मान में अमेरिकी संसद में प्रस्ताव पेश

वाशिंगटन। अमेरिका के एक सांसद ने बैसाखी के त्योहार के महत्व को मान्यता देने और इसको मनाने वालों के लिए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश किया। सांसद जॉन गारामेंडी ने सदन में बैसाखी प्रस्ताव को फिर से पेश करने के दौरान कहा, यह प्रस्ताव बैसाखी के त्योहार की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्ता को स्वीकार करता है। बैसाखी या वैशाखी सिखों, हिंदुओं और बौद्ध धर्म के लोगों के लिए वसंत ऋतु की फसल कटाई का त्योहार है। यह सिखों का नववर्ष भी होता है और 1699 में गुरु गोविंद सिंह द्वारा खालसा पंथ की स्थापना किए जाने का भी स्मरण कराता है। कैलिफोर्निया से कांग्रेस सदस्य गारामेंडी सदन के सिख कॉकस के सह-प्रमुख भी हैं। वहीं, भारतीय-मूल के अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने भारतीय संविधान के निर्माता भीमराव आंबेडकर की 130वीं जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में लगातार दूसरे वर्ष एक प्रस्ताव पेश किया। इसका लक्ष्य दुनिया भर के युवा नेताओं को आंबेडकर के, समानता के दृष्टिकोण से प्रेरित करना था। भारत इस वर्ष डॉ आंबेडकर की 130वीं जयंती मना रहा है। प्रतिनिधि सभा में बुधवार को प्रस्ताव पेश करने के बाद खन्ना ने एक ट्वीट में कहा, आंबेडकर ऐसा भारत और अमेरिका चाहते थे जहां हम सभी की गरिमा का सम्मान करें। उन्होंने कहा, आज, मैं बी आर आंबेडकर को सम्मानित करने के लिए एक बार फिर अपना प्रस्ताव पेश कर रहा हूं, इस उम्मीद में, कि दुनिया भर के युवा नेता उनके काम के बारे में पढ़ेंगे और समानता के उनके नजरिए से प्रेरित होंगे।

'महिला विरोधी यौन हिंसा में शामिल लोगों को सूचीबद्ध करने की संरा प्रतिबंध व्यवस्था दृढ़ हो'

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

भारत ने सशस्त्र संघर्षों में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा में शामिल व्यक्तियों एवं संस्थाओं को काली सूची में डालना सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध संबंधित प्रशासन मजबूत बनाने का आह्वान किया है। भारत का कहना है कि यौन हिंसा का इस्तेमाल लोगों के उत्पीड़न के लिए किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि, राजदूत टीएस तिरुमूर्ति ने संघर्षों में यौन हिंसा विषय पर सुरक्षा परिषद की खुली चर्चा में बुधवार को कहा कि यौन हिंसा को अपराध बनाकर उसके प्रभावी अभियोजन को सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है कि सदस्य राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप व्यापक कानूनी ढांचा विकसित करें।

तिरुमूर्ति ने कहा, राज्य या राज्एतर तत्वों द्वारा सशस्त्र संघर्षों में यौन हिंसा का इस्तेमाल लोगों के दमन के लिए किया जाता है। यह समुदायों के विस्थापन, अस्थिरीकरण और उत्पीड़न को बढ़ावा देता है और शासन को कमजोर करने के साथ ही संघर्षों के बाद पुनर्वास और स्थिरता के अवसरों को जोखिम में डालता है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वे अपने देशों में संघर्ष की स्थितियों में हुए ऐसे अपराधों को न होने दें और होने पर मुकदमा चलाएं भले ही इन अपराधों को करने का आरोप राज्एतर तत्वों पर लगा हो। जहां भी जरूरत हो, संयुक्त राष्ट्र को इस मुद्दे से निपटने में सदस्य राष्ट्रों की क्षमता को बढ़ाने में मदद देनी चाहिए। भारत ने कहा कि परिषद के प्रतिबंध व्यवस्था और अन्य लक्षित उपायों को मजबूत करना होगा ताकि सशस्त्र संघर्षों में यौन हिंसा से महिलाओं के संरक्षण को बढ़ाने में उनका पूरा सामर्थ्य इस्तेमाल हो सके। इनमें सशस्त्र संघर्षों में महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा में शामिल संस्थाओं एवं व्यक्तियों को सूचीबद्ध करना शामिल है।

बगदाद में एक बिस्फोट के बाद जांच करतीं सुरक्षा एजेंसियां। इस धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गयी

चीन तेजी से निकट प्रतिद्वंद्वी बन कई चुनौतियां पैदा कर रहा : अमेरिकी खुफिया अधिकारी

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के एक शीर्ष खुफिया अधिकारी ने सांसदों से कहा कि चीन तेजी से अमेरिका का निकट प्रतिद्वंद्वी बन रहा है जिससे कई क्षेत्रों में चुनौतियां खड़ी हो गईं और साथ ही वह वैश्विक नियमों में भी इस तरह से बदलाव कर रहा है जिससे चीन की तानाशाही व्यवस्था को फायदा मिले। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक एवरिल हेन्स ने अमेरिका के समक्ष दुनियाभर से पैदा हो रहे खतरों पर सीनेट की खुफिया मामलों पर चयन समिति के सदस्यों को बुधवार को यह कहा। हेन्स ने कहा, चीन तेजी से निकट प्रतिद्वंद्वी बन रहा है और अमेरिका को कई क्षेत्रों में चुनौतियां दे रहा है और साथ ही वैश्विक नियमों को भी वह इस तरीके से बदल रहा है जिससे चीन की तानाशाही व्यवस्था को फायदा पहुंचे।

उन्होंने कहा कि चीन अपनी बढ़ती ताकत दिखाने तथा पड़ोसी देशों को विवादित क्षेत्र पर अपने दावों समेत अपनी प्राथमिकताओं को बिना किसी विरोध के स्वीकार करने के लिए विवश करने के वास्ते वृहद रुख अपना रहा है। उन्होंने कहा कि चीन के अलावा रूस, ईरान और उत्तर कोरिया – तीन ऐसे देश हैं जो अमेरिका के समक्ष खतरे पैदा कर रहे हैं। हेन्स ने कहा, अफगानिस्तान, ईराक और सीरिया में लड़ाई का अमेरिकी बलों पर सीधा असर पड़ रहा है जबकि परमाणु संपन्न देश भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव दुनिया के लिए चिंता का सबब बना हुआ है। इजराइल और ईरान के बीच हिंसा, लीबिया में विदेशी ताकतों की गतिविधि और अफ्रीका तथा पश्चिम एशिया समेत अन्य इलाकों में संघर्ष के बढ़ने की आशंका है। इस बीच केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के निदेशक विलियम बर्न्स ने कहा कि लोकतंत्र का कमजोर होना दुनिया के कई हिस्सों में एक वास्तविक समस्या है।

क्विक न्यूज

इजराइल ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में फाइजर के प्रमुख को किया सम्मानित

यरुशलम। इजराइल ने बुधवार को अपने स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय दवा कंपनी फाइजर इंक के मुख्य कार्यकारी को सम्मानित किया और उनकी सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया जिसके कारण देश को दुनिया के सबसे अधिक सफल टीकाकरण अभियानों में से एक चलाने में मदद मिली। राष्ट्रीय टीवी पर यरुशलम में आयोजित इजराइल के मुख्य स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में दवा कंपनी फाइजर के सीईओ अल्बर्ट बुर्ला का रिकॉर्ड किया वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। वीडियो संदेश में बुर्ला ने कहा, साथ मिलकर हम यह साबित कर सकते है कि बड़े पैमाने पर टीकाकरण कर कोविड-19 महामारी को हराया जा सकता है और लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। बुर्ला यूनान में यहूदी नरसंहार से बचे माता-पिता की संतान हैं और यहूदी समुदाय के प्रतिनिधि के तौर पर उन्हें आमंत्रित किया गया लेकिन वह उपस्थित नही हो सके।

हांगकांग में चीन के शीर्ष अधिकारी ने विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ आगाह किया

हांगकांग। हांगकांग में चीन के शीर्ष अधिकारी ने विदेशी बलों को बृहस्पतिवार को आगाह किया कि वे शहर की राष्ट्रीय सुरक्षा के सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू में हस्तक्षेप न करें और उन्होंने जवाबी कार्वाई की चेतावनी भी दी। चीन और पश्चिमी ताकतों मे जारी तनाव के बीच उनकी यह चेतावनी आई है। अमेरिका, ब्रिटेन और उनके सहयोगियो ने हांगकांग की स्वतंत्रता पर चीन के सख्त नियंत्रण की निंदा की है जिनमें व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून और चुनावी सुधार शामिल हैं जिसने अर्ध स्वायत्तशासी क्षेत्र मे कभी आक्रामक रहे विपक्ष को छोड़कर सभी को शांत करा दिया है। हांगकांग में केंद्र सरकार के संपर्क कार्यालय के निदेशक लुओ हुयनिंग ने कहा, जब भी वक्त आए, तब हांगकांग के मामलों में दखल देने वाले किसी भी विदेशी या बाहरी बल को या हांगकांग को प्यादे के तौर पर इस्तेमाल की कोशिश करने वालो के खिलाफ कार्वाई की जाए। उन्होंने हांगकांग के राष्ट्रीय सुरक्षा शिक्षा दिवस के उद्घाटन समारोह में कहा, हम कड़ी आपत्तियो का प्रस्ताव देंगे और उन्हे सबक सिखाएंगे।

उत्तरी इराक में रॉकेट हमले में तुर्की के एक सैनिक की मौत

अंकारा। उत्तरी इराक मे तुर्की के एक सैन्य अड्डे को निशाना बनाकर किए गए रॉकेट हमले मे एक सैनिक की मौत हो गई, जबकि पास के गांव मे एक बच्चा घायल हो गया। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उत्तरी इराक के बशीका क्षेत्र मे बुधवार देर रात सैन्य अडडे पर तीन रॉकेट दागे गए। उनमे से एक रॉकेट सैन्य अड्डे पर गिरा, जबकि दो रॉकेट पास के एक गांव मे गिरे, जिससे गांव का एक बच्चा घायल हो गया। बयान के अनुसार इस हमले के तुरंत बाद हथियारो से लैस एक ड्रोन तैनात किया गया और अन्य आवश्यक उपाय किए गए।अधिकारियो ने बताया कि बुधवार को ही उत्तरी इराक मे एक हवाई अड्डे के पास अमेरिकी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना पर ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले मे कोई हताहत नही हुआ, लेकिन आग लगने से एक इमारत को नुकसान पहुंचा। बहरहाल, मंत्रालय ने यह नही बताया कि बशीका में हुए हमले के लिए कौन जिम्मेदार है।

वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान निर्वस्त्र में नजर आए कनाडा के एक सांसद

ओटावा (कनाडा)। कनाडा की संसद के एक सदस्य हाउस ऑफ कॉमन्स की डिजिटल माध्यम से चल रही बैठक के दौरान निर्वस्त्र में देखे गए। पोंटिएक के क्यूबेक जिले का 2015 से प्रतिनिधित्व कर रहे विलियम अमोस बुधवार को अपने साथी सांसदो की स्क्रीन पर पूरी तरह नग्न अवस्था मे दिखे। वैश्विक महामारी के कारण कई कनाडाई सांसद वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संसदीय सत्रों मे हिस्सा ले रहे है। द कनाडियन प्रेस को प्राप्त एक स्क्रीनशॉर्ट मे अमोस एक डेस्क के पीछे खड़े दिख रहे है और निजी अंग संभवतः एक मोबाइल से ढके हुए थे। अमोस ने ई-मेल के जरिए दिए गए बयान मे कहा, यह दुर्भाग्य से हुई गलती थी। उन्होने कहा, जॉगिंग से लौटने के बाद मै कार्यस्थल पर पहने जाने वाले कपड़े बदल रहा था जब मेरा वीडियो गलती से ऑन हो गया। अनजाने मे हुई इस गलती के लिए मै हाउस ऑफ कॉमन्स के अपने साथियो से दिल से माफी मांगता हूं। निश्चित तौर पर यह अनजाने मे हुई गलती थी और यह दोबारा नही होगी। विपक्षी ब्लॉक क्यूबेकोइस पार्टी की सांसद, क्लाउडे बेलेफियोलि ने प्रश्नकाल के बाद इस घटना को उठाया और सुझाव दिया कि संसदीय मर्यादा के अनुरूप संसद के पुरुष सदस्यो को ट्राउजर, अंडरवियर, शर्ट और एक जैकेट तथा टाई पहननी चाहिए।

अमेरिका स्थित गैर लाभकारी संस्था ने भारतीय मूल के अमेरिकी को बनाया कार्यकारी निदेशक

न्यूयॉर्क। भारत मे वंचित बच्चो तक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा मुहैया कराने के क्षेत्र में काम करने वाले एक अमेरिकी गैर लाभकारी संगठन ने भारतीय मूल के व्यक्ति को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। स्थानीय आकांक्षा एजुकेशन फंड (एईएफ) ने बताया कि सेजल देसाई संगठन की नई कार्यकारी निदेशक होंगी। संगठन के निदेशक मंडल ने बयान जारी कर बताया, देसाई का 30 साल का करियर है और वह हाल ही में आकांक्षा परिवार में शामिल हुई थी जहां उन्होने एक रणनीतिक पहल का नेतृत्व किया। देसाई करीब 20 साल तक मुंबई मे रही हैं और वहां उनका मजबूत पारिवारिक एवं प्रोफेशनल संबंध है।

भारतीय मूल के अमेरिकी चिकित्सकों के संगठन का नेतृत्व चुनने के लिए हुई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी चिकित्सकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे बड़े संगठन के नेतृत्व को चुनने के लिए पहली बार इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान हुआ है। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडियन ऑरिजीन (एएपीआई) ने बुधवार को एक बयान में बताया कि डॉ अंजना समद्दर को एएपीआई का उपाध्यक्ष चुना गया है। बयान में बताया गया है कि डॉ सतीष कथूला सचिव और डॉ कृष्ण कुमार एएपीआई के कोषाध्यक्ष चुने गए। संगठन की मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ सीमा अरोड़ा ने कहा, एएपीआई की चुनावी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई और आज परिणामों की घोषणा की गई। एएपीआई के चार दशक के इतिहास मे यह पहली बार है, जब चुनाव इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से हुए है।

जेएंडजे टीके के प्रयोग पर रोक लगाने के बाद अगले कदमों पर विचार कर रहा है अमेरिका

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका में स्वास्थ्य अधिकारी जॉनसन एंड जॉनसन कोविड-19 टीका लगवाने वाले लोगों में खून के थक्का जमने की घटना की जांच के बीच इस संबंध में अगले कदमों पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका में टीका लगवा चुके 70 लाख से अधिक लोगों में से खून के थक्के जमने के छह मामले वाकई में जेएंडजे टीके से जुड़े हैं।

बहरहाल सरकार ने मंगलवार को जेएंडजे टीके का इस्तेमाल रोकने की सिफारिश की है। इससे एक हफ्ते पहले यूरोपीय नियामकों ने कहा था कि खून का थक्का जमना दुर्लभ मामला है लेकिन इसका संबंध एस्ट्राजेनेका टीके से हो सकता है। एस्ट्राजेनेका टीका भी जेएंडजे की तरह बनाया गया है लेकिन अभी अमेरिका में इसके इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई है। रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) ने अपने सलाहकारों को बुधवार को इस पर चर्चा करने के लिए कहा कि जेएंडजे टीके का इस्तेमाल कैसे किया जाए। बुधवार को सीडीसी ने कहा कि खून के थक्के जमने की शिकायत करने वाली छह में से चार महिलाओं का हेपेरिन नाम के ब्लड थिनर से इलाज किया जा रहा है जबकि सरकार ने डॉक्टरों को इसका इस्तेमाल करने से बचने की चेतावनी दी है। अमेरिका में अभी तक जेएंडजे टीके का इस्तेमाल बहुत कम रहा है। 12.2 करोड़ से अधिक अमेरिकियों ने टीके की केवल एक खुराक ली है जिनमें से ज्यादातर ने मॉर्डना या फाइजर का टीका लगाया है और तकरीबन 23 प्रतिशत अमेरिकियों ने टीके की दोनों खुराक ले ली है।

सीडीसी ने बताया कि अमेरिका की 47 प्रतिशत वयस्क आबादी ने कोरोना वायरस रोधी टीके की पहली खुराक ले ली है। डेमोक्रेट्स के प्रतिनिधित्व वाले देश के सबसे बड़े राज्य कैलिफोर्निया में 50 प्रतिशत आबादी को टीका लग चुका है। रिपब्लिकन के प्रतिनिधित्व वाले सबसे बड़े टेक्सास राज्य में 44 प्रतिशत आबादी को टीका लग चुका है।

रूस ने छात्र पत्रिका के संपादकों पर लगाए आपराधिक आरोप

एपी। मास्को

रूसी अधिकारियों ने एक ऑनलाइन छात्र पत्रिका के चार संपादकों पर जेल में बंद विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी के समर्थन में हुए देशव्यापी प्रदर्शनों में नाबालिगों को अवैध गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए उकसाने का बुधवार को आरोप लगाया। अदालत ने सभी चार संपादकों को अगले दो महीनों के लिए घर छोड़कर नहीं जाने का आदेश दिया है और उन्हें इंटरनेट का इस्तेमाल करने तथा परिवार के करीबी सदस्यों, वकीलों तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बातचीत करने से रोक दिया है। इन आरोपों में अधिकतम तीन साल की सजा हो सकती है। स्वतंत्र समाचार संगठनों पर बढ़ते दबाव के बीच ए आरोप लगाए गए हैं।

ऑनलाइन छात्र पत्रिका डीओएक्सए और उसके बचाव में शामिल एक मानवाधिकार समूह ने कहा कि पुलिस ने पत्रिका के चार संपादकों के मास्को में स्थित घरों, दो संपादकों के माता-पिता के अपार्टमेंट और पत्रिका के कार्यालयों पर छापा मारा। पत्रिका का कहना है कि यह कार्वाई जेल में बंद रूस में विपक्ष के नेता एलेक्सी नवलनी के समर्थन में जनवरी में हुए प्रदर्शन से पहले पत्रिका पर प्रसारित एक वीडियो से जुड़ी हुई है। नवलनी के समर्थन में दो सप्ताह तक चला प्रदर्शन रूस में हाल के वर्षों में हुआ सबसे बड़ा जनांदोलन है और क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति का कार्यालय) के लिए बड़ी चुनौती भी है। वीडियो में बताया गया है कि कैसे प्रदर्शनों से पहले स्कूलों और विश्वविद्यालयों के छात्रों पर कितना दबाव होता है, यहां तक कि उन्हें संस्थान से निकाले जाने का भी डर होता है।

दक्षिण अफ्रीका ने जे एंड जे कोविड-19 टीके के इस्तेमाल पर लगाई रोक

जोहानिसबर्ग। अमेरिका के बाद अब दक्षिण अफ्रीका ने भी जॉनसन एंड जॉनसन कोविड-19 टीके का इस्तेमाल रोकने का फैसला किया है। ऐसी खबरें आई थीं कि कंपनी का टीका लगवाने वाली छह महिलाओं के शरीर में खून के थक्के जम गए और साथ ही प्लेटेलेट्स गिर गए। स्वास्थ्य मंत्री ज्वेली मिजे ने मंगलवार शाम को एक बयान में कहा, इस परामर्श के पता चलने के बाद मैंने हमारे वैज्ञानिकों के साथ तत्काल विचार-विमर्श किया जिन्होंने सलाह दी कि यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के फैसले को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा, उनकी सलाह पर हमने खून के थक्के जमने और जॉनसन एंड जॉनसन टीके के बीच संबंध का पता लगने तक इस टीके का इस्तेमाल रोकने का फैसला किया है। मिजे ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में टीका लगवाने के बाद खून के थक्के जमने की कोई खबर नहीं आई है जबकि 289,787 स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों को यह टीका लग चुका है। खून के थक्के जमने के सभी मामले अमेरिका में आए हैं। जॉन्स हॉप्किन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 से ।,561,559 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 53,498 लोगों की मौत हो चुकी है।

अपनी प्राथमिकता पर दें ध्यान

पांच में से एक छात्र इस बात में दुविधा का सामना करता है कि क्या उन्हें भारत या विदेश में अध्ययन करना चाहिए। **आशीष फर्नान्डो** छह ऐसे कारकों के बारे में बताते हैं जो आपको इसका फैसला करने में मदद कर सकते हैं-

प्रत्येक पाँच छात्रों में से एक को इस बात की दुविधा होती है कि उन्हें भारत में या विदेश में अध्ययन करना चाहिए या नहीं। यहां ऐसे छह कारक हैं जो आपको बेहतर भविष्य प्रदान करने में मदद कर सकते हैं।

अपनी उच्च शिक्षा की योजना बनाने वाला प्रत्येक छात्र अनेक विकल्पों का सामना करता है। इन विकल्पों के दायरे में सही पाठ्यक्रम, एक अच्छा विश्वविद्यालय और यहां तक कि सही देश चुनने से संबंधित कुछ सबसे महत्वपूर्ण निर्णय आते हैं। आप जहां अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए चुनते हैं, वो आपके भविष्य को जबरदस्त ढंग से बदल सकता है। अधिकांश छात्र जो अपने देश के भीतर मौजूद विकल्पों में से निर्णय लेते हैं, खूबियों व खामियों की तुलना इन्हीं ज्वलंत प्रश्नों से करते हैं :

■ शिक्षा की लागत कैसे असमान होती है?

आपके द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम के आधार पर, भारत में अध्ययन करना, विदेश में किसी विश्वविद्यालय में अध्ययन करने से सस्ता हो सकता है। भारत में दुनिया के कुछ सबसे सस्ते उच्च शिक्षा-विकल्प हैं। इस प्रकार, भारतीय विश्वविद्यालय बहुत सारे वैश्विक छात्रों को आकर्षित करते हैं, विशेष रूप से यूरोपीय और अफ्रीकी देशों से आने वाले छात्रों को।

हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि विदेश में पढ़ाई सस्ती नहीं हो सकती है। समस्त वित्तीय व शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्र विदेशों में अध्ययन करते हैं। यदि आप पर्याप्त मेहनत से तलाश करें तो आप एक ऐसी संस्था को खोजने में सक्षम होंगे, जिसकी शिक्षा लागत भारत के समान हो। आपकी शिक्षा की लागत में निश्चित रूप से आपके रहने की लागत भी शामिल होती है। यह विचार करना महत्वपूर्ण है कि हालांकि विदेश में रहना चीजों पर एक वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है, मगर अपने परिवारों के साथ रहना अधिक लागत प्रभावी या सस्ता हो सकता है। इसलिए, यदि आप अभी भी भ्रमित हैं, तो बेहतर है कि हम अगले कारक पर विचार करें।

■ हम शिक्षा की गुणवत्ता को कैसे आंकते हैं?

पाठ्यक्रम, शिक्षक और शोध के क्षेत्र या पढ़ाए जाने वाले विषय तीन चीजें हैं जिन्हें प्रत्येक छात्र को किसी संस्थान की शिक्षा गुणवत्ता को जांचते समय देखना चाहिए। भारत में, अधिकांश संस्थान मानक सरकार द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम या निजी शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत आते हैं। हालांकि, आईआईटी और आईआईएम जैसे शीर्ष विश्वविद्यालयों में प्रवेश पाना अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो सकता है, जहां की प्रवेश दर महज सात फीसदी है। हालांकि, विदेशों में संस्थानों में कोर्स-वर्क होता है जो प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए अलग-अलग होता है। इसका मतलब यह है कि जो छात्र एमबीए के लिए आवेदन करने की योजना बना रहा है, वह पारंपरिक मॉड्यूल के बजाय एसटीईएम विशेषज्ञता में ऐसा करना चुन सकता है। भारत में इस प्रकार की उत्तम विशेषज्ञता और कार्यक्रम अक्सर अनुपलब्ध हैं। चुनींदा संकाय सदस्य, उन्नत शिक्षण विधियाँ और विदेशों में विश्वविद्यालयों में उच्च प्रवेश दर, अक्सर इसे छात्रों के लिए बेहतर विकल्प बनाते हैं।

■ नौकरी के अवसर कैसे हैं?

लगभग समूची उच्च शिक्षा यात्रा के पीछे का इरादा एक गंतव्य की ओर ले जाता है : एक अच्छे वेतन वाली संतोषजनक नौकरी। चूंकि भारतीय विश्वविद्यालयों की डिग्रियां कभी-कभी ज्यादा सस्ती होती हैं, इसलिए निवेश पर वापसी अक्सर उल्लेखनीय होती है। हालांकि, विदेशी विश्वविद्यालय की डिग्रियों की लगभग प्रतिष्ठित भारतीय विश्वविद्यालय से प्राप्त डिग्री के समान ही प्रतिष्ठा होती है मगर यह छात्रों को भारत में समान नौकरियों के लिए आवेदन करने वाले अन्य लोगों पर वरीयता दिला देती है। विदेशों में किसी नौकरी में आवेदन करना आपको आपको विविध कैरियर विकल्प और निवेश पर बेहतर लाभ भी प्रदान करता है।

■ कहां यह ज्यादा सुरक्षित है?

भौतिक सुरक्षा संबंधी चिंताएं दुनिया भर में हर संस्था द्वारा सामना की जाने वाली एक अपरिहार्य समस्या है। बहुत से छात्रों को अपने ही देश में पढ़ाई करने में बहुत सुविधा होती है। हालांकि, कई अन्य लोग हैं जो विदेशी विश्वविद्यालयों में सुरक्षा प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हैं और वहां शिक्षा प्राप्त करते हैं। छात्र चिंताओं को बहुत गंभीरता से लिया जाता है और मदद तत्काल होती है। वैश्विक महामारी जैसे समय में जब शिक्षा काफी हद तक डिजिटल हो गई है, सुरक्षा एक गंभीर चिंता है। भारतीय विश्वविद्यालयों ने कैंपस शिक्षण पर सख्त प्रतिबंध लगा दिए हैं। जबकि विदेशों में अनेक विश्वविद्यालयों ने भी यही किया है, संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों में अधिकांश संस्थानों ने परिसर में एक आंशिक व्याख्यान अनुसूची पेश की है।

■ करियर प्रोफाइल के लिए कौन सा विकल्प बेहतर है?

चाहे आप विदेश में रहने की योजना बनाते हैं या भारत वापस आने की, मगर विदेश में शिक्षा प्राप्त करना आपको जीवन का वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह आपके दृष्टिकोण और निर्णय लेने की योग्यता को विकसित करता है, इस प्रकार, आपको एक सुव्यवस्थित कैरियर लक्ष्य बनाने में मदद मिलती है। हालाँकि, यदि आप एक ऐसे करियर को चुनने की योजना बनाते हैं जिसमें भारतीय उद्योगों में अधिक गुंजाइश और आजीविका के विकल्प हों, तो भारत में रहना आपके लिए सही विकल्प होना चाहिए। जैसा कि आपने देखा होगा, ये सभी कारक एक प्रमुख विकल्प पर निर्भर करते हैं - वो है कोर्स या पाठ्यक्रम। चाहे वो पाठ्यक्रम हो, या लागत, कैरियर या यहां तक कि नौकरी हो, आपका निर्णय आपकी अपनी पसंद के कोर्स पर टिका है। केवल यह ध्यान में रखना है कि देश के विकल्प कभी सीमित नहीं होते हैं, सबसे ज्यादा जो महत्व रखता है, वो है छात्र की प्राथमिकता।

-(लेखक आईस्कूल कनेक्ट के संस्थापक और सीईओ हैं।)

कोवड-19 से स्वस्थ होकर अस्पताल से घर लौटीं अभिनेत्री तबस्सुम

भाषा। मुंबई

जानी-मानी अभिनेत्री और टॉक शो कार्यक्रम की मेजबान तबस्सुम कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद स्वस्थ होकर अस्पताल से घर लौट आई हैं। उनके बेटे होशांग गोविल ने इस बारे में बताया। अभिनेत्री 10 दिन पहले कोविड-19 से संक्रमित हुई थीं और उन्हें इलाज के लिए शहर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अभिनेता-फिल्मकार ने कहा कि जांच में कोविड-19 की पुष्टि नहीं होने पर उनकी मां घर वापस आ गई हैं। होशांग ने अभिनेत्री की अस्पताल से बाहर आते समय विजई मुद्रा में उनकी एक तस्वीर भी पोस्ट की। होशांग ने कहा, अपने प्रशंसकों के प्यार और आशीर्वाद से तबस्सुम गोविल की जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई और वह घर लौट आई हैं। उन्होंने कोरोना वायरस को हरा दिया और योद्धा की तरह घर लौट आई हैं। ईश्वर महान है। तबस्सुम दूरदर्शन पर फूल खिले हैं गुलशन गुलशन की मेजबानी कर लोकप्रिय हुईं। उन्होंने अभी तो मैं जवान हूं कार्यक्रम की मेजबानी भी की। हाल में तबस्सुम के अल्झाइमर से ग्रसित होने की खबर का होशांग ने खंडन किया था और कहा था कि अभिनेत्री की सेहत बिल्कुल ठीक है। तबस्सुम ने बाल कलाकार के तौर पर अपने कॅरियर की शुरूआत फिल्म दीदार से की थी जिसमें उन्होंने नरगिस के बचपन की भूमिका निभाई थी। 1952 में आई बैजू बावरा में उन्होंने मीना कुमारी के बचपन की भूमिका निभाई थी।

फास्ट एंड यूरियस 9 पर विन डीजल ने कहा : हम लोग क्रेजी हैं

नई दिल्ली। स्टंट और एक्शन से भरपूर फास्ट एंड यूरियस श्रृंखला की एक और कड़ी आने वाली है। फिल्म के मुख्य कलाकार विन डीजल का कहना है कि इस बार सब कुछ अंतरिक्ष में होगा और निर्देशक जस्टिन लिन का यह विचार काफी रोमांचक होने जा रहा है।

डीजल के चरित्र का नाम डोमिनिक टोरेटो है। डीजल फिल्म में र तार से कार चलाने और जबरदस्त एक्शन दृश्य देने के लिए मशहूर हैं। उन्होंने कहा कि लिन ने जब उनके सामने यह विचार रखा तो वह अवाक रह गए। डीजल ने जूम के जरिए वीडियो कांफ्रेंस से हुए वैश्विक साक्षात्कार में कहा, यह बहुत शानदार है। हम लोग क्रेजी हैं। इस वीडियो कांफ्रेंस में पीटीआई ने भी हिस्सा लिया। यूनिवर्सल पिक्चर्स ने बुधवार को इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का ताजा ट्रेलर जारी किया। फिल्म के एक दृश्य में टायरेस गिब्सन, रोमन पीयर्स और लुडेक्रिस तेज पार्कर को स्पेस सूट में देखा गया जिन्होंने अपनी कार को रॉकेट शिप में तब्दील कर लिया और अंतरिक्ष में निकल पड़े।

सीरियलों की शूटिंग रोकने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले पर ज़ी टीवी के कलाकारों ने दी प्रतिक्रिया

'कुर्बान हुआ' में चाहत का रोल निभा रहीं प्रतिभा रांटा कहती हैं, 'हम पिछले साल जैसी स्थिति में वापस पहुंच गए हैं और यह वाकई गंभीर है। जैसा कि सीएम ने कहा कि हमें चेन को ब्रेक करना होगा और मैं उम्मीद करती हूं कि यह चेन टूटे और चीजें जल्द से जल्द बेहतर हों। हालांकि यह प्रतिबंध सिर्फ15 दिनों के लिए है, लेकिन मुझे याद है पिछली बार जब शूटिंग रोकी गई थी, तब इसका बड़ा असर पड़ा था। इसलिए सारी टेलीविजन इंडस्ट्री अस्थायी तौर पर शूट लोकेशन महाराष्ट्र के बाहर ले जाने पर विचार कर रही है, ताकि हम लगातार दर्शकों का मनोरंजन करते रहें और उनमें सकारात्मकता और उम्मीद जगाए रखने में मदद कर सकें। हम सभी को सुरक्षा के पर्याप्त उपाय करने चाहिए और जब भी बाहर निकलें, मास्क पहनना चाहिए और समय-समय पर खुद को और अपने आसपास के माहौल को सैनिटाइज़ करना चाहिए और जितना हो सके, घर पर रहना चाहिए। आखिर इलाज से बेहतर है बचाव। सुरक्षित रहें!'

हमारीवाली गुड न्यूज़ में आदित्य का रोल निभा रहे राघव तिवारी कहते हैं, 'यह बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमें फिल्मों और सीरियलों की शूटिंग रोकनी पड़ी, लेकिन हम सभी जानते हैं कि किस तरह हाल ही में बहुत-से कलाकार, क्रू मेंबर्स और सितारों के फैमिली मेंबर्स पॉजिटिव आए हैं। कोविड-19 की दूसरी लहर खतरनाक है और हमने अचानक भारी संख्या में केसेज़ में बढ़ोतरी देखी है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक जरूरी कदम है और हमारे स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए हमें सरकार के इस फैसले का समर्थन करना चाहिए और सभी नियमों का पालन करना चाहिए। हमें इस महामारी पर नियंत्रण पाना ही होगा। यदि हम लगातार लापरवाह बने रहे, तो यह नियंत्रण से बाहर हो जाएगी। इसलिए इस समय हमें होने वाले छोटे नुकसानों के बारे में सोचने के बजाय अपने भविष्य को लेकर सोचना चाहिए। आइए हम सब मिलकर नियमों का पालन करें और इस महामारी का

खात्मा करें। मैं हमारीवाली गुड न्यूज़ की शूटिंग मिस करूंगा, लेकिन मुझे लगता है कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है और हमें इन कदमों का स्वागत करना चाहिए।'

क्यों रिश्तों में कट्टी बट्टी में कुलदीप का रोल निभा रहे सिद्धांत वीर सूर्यवंशी कहते हैं, ''जहां मैं सरकार के फैसले का स्वागत करता हूं और समझता हूं कि कोविड-19 की चेन को तोड़ने के लिए इन उपायों की जरूरत थी, वहीं शो भी जारी रहना चाहिए। इस चैनल और हमारे प्रोड्यूसर्स ने फैसला किया है कि हम 'क्यों रिश्तों में कट्टी बट्टी' की शूटिंग महाराष्ट्र के बाहर एक सील्ड और सुरक्षित (बायो बबल) लोकेशन में जारी रखेंगे। यह तीन-चार ह ते का शेड्यूल होगा और इसकी कहानी में भी थोड़ा बदलाव किया जा रहा है। मैं एक साल से ज्यादा समय से मुंबई से बाहर नहीं निकला हूं, तो ऐसे में यह हम सभी के लिए एक अच्छा बदलाव रहेगा और काम के माहौल के बीच सारी टीम भी आपस में घुल-मिल सकेगी। मुझे उन सभी के साथ मजेदार शामें गुजारने का इंतजार है। हालांकि महाराष्ट्र में स्थिति बड़ी गंभीर है और मैं उ मीद करता हूं कि सभी जल्द ठीक हो जाएं। मैं सभी से रिक्वेस्ट करूंगा कि वो सभी जरूरी सावधानियां बरतें और जब तक कि उन्हें बाहर निकलना बहुत जरूरी ना हो, तब तक घर से बाहर में ही रहें। अपना याल रखें और सुरक्षित रहें।

ज़ी टीवी के कुंडली भाग्य में पृथ्वी का रोल निभा रहे संजय गगनानी कहते हैं, ''हम पिछले एक साल से बहुत ही चुनौतीपूर्ण वक्त से गुजरे हैं। हम सबने देखा है कि पिछले लॉकडाउन के दौरान कैसे देश और दुनिया भर के लोगों ने मुश्किलें झेलीं और कई महीनों बाद जब वैक्सीन आई, तो हमें उम्मीद की एक किरण नजर आई। हमें लगा कि सबकुछ अच्छा हो जाएगा और हमें फिर कभी लॉकडाउन नहीं देखना पड़ेगा। लेकिन कोविड की दूसरी लहर ने न सिर्फ लोगों की उ मीदें तोड़ दीं बल्कि कई जानें भी ले लीं। हालात अब बेलगाम हो गए हैं और इसलिए प्रशासन के पास इस चेन को तोड़ने के लिए पूरे महाराष्ट्र में पाबंदियां लगाने के अलावा और कोई उपाय नहीं था। मैं इस फैसले का स्वागत करता हूं। एक बार फिर कभी ना सोने वाला यह शहर आंशिक रूप से सो जाएगा। शूटिंग अपनी स्थिति में ही रुक जाएंगी और हम सभी के लिए एक बार फिर जिंदगी थम जाएगी। यह बहुत कठिन और चुनौतीपूर्ण वक्त है। मैं ना सिर्फ अपने लिए बल्कि अपने आसपास तकलीफ झेल रहे सभी लोगों के लिए फिक्रमंद हूं। मैं मानता हूं कि हमारे राज्य शासन ने विशेषज्ञों से सलाह करके ही यह निर्णय लिया है और मैं इसका पूरी तरह पालन करूंगा। जहां मैं 'कुंडली भाग्य' की शूटिंग मिस करूंगा और यह चाहूंगा कि हमें एक और लॉकडाउन से ना गुजरना पड़े, इसलिए मैं सरकार के इस फैसले का समर्थन करता हूं जो राज्य के नागरिकों के हित में लिया गया है। मेरा मानना है कि यदि यह चेन टूटेगी तभी कोविड केसेज कम होंगे। यह स त पाबंदियों से ही संभव हो पाएगा। हम सभी जानते हैं कि सुरक्षित रहने के लिए हमें कौन-सी सावधानियां बरतनी चाहिए, इसलिए मैं सभी से गुजारिश करना चाहूंगा कि वो तमाम जरूरी सावधानियां बरतें, दिशानिर्देशों का पालन करें और उ मीद ना हारें। जिंदगी एक जंग है और बदलाव अटल है। एक वक्त आएगा, जब कोविड और लॉकडाउन बीते दौर की बातें हो जाएंगी। इस समय तो हम सभी को मिलकर एक दूसरे की मदद करना चाहिए और इस मुश्किल घड़ी से निपटने के लिए एक दूसरे का साथ देना चाहिए।'

'अपना टाइम भी आएगा' में महारानी राजेश्वरी का रोल निभा रहीं तनाज़ ईरानी कहती हैं, 'मैं यह कहना चाहूंगी कि मुझे चैनलों, प्रोडक्शन हाउस और हमारे उन क्रू मेंबर्स के लिए बहुत खराब लग रहा है, जो दैनिक भत्तों पर गुजारा करते हैं। अपना टाइम भी आएगा की शूटिंग रुकने के बाद मेरी पहली प्रतिक्रिया यही थी। ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात है, जब चीजें बेहतर होना शुरू हुई थीं और अब अचानक उनके पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई है। लोगों में अफरा-तफरी मची हुई है और शूटिंग के लिए वैकल्पिक लोकेशन्स ढूंढने की कोशिशें की जा रही हैं। हर शो गोवा और जयपुर जैसे शहर के बाहर के लोकेशन्स पर शूटिंग करना चाहता है। मुझे यकीन है कि यह प्रोड्यूसर्स के लिए भी बहुत महंगा सौदा होगा।

खुलेपन सुनिश्चित करने, नुकसानदेह कंटेंट को रोकने को सरकार के साथ काम कर रहे हैं: यूट्यूब

नई दिल्ली। यूट्यूब के मुख्य उत्पाद अधिकारी नील मोहन ने कहा कि उनकी कंपनी वीडियो स्ट्रीमिंग मंच के खुलेपन को बनाए रखने के साथ ही उपयोगकर्ताओं को नुकसानदेह कंटेंट से बचाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। शीर्ष कार्यकारी ने कहा कि यूट्यूब के पास उपयोगकर्ताओं, रचनाकारों और भागीदारों के पूरे तंत्र को नफरत भरे भाषणों, गलत सूचनाओं और हानिकारक सामग्री जैसे पहलुओं से बचाने के लिए हमेशा से मजबूत

सामुदायिक दिशानिर्देश रहे हैं। उन्होंने रायसीना संवाद के एक सत्र में कहा, हम सरकारी एजेंसियों, नियामकों के साथ काम करना चाहते हैं... पूरी दुनिया में इस बात पर चर्चा हो रही है कि यूट्यूब किस तरह ऐसी भूमिका निभा सकता है, जो सरकारों द्वारा तय ढांचे को संतुष्ट करती है... हम वर्षों से ऐसा कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारत में पिछले 13 वर्षों से, और हम आगे भी ऐसा करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी ने जब अपने सामुदायिक दिशानिर्देशों और नियमों को बनाया, तब यह खुले रूप में किया गया और साथ ही इस संबंध में दुनिया के सभी हिस्सों के राजनीतिक क्षेत्र के साथ परामर्श किया गया। मोहन ने कहा, हम इन दिशानिर्देशों को अपनी साइट पर स्पष्ट रूप से प्रकाशित करते हैं, और हम उन्हें समान रूप से लागू करने की कोशिश करते हैं, चाहें वह एक आम नागरिक हो या राज्य के प्रमुख। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि यूट्यूब एक खुले मंच के रूप में अपनी जि मेदारी को समझता है।

सभी जरूरी सावधानियों के साथ तनाज़ ईरानी ने सादगीपूर्वक मनाया अपना जन्मदिन

ज़ी टीवी ने हाल ही में एक नया फिक्शन शो 'अपना टाइम भी आएगा' प्रस्तुत किया है, जो जयपुर के एक अमीर परिवार के हेड स्टाफ की बेटी रानी की प्रेरणादायक कहानी है। रानी अपनी गरीबी से बंधे रहने से इंकार कर देती है और अपनी हैसियत की बेड़ियां तोड़कर खुद अपनी तकदीर बनाना चाहती है। जहां रानी के किरदार को सभी दर्शक बहुत पसंद कर रहे हैं, वहीं तनाज़ ईरानी के किरदार राजेश्वरी को भी दर्शकों से उतना ही प्यार मिल रहा है। तनाज़ टीवी पर अपने किरदार को सबसे बढ़िया ढंग से प्रस्तुत करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं और जहां यह एक्टर इस शो की शुरुआत से ही दिन रात मेहनत कर रही हैं, वहीं हाल ही में उन्होंने अपने शूटिंग शेड्यूल से छोटा-सा ब्रेक लेकर मुंबई की भीड़भाड़ से दूर अपना जन्मदिन मनाने का फैसला किया। जहां कोविड-19 की दूसरी लहर मजबूत हो रही है, वहीं तनाज़ ने अपने पति और बच्चों के साथ लोनावला में बड़े सादगीपूर्ण ढंग से अपना जन्मदिन प्लान किया। तनाज़ बताती हैं, ''आमतौर पर मैं हर साल अपने जन्मदिन पर पार्टी आयोजित करती हूं और इसे अपने दोस्तों और परिवार के साथ मनाती हूं,

लेकिन इस बार मैंने एक दिलचस्प और सीमित सेलिब्रेशन प्लान किया। मैं अपने परिवार के साथ लोनावला के एक आलीशान बंगले में जन्मदिन मनाने आई हूं, जिसमें एक पूल और गार्डन भी है। मैंने 'अपना टाइम भी आएगा' की शूटिंग से ब्रेक लिया और सारी प्लानिंग की। मेरे पति (ब तियार ईरानी) ने एक खास केक डिजाइन करवाया और मेरे प्यारे बच्चों ने मेरे लिए एक स्वीट सरप्राइज़ भी प्लान किया था। उन लोगों ने वाकई मेरा जन्मदिन बड़ा यादगार बना दिया।'' सुरक्षा उपायों के बारे में बात करते हुए तनाज़ ने कहा, ''हालांकि कोविड-19 की दूसरी लहर जोर पकड़ रही है, लेकिन हमने अपनी ट्रिप के दौरान मास्क पहनने से लेकर सैनिटाइज़र का इस्तेमाल करने और महाराष्ट्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने तक, हर बात का याल रखा। वर्तमान परिस्थितियों के बावजूद हमने बहुत मस्ती की। सच कहूं तो एक जैसे रूटीन से बाहर आकर बहुत अच्छा लगा। वैसे, अपने दोस्तों और बाकी परिवार के साथ थोड़ा बड़ा सेलिब्रेशन और अच्छा रहता, लेकिन वर्तमान में कोविड-19 के हालातों ने हमें सिखाया है कि हम छोटी चीजों की तरफ देखें, जो कि असल में जिंदगी की बड़ी चीजें होती हैं।'' तनाज़ ने आगे कहा, ''इस साल मेरा जन्मदिन खास था, इसलिए मैंने अपने सभी फैमिली मेंबर्स को खास तौर पर तैयार किए गए पर्सनलाइज़्ड गि ट्स भेजे हैं। अब मुझे उनकी प्रतिक्रिया जानने का बेसब्री से इंतजार है।'' हमारी तरफसे भी खूबसूरत और रॉयल रानी सा को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। जहां तनाज़ अपने बर्थडे वैकेशन पर हैं, वहीं आप भी 'अपना टाइम भी आएगा' में आने वाला ड्रामा देखना ना भूलें, जहां रानी का अपहरण हो जाता है और विक्रम (पुलकित भागिया) और कियारा (प्रियल शाह) दुर्घटनावश एक दूसरे से शादी करने जा रहे हैं।